जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 28 मार्च, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

विकास एवं सुशासन उत्सव

लगभग 10 हजार करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

28 मार्च, 2025 | चित्रकूट धाम स्टेडियम, भीलवाड़ा | अपराह्न 12:00 बजे

शुभारंभ / विमोचन

• राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना का शुभारम्भ • सभी जिलों की पंच गौरव पुस्तिका का विमोचन • ई-उपचार एप का लांच

योजनाओं के दिशा निर्देश/आदेश

- स्थानीय निकायों का सशक्तिकरण
- फायर एन.ओ.सी. प्रक्रिया का सरलीकरण
- रजिस्ट्री अब सप्ताह में 2 दिन प्रातः 8 से रात्रि 8 बजे तक
- हरित अरावली विकास परियोजना
- नये जिलों में डी.एम.एफ.टी. गठन
- राशन दुकानों में अन्नपूर्णा भण्डार

राजस्थान संवाद

विकसित राजस्थान - समृद्ध राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

दूसरों पर शक करना कभी-कभी गुनाह हो जाता है। –कुरान

क्या सिद्धारमैया सरकार का ठेकों में मुस्लिमों को 4% आरक्षण देने का कोई औचित्य है?

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिनांक 14.03.2025 को केबीनेट की मीटिंग में कर्नाटक ट्रान्सपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योर्मेन्ट एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव रखा, जिसे मंजूर किया गया। इसे विधानसभा में पेश किया जावेगा। इससे पूर्व सरकार ने बजट सत्र के समय घोषणा की थी कि सार्वजनिक कार्यों के ठेकों में 4% आरक्षण मुस्लिम समुदाय को दिया जावेगा और यह आरक्षण श्रेणी II बी के अन्तर्गत आयेगा। यह भी स्पष्ट किया गया कि यह व्यवस्था सरकारी विभागों, निगमों और संस्थानों द्वारा वस्तुओं व सेवाओं की खरीद पर लागू होगी। एसटी, एससी और ओबीसी को इसमें पहले से आरक्षण है। जो श्रेणी I, श्रेणी II ए में है। अब इसमें श्रेणी II बी को जोडा जायेगा, जिसमें मुस्लिम समुदाय है। आरक्षित वर्ग के ऐसे ठेकेदार 2 करोड़ तक के ठेके के अधिकारी (पात्र) होंगे। इस प्रकार कर्नाटक में सरकारी टेन्डर व ठेकों में मुस्लिमों को 4% कोटा देने की तैयारी करली है। यह कहा गया है कि 4% आरक्षण ओबीसी केटेगरी में होगा, किन्तु ये 4% मुस्लिम ओबीसी केटेगरी के मापदण्डों की पूर्ति नहीं करते।

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय राज्य के विरूद्ध खुला युद्ध छेडने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुये कहा कि कांग्रेस नेता ने कथित संवैधानिक सिद्धान्तों पर साम्प्रदायिक तुष्टिकरण को प्राथमिकता देने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने 17 मार्च 2025 को सरकारी ठेकों में मुस्लिम ठेकेदारों के लिये 4 प्रतिशत आरक्षण के कर्नाटक सरकार के प्रस्ताव का असंवैधानिक कदम कहा है और इसे न्यायालय में चुनौती देने की घोषणा की है। दिनांक 24.03.2024 को संसद में भी भाजपा ने आरक्षण का विरोध करते हुये, उसे असंवैधानिक बतलाया।

आरक्षण के प्रावधान संवैधानिक के भाग 16 में पढ़ने को मिलते हैं। कुछ वर्गों के सम्बन्ध में अनुच्छेद 330, 331, 332, में आरक्षण व विशेष प्रतिनिधित्व का उल्लेख है। अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण का उल्लेख हमें भाग 16 में मिलेगा। अनुच्छेद 334 में लोकसभा व राज्यों की विधानसभाओं के लिये एसटी व एससी के आरक्षण के प्रावधान है। पिछड़ों के आरक्षण का प्रावधान भी आप इसी भाग में पढ़ सकते हैं। संवैधानिक संशोधन से अनुच्छेद 342ए जोड़ा गया है। यह प्रावधान सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग के लिये है।

केरल, बिहार, तामिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल व उत्तरप्रदेश में मुस्लिमों के लिये आरक्षण का विशेष प्रावधान है। मुसलमानों को अल्पसंख्यक होने के नाते आरक्षण है। जबकि अल्पसंख्यकों में मुस्लिमों के अतिरिक्त जैन, सिख, ईसाई और अन्य समुदाय भी हैं। आर्थिक आधार पर तथा प्रोमोशन में भी आरक्षण दिया गया है। अब तो यह कहा जा रहा है कि रेल के टिकिटों पर भी आरक्षण की मांग होगी।

संविधान में अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग अनुच्छेद 29 व अनुच्छेद 30 में मिलता है। अल्पसंख्यक शब्द को संविधान में परिभाषित नहीं किया गया है। साधारण रूप से हम कह सकते हैं बहुसंख्यक के विपरीत जो संख्या में कम हैं वे अल्पसंख्यक हैं। देश के कुछ लोगों के समूह की यदि कोई विशिष्ट भाषा, लिपि, संस्कृति है तो उसके अनुसार उन्हें आरक्षण का अधिकार प्राप्त है। इसी प्रकार धर्म व भाषा के आधार पर अल्पसंख्यकों को अपनी शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने का अधिकार भी है। सरकार उनके कार्यों में कोई दखल भी नहीं देगी। धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान संविधान में नहीं है। भारतीय संविधान की संरचना अद्‌भुत है। अनुच्छेद 14 में Right to Equality यानी समता का अधिकार दिया और अनुच्छेद 15 में घोषणा की कि धर्म, मूलवंश जाति, लिंग का जन स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। साथ ही यह भी निर्देश दे दिया कि राज्य सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछडे हुये नारगिकों की उन्नति के लिये या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिये व्यवस्था करने से अन्य कोई बात होने पर उपबन्ध करने से निवारित नहीं करेगा।

अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के हेतु राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 लाया गया था। इस अधिनियम की धारा 2(सी) में अल्पसंख्यक की परिभाषा है, उसके अनुसार अल्पसंख्यक वह है जिसे केन्द्र सरकार राजपत्र में विज्ञप्ति प्रकाशित कर करेगी। अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) इस प्रकार है:–

(c) Minority for the purposes of this Act, means a community notified as such by the Central Government.

भारत सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 के तहत् किया और प्रारम्भ में केन्द्र सरकार ने पांच धार्मिक समुदायों अर्थात् मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसी को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अनुसूचित किया गया; किन्तु काफी समय बाद जैनों को अल्पसंख्यक के रूप में अनुसूचित किया गया। राज्य स्तर पर भी अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया गया। राजस्थान व अन्य राज्यों में राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 29/30 के अन्तर्गत जैनों को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया।

वस्तुतः 4% मुसलमानों का सरकारी अनुबंधों में आरक्षण, इन्द्रा साहनी के केस से भिन्न है। मूल प्रश्न है, अल्पसंख्यक कौन है? अल्पसंख्यक की परिभाषा जो राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) में है, वह तो प्रत्यक्षतः ही निरंकुश है, विवेकशून्य है और साथ ही हास्यास्पद भी। जब अल्पसंख्यक की परिभाषा ही अवैध है तो फिर अधिनियम 1992 स्वयं ही अर्थ शून्य हो जायेगा।

केन्द्र सरकार ने प्रथम नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटी का गठन आदेश दिनांक 12.1.1978 को किया था। इस कमीशन को मान्यता देने हेतु ही अधिनियम 1992 लाया गया था।

जैसा ऊपर यह स्पष्ट लिखा गया है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 में किसी कॉम्यूनिटी को अल्पसंख्यक घोषित करने का अधिकार केवल केन्द्र सरकासर को था। अब राज्य सरकार को यह अधिकार प्राप्त है। अधिनियम 1992 की धारा 2(सी) में अल्पसंख्यक की परिभाषा में यह कहा गया है कि जिसे केन्द्र सरकार राजपत्र में विज्ञप्ति प्रकाशित कर करे वह अल्पसंख्यक है। केन्द्र सरकार ने निरंकुश होकर, बिना किसी वर्गीकरण के उक्त परिभाषा दी है। कानून की दृष्टि से यह अनुच्छेद 14 के अनुसार अवैध है, चूंकि अमर्यादित है निरंकुश है। फिर 4% आरक्षण ओबीसी केटेगरी में देने का तो कोई औचित्य ही नहीं है।

साधारण भाषा में अल्पसंख्यक का अभिप्राय है मेजोरिटी के विपरीत, बडे ग्रुप से छोटा ग्रुप। माइनोरिटी के तीन रूप हैं, राजनीतिक, धार्मिक व भाषाई माइनोरिटी। इनमें से धार्मिक व भाषाई अल्पसंख्यक के बाबत उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 29 में मिलता है, किन्तु राजनीतिक अल्पसंख्यक को संविधान में कोई स्थान नहीं दिया गया है। टीएमए पाई फाउण्डेशन के केस का निर्णय बडी पीठ का निर्णय है। इस केस में यह स्पष्ट निर्णय है, चूंकि कि देश का पुनर्गठन भाषा के आधार पर है अतः राज्यों में अल्पसंख्यकों का निर्णय भी उसी प्रकार होना चाहिये। टीएमए पाई फाउण्डेशन के केस में यह स्पष्ट किया है कि चूंकि पूर्व से राज्यों में ईसाई मेजोरिटी में है अतः हिन्दू वहां अल्पसंख्यक है। जम्मू कश्मीर में मुस्लिम बहुमत में है अतः हिन्दू अल्पसंख्यक है। अल्पसंख्यक से अभिप्राय है धार्मिक अल्पसंख्यक है। जैनों को अल्पसंख्यक इसलिये माना कि जैन धर्म वैदिक धर्म से पूर्व का है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव हैं। ऋषभदेव का उल्लेख वेदों में मिलता है, अतः यह कहना गलत है कि जैन धर्म हिन्दू धर्म का भाग है। उक्त निर्णय के अनुसार केन्द्रीय सरकार को अल्पसंख्यकों की घोषणा का अधिकार नहीं है, यह विषय राज्य सरकार का है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 न तो केन्द्र की लिस्ट–1 में और न राज्य लिस्ट के विषयों के तहत् ही आते हैं। टीएमए पाई के केस 2002 (2) एससीसी 481 में जो विवेचन सुप्रीम कोर्ट ने किया है उसके बाबत संसद को शिक्षा के बाबत कानून बनाने का अधिकार है। जबकि अधिनियम 1992 उन अल्पसंख्यकों के हेतु है जिन्हें केन्द्रीय सरकार अल्पसंख्यक घोषित करेगी और अनुच्छेद 29/30 धार्मिक व भाषायी अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थानों को संचालित करने का मूल अधिकार देता है और टीएमए पाई का निर्णय निर्देश देता है कि ऐसे शिक्षण संस्थानों के मामले में केन्द्र कोई दखल नहीं देगी। अतः यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 अवैध है और साथ ही अल्पसंख्यक की परिभाषा अविवेकपूर्ण है, निरंकुश है और अधिकार शून्य होने से अवैध है। इस अधिनियम 1992 की वैधानिकता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा चुकी है।

उपरोक्त विवेचन से हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि कर्नाटक सरकार ने सरकारी ठेकों में मुलसलमानों को जो 4% कोटा (आरक्षण) दिया है वह अवैध है। इन्द्रा साहनी के केस में जो आरक्षण के सम्बन्ध में एक अकाटय नजीर है, उसके अनुसार भी यह आरक्षण असंवैधानिक है। उक्त नजीर में जो सिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं, उसके अनुसार आरक्षण पिछडेपन (सामाजिक उत्पीडन) के आधार पर है। यह माना गया है कि हिन्दू व गैर हिन्दू की गणना के अनुसार हिन्दू 50% से अधिक हैं और दूसरा सिद्धान्त उक्त केस में यह निर्धारित किया है कि गैर हिन्दू आरक्षण 50% से अधिक नहीं हो सकता। वस्तुतः 4% मुसलमानों का सरकारी अनुबंधों में आरक्षण, इन्द्रा साहनी के केस से भिन्न है। मूल प्रश्न है, अल्पसंख्यक कौन है? अल्पसंख्यक की परिभाषा जो राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) में है, वह तो प्रत्यक्षतः ही निरंकुश है, विवेकशून्य है और साथ ही हास्यास्पद भी। जब अल्पसंख्यक की परिभाषा ही अवैध है तो फिर अधिनियम 1992 स्वंय ही अर्थ शून्य हो जायेगा। यह भी हमारी जानकारी में होना चाहिये कि इन्द्रा साहनी का केस समाज के पिछडों, एससी व एसटी के लोगों को समानता के स्तर पर लाने के हेतु था। किन्तु यह स्थिति उन लोगों की नहीं है, जिन्हें धारा 2(सी) की केटेगरी में अल्पसंख्यक के रूप में लिया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि मत प्राप्त करने हेतु कुछ धर्म के लोगों को लुभाने हेतु यह कानून लाया गया है। फ्रीबीज का यह भी एक रूप है।

कर्नाटक सरकार का निर्णय कि वह सार्वजनिक कार्यों के ठेके में 4% आरक्षण मुस्लिमों को देंगे जबकि एसटी, एससी और ओबीसी को पहले ही से आरक्षण है। विभिन्न प्रकार के आरक्षण से जहां विकास होना चाहिये था वहां 75 वर्ष पूरे हो जाने के बाद किसी को भी क्रिमीलेयर में स्थान नहीं दिया जा रहा है और अनुच्छेद 334 के तहत् आज भी आरक्षण को समय सीमा को अप्रभावी नहीं माना जा रहा है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के अनुसार सही नहीं है यह कृत्य धार्मिक भेदभाव व तुष्टिकरण का ही एक रूप है। अतः यह प्रावधान असंवैधानिक है।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राजस्थान स्थापना दिवस के सात दिवसीय कार्यक्रम सरकार के जनसरोकारों से जुड़ाव की पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

गौरवशाली इतिहास और परंपराओं को सहेजे राजस्थान का स्थापना दिवस पहली बार अंग्रेजी तारीख के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जा रहा है। यह अवश्य संजोग ही माना जाएगा कि इस साल देशी और अंग्रेजी कलेण्डरों के हिसाब से 30 मार्च को ही राजस्थान दिवस आ रहा है। सबसे खास बात यह है कि पधारों म्हारे देस आंमत्रण के साथ राजस्थान दिवस का आयोजन महज औपचारिकता या आयोजन प्रयोजन तक सीमित ना रहकर एक विस्तृत सोच और चिंतन का परिणाम है और यही कारण है कि राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों की रुपरेखा इस तरह से तैयार की गई है जिससे केवल एक दिन की औपचारिकता ना रहकर सात दिन तक प्रदेश के अलग अलग हिस्सों में राज्य स्तरीय कार्यक्रम हो और आम जन से जुड़ें कार्य, योजनाएं और सीधे संबंधित लोगों से संवाद कायम हो सके।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि राजस्थान दिवस एक दिन का औपचारिक आयोजन ना होकर सात दिन तक के आयोजन एक विस्तृत जनहित से जुड़ें कार्यक्रमों के साथ हो रहे हैं। 25 मार्च को बाड़मेर में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन के आयोजन के साथ आरंभ हुए इन कार्यक्रमों की कड़ी में पहले दिन ही एक क्लिक के साथ ही लाभार्थी महिलाओं क खातों में 375 करोड़ रु. की राशि का हस्तांतरण हो गया। महिलाओं से जुड़े 7 विभागों की 11 योजनाओं का क्रियान्वयन इस तरह से एक क्लिक में होने और बाड़मेर में कार्यक्रम के आयोजन से एक संदेश गया है। 26 मार्च को बीकानेर में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन आयोजित कर 30 हजार किसानों तक 137 करोड रु. के अनुदान स्वीकृति के साथ ही किसानों और पशुपालकों से जुड़ी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और सीधा संवाद कायम करने की बड़ी पहल की गई है। राजस्थान स्थापना के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रमों की कडी में 27 मार्च को भरतपुर में अन्त्योदय कल्याण योजनाओं से जुड़े कार्यक्रम और 28 मार्च को भीलवाड़ा में विकास और सुशासन दिवस के रुप में आयोजन किया जाना है। इसी तरह से 29 मार्च को कोटा में व 30 मार्च व 31 मार्च को जयपुर में आयोजन होंगे। इस दौरान अनेक योजनाओं का लाभ लक्ष्यित वर्ग तक पहुंचाने के साथ ही नई नीतियां भी लाने का कार्यक्रम इस आयोजन को और अधिक उपादेय बनाएगा। यह साफ हो जाता है। इसी कड़ी में 31 मार्च को राइजिंग राजस्थान के करीब 3 लाख करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउण्ड ब्रेकिंग लॉजिस्टिक डेटा सेंटर और टैक्सटाइल पालिसी की घोषणा महत्वपूर्ण कार्य होंगे। दरअसल दिवस के आयोजन आयोजन प्रयोजनों के साथ महज औपचारिकता बन के रह जाना आम है। पर जिस तरह से इस बार कार्यक्रमों को इस तरह से अमली जामा पहनाया जा रहा है जिससे सीधे प्रदेशवासियों को लाभ प्राप्त हो सकेगा और सबसे खास यह कि राजस्थान स्थापना दिवस केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहकर प्रदेश के हर कोने में होने से इसका एक अलग ही संदेश जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की एक सोच इन आयोजनों के पीछे साफ दृष्टिगोचर होती है कि आयोजन सौद्‌देश्यपूर्ण और जनहित के हो। यही कारण है कि सात दिन तक आयोजन, दिन विशेष को वर्ग विशेष यथा महिला, किसान, युवा, निवेशक आदि आदि से जोड़कर आयोजनों से दिन विशेष को लक्ष्यित लाभार्थियों को लाभ का हस्तांतरण भी आसानी से संभव हो पाता है। कार्यक्रम के बहाने दिनों में होने वाले कार्य दिन विशेष को ही हो जाता है और यही प्रशासन की सफलता होती है।

दरअसल राजस्थान दिवस कार्यक्रम सात दिवस तक आयोजनों के पीछे मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की संवेदनशील, लोकहितकारी और दूरगामी सोच का परिणाम है। इससे निश्चित रुप से समूचे प्रदेश को लाभ होगा और नहीं भूलना चाहिये प्रक्रिया में चल रहे कार्य चंद समय में पूरे हो जाएंगे और आमजन में एक स्पष्ट संदेश जाएगा कि सरकार आमजन के हितों के प्रति पूरी तरह से गंभीर है। एक दूसरी बात जब आयोजन आमजन के बीच होते हैं तो भले ही फीड बेक के रुप में ही हो पर सरकार को कई नई जानकारियां और जनहित से जुड़े बिन्दुओं की जानकारी मिलती है जो समय आने पर सरकार की योजनाओं के निर्माण और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उपयोगी सिद्ध हो जाती है। राजस्थान सरकार का राजस्थान दिवस के सात दिन के कार्यक्रमों के माध्यम से सीधे संवाद का परिणाम सकारात्मक ही जाएगा।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

सभी सरकारों द्वारा किसानों के साथ इतना संगदिल व्यवहार क्यों?

महावीर सिंह

पाठकों की स्मृति में होगा कि 09 अगस्त 2020 में एक बड़ा किसान आन्दोलन प्रारम्भ हुआ था। तात्कालिक कारण था तीन ऐसे अध्यादेश लाना जिन्हें कालांतर में कृषि के तीन काले कानून के रूप में जाना गया। उसी आंदोलन की निरंतरता में अपनी मांगों को लेकर पंजाब–हरयाणा के किसान खनोरी व शम्भू बॉर्डर पर लगातार धरने पर बैठे थे। मुख्य मांग है कि के लिए कानून बनाए की उस से नीचे किसान का माल नहीं बिकेगा। अन्य मांगे भी थी किन्तु वाली मांग मुख्य थी। इन आंदोलनकारियों को भी अभी हाल ही में बड़ी बेरहमी से वहां से हटाया है। सही है किसान सरकार की ताकत के सामने धरना प्रदर्शन जारी नहीं रख सकते थे। पर प्रश्न तो यह है कि यदि यही करना था तो बैठने ही क्यों दिया? क्या यातायात सुचारू रहे इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा सकती थी?

चलिए 2020–21 में लौटते है। अभी तक कोई स्पष्ठ रूप से नहीं बता पाया कि आखिर बिना हित धारकों से व्यापक चर्चा किये, बिना लोकसभा में विस्तार से चर्चा कराए, आनन–फानन में यह कानून किन सलाहकारों की सलाह पर लाए गए। आखिर में, 700 किसानों की शहादत के बाद, 19 नवम्बर 2021को, इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा स्वयं प्रधान मंत्री जी को करनी पड़ी। कितना अच्छा होता यदि बिना इतने किसानों की शहादत के ही प्रधान मंत्रीजी, अन्फॉलन की शुरुआत में ही ऐसा कर लेते। यधपि जानकारों का मानना है कि कानून के अध्यादेश लाने के कारणों का तो पता नही किन्तु कानून वापस लेने का तात्कालिक कारण उत्तरप्रदेश विधान सभा चुनाव थे। ऐसा सामान्यतः सभी मानते हैं। भाजपा उत्तरप्रदेश चुनाव पहले की तुलना में कम सीटों के साथ चुनाव जीत गई। चुनाव परिणाम आते ही, अति उत्साही भाजपा समर्थकों नें कह दिया कि यह सरकार द्वारा किसान हित में लाए गए तीन कृषि कानूनों के प्रति समर्थन है अर्थात कानून किसानों के हित में थे। नोटबन्दी को भी चुनाव में सफलता के साथ ही जोड़ कर उसे उचित बताया था। नोटबन्दी के घोषित लक्ष्य, शायद ही प्राप्त हुए । कृषि कानूनों को तो स्वय सरकार नें ही वापस लिए। नोटबन्दी व कृषि कानूनों के बाद के चुनाव केवल इन्ही मुद्दों पर, हितधारकों यथा गरीब, गुरब्बे, छोटे व्यापारियों–उत्पादनकर्ताओं अथवा किसान मतदाताओं के बीच का ही जनमत संग्रह नहीं था। चुनाव में अनेक अन्य मद्दे व अन्य सभी वर्गों के मतदाता भी होते हैं। यथा मंहगाई, बेरोजगारी, शांतिव्यवस्था, जात–बिरादरी, कंडीडेट की व्यक्तिगत छवि व अन्य कई मुद्दे।

इसलिए चुनाव सफलता को केवल व केवल नोटबन्दी या किसानों हितों के साथ जोड़ना न्याय संगत नहीं। कोई सामान्य नागरिक आज तक यह तो स्वीकार करता नहीं कि यह दोनों कदम देश व जन हित में अत्यंत सुविचारित कदम थे। इसके विपरीत करोड़ों न करोड़ों देशवासियों नें इनसे हुआ कष्ट झेला है।

चलिए इन सब बातों हटे और किसान आंदोलन की बात करें। प्रधान मंत्री जी द्वारा तीन कृषि कानूनों को यह कहते हुए वापस लिया कि किसानों को इन कानूनों के दूरगामी लाभदायक प्रभावों से संतुष्ट नहीं कर पाए। इसके साथ ही किसान आंदोलनकारियों की सहित अन्य मांगों पर विचार करने व सुझाव देने के लिए एक कमेटी के गठन की घोषणा भी की थी।

पहले तो कमेटी का गठन ही 7 माह के न समझ में आने वाले विलम्ब के बाद हुआ। इस कमेटी में 18 सरकारी व 11 गैर सरकारी सदस्य नामित किए जाने थे। 11 गैर सरकारी सदस्यों में से मात्र तीन सदस्य आंदोलनकारी किसानों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चे (SKM) द्वारा नामित किए जाने थे। गठन को लेकर, कमेटी के टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर स्पष्टता के अभाव में एख्श ने कोई सदस्य इस कनेटी में नहीं भेजे। यह भी स्पस्ट नही कि क्या कमेटी को श्एइ की गारंटी के जनून का मसौदा बनाना भी था या नहीं??

चलिए एख्श ने कमेटी में सदस्य बनने के लिए नाम नहीं भेजे तो नहीं भेजे किन्तु कमेटी नें भी 2 वर्ष, 8 माह व्यतीत हो जाने के उपरांत भी श्एइ पर कोई रिपोर्ट अभी तक नहीं सौंपी। इस मामले में तो ''नो दिन चले अढ़ाई कोस वाली'' कहावत चरितार्थ हुई है।

इस से यह भी सामान्य निष्कर्ष निकलता है कि सरकार MSP की गारंटी से सम्बंधित कानून पर, मात्र, किसानों को उलझाए रखना चाहती है किंतु ऐसा क़ानून लाने का कोई इरादा लगता नही, कम से कम शीघ्र तो कतई नहीं।

चलिए अब विचार करे कि MSP की गारंटी के कानून के पक्ष–विपक्ष पर विभिन्न पक्षों के क्या विचार, तर्क हैं:– सरकार के सलाहकार समूह द्वारा उसके विपक्ष में दिया जाने वाले तर्क है कि––– किसानों की समर्थन मूल्य वसलि सारी गज़लों को खरीदने के लिए 25 लाख करोड़ से अधिक की राशि का बजट प्रावधान चाहिए। अगर ऐसा किया जाता है तो अन्य कार्यों व मुख्यतः विकास कार्यों के लिए बजट बचेगा ही नहीं। दूसरा तर्क है कि ऐसा करने से कृषि उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक खुले बाजार की अवधारणा समाप्त हो जाएगी। यह किसानों के लिए हानिकारक होगी। उपभोक्ताओं को बहुत मंहगे कृषि उत्पाद खरीदने होंगे, मंहगाई से उपभोक्ता परेशान होंगे। किसानों की ओर से तर्क दिए जाते है कि मांग तो यह कि कृषि उत्पाद घोषित से नीचे नही बिके। बाजार स्वतः उसी ढंग से एडजस्ट होगा। किसान का कृषि उत्पाद लागत मूल्य से नीचे क्यों बिके? यदि कृषि उत्पाद मंहगे हो जाएंगे, उपभोक्ताओं पर महंगाई की मार पड़ेगी तो क्या किसान लागत से कम मूल्य पर उत्पाद बेच कर, स्वयं कर्जदार होकर, उपभोक्ताओं को सब्सिडाइज करे? यह काम ,चाहे तो, सरकार करे। क्या किसान उपभोक्ता नहीं? क्या किसान बाजार से हर तरह का आवश्यक समान नहीं खरीदता, तो क्या उसे उपयुक्त दामों पर माल मिले, यह चिंता तो कभी कोई क्यों व्यक्त नहीं करता? रही बात 25 लाख करोड़ या ऊपर कोई आंकड़ा हो, इतना बजट क्यों चाहिए, क्या सारा अनाज सरकार को खरीदना है? क्या बाजार के सारे कृषि उत्पाद व्यापारी अपनी दुकानों के ताला लगा देंगे?

किसानों की मांग है कि उनके कृषि उत्पादों का लागत मूल्य C2 डॉक्टर स्वामीनाथन द्वारा तय प्रक्रिया अपनाते हुए तय किया जाए। उन्ही द्वारा अनुशंसित 50% लाभ जोड़ कर MSP का निर्धारण किया जाए अर्थात कृषि उत्पाद का न्यूनतम बेचान मूल्य C2+50% हो और उस से नीचे न बिके न कोई खरीदे, यह कानून बने। सरकार किसानों से सौहार्द्र पूर्ण माहौल में बात कर 50% पर कोई दूसरा उचित विकल्प (40/30/25% का) बता सकती है किंतु यह कैसे नकारा जा सकता है कि किसान को उसके उत्पादों का लाभकारी मूल्य मिले। ओर सरकार को कानून बनाने का अधिकार है तो से बदलने, समाप्त करने का अधिकार भी तो है। यदि 1,2 साल बाद अनुभव बताए कि ऐसा कानून किसानों के लिए फायदेमंद नहीं या सरकार के लिए उसकी पालन असम्भव लगे तो आवश्यक संशोधन कर ले। किसान क्या करें? किसानों ने कई बर्र कई लंबे–लंबे आंदोलन कर लिए किन्तु अधिकांशतः उनकी मांगों पर थोड़ी बहुत सुनवाई होती है। तात्कालिक रूप से कुछ छोटी मोटी बातें मान कर, मुख्य मुद्दों को कमेटियों के हवाले कर दिया जाता है। हश्र वैसा ही होता है जैसे ऊपर वर्णित 2022 में गठित कमेटी कर रही है।

किसान वर्ग को समझना होगा कि उनकी समस्याओं का समाधान विधान सभाओं व लोक सभा के माध्यम से ही होना है। वहां उनकी मांगे सहानुभूति पूर्वक समझने वाले, प्रस्तुत कर सकने वाले प्रतिनिधियों का अभाव है। इन संस्थाओं में अपना सक्षम प्रतिनिधित्व बढ़ाएं जो पार्टिलाइन्स से हट कर किसान मुद्दों पर एकजुटता दिखाएं। वोट की ताकत का इस्तेमाल, जाती–धर्म से उपर उठ कर, वर्गहित की पहचान कर उसकी पूर्ति के लिए करें। किसान गेंहू, चावल, गन्ना आदि की अत्याधिक पानी कीआवश्यकता वाली खेती से हटे और ज्यादा फायदे वाली दूसरी फसलों की तरफ मुड़ें। दुग्ध व दुग्ध उत्पादों, मुर्गी पालन, मछलीपालन व अन्य इसी प्रकार की आय बढ़ाने वाली गातिविधियों व व्यवसाय को अपनाएं।

इसके लिए सरकार को भी कुछ कदम उठाने होंगे। गेंहू चावल आदि फसलों से किसान हटेंगे तो किसानों को नई फसलों की पूरी जानकारी समझने, उसे फार्म लेवल पर उतारने में समय लगेगा। इस बदलाव से प्रारम्भ में किसानों को आय में हानि होगी। सरकार किसानों की घटने वाली संभवित आय की क्षतिपूर्ति करे। यह किया जा सकता है। सरकार के पास यह आंकड़े होते है कि कौन किसान कितने क्षेत्रफल में गेंहू आदि बो रहा है और कितना कितना रकबा प्रतिवर्ष कम कर रहा है। उत्पादकता, बोए क्षेत्रफल व MSP के आधार पर आय में सम्भावित कमी की गणना की जा सकती है। सरकार 5,7 साल के लिए क्षतिपूर्ति करे। वैकल्पिक खेती के लिए योजनाये बनाए और उसी उत्साह से लागू की जाएं जैसा कि प्रथम हरित क्रांति के लिए योजनाएँ लागू की गई थी।

सभी किसान संगठन मिल कर विधिवत एक फेडरेशन बनाएं। दिल्ली और अन्य स्थानो पर किसान हितों पर सतत शोध के लिए कार्यालय स्थापित करें। अभी विश्व में एक नए प्रकार का युद्ध प्रारम्भ हुआ है–टैरिफ वार। किसान वर्ग के हित इस से कैसे दुष्प्रभावित हो सकते हैं, इस पर जन जागरण किया जाए। सरकार को शोध किए तथ्यों–तर्क के आधार पर समय समय पर ज्ञापन प्रस्तुत किए जाएं।

किसान फेडरेशन के इन कार्यालयों में विभिन्न फसलों–सब्जियों–फलों आदि के वैश्विक उत्पादन, देशवार उत्पादकता, संभवित भावों आदि आंकड़े एकत्रित किये जाएं, उनका विश्लेषण किया जाकर, लगातार किसानों को अवगत कराएं और राय देते रहे। इसी प्रकार के संगठन के माध्यम से समय समय पर किसानों–कृषि के मुद्दों, समस्याओं पर सरकार से सतत सम्पर्क व वार्ता करनी चाहिए जैसे विभिन्न औद्योगिक, व्यापारिक संगठन करते है। उनकी मांगे सटीक आंकड़ों, उचित सुझावों व निरन्तरता के साथ होती रहती है और सरकार मानती भी है।

किसान आंदोलन यदाकदा, महज संख्याबल प्रदर्शन नहीं बनें। उनकी ताकत आंकड़ों, सुझावों में झलकनी चाहिए। प्रदर्शन–धरने लगातार अल्पवधियों के लिए हो। लंबी अवधि के आंदोलनों से सामान्य जन को भी कठिनाईयां होती है और उनकी सहनुभूति किसानों से हट जाती है। इसी आधार पर सरकारें ऐसे आंदोलनों पर संचार माध्यमों के जरिये जन विरोधी का लेबल चस्पा लगवा देती हैं।

विभिन्न राजनीतिक दलों का MSP पर स्टैंड:–दोनों बड़े राजनीतिक दल MSP का गारंटी सम्बन्धी कानून बनाने की बात करते आए है किंतु व्यवहार में जब भी वे सत्ता में रहे है, ऐसा नहीं किया। स्वामीनाथन आयोग का गठन UPA 1 के शासनकाल में हुआ। UPA शासनकाल में ही आयोग की रिपोर्ट आ गई थी। कांग्रेस नें आयोग की बहुत सिफारिशों का क्रियान्वयन किया किन्तु C2+50% के अनुसार न MSP दी और न किसानों की मांग के अनुसार कानून ही बनाया।

भाजपा का भी वैसा ही हाल है। जबानी जमाखर्च के अनुसार किसानों की आय को दोगुना करने का निरअर्थक बाजा बजाते रहते है। अन्य बातें यथा MSP पर ज्यादा उत्पाद खरीदें है, पहले की तुलना न में अधिक MSP दी है, बोलते रहते है किंतु MSP से नीचे खरीदी पर प्रतिबंध का कानून पर कुछ नहीं बोलते हैं। यह स्थिति तब है जब 1989 के बाद के सर्वशक्तिशाली प्रधान मंत्री नें, गुजरात के CM रहते हुए इस प्रकार के कानून की पुरजोर वकालत करते हुए तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह जी को पत्र लिख चुके है। लेखक की राय है कि तत्समय वर्तमानं PM नें अपने सर्वोत्तम सलाहकारों से राय मशविरा करके ही पत्र लिखा होगा तो अब क्या दिक्कत आ रही है?

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

राशिफल शुक्रवार 28 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 10:09 तक, शुक्ल योग रात्रि 2:07 तक, विष्टि करण प्रातः 9:30 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:48 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मीन, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–मिथुन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज भद्रा प्रातः 9:30 तक है। शुक्र बाल्यत्व रात्रि 9:15 पर समाप्त होगा। आज पंचक है। महापात योग दिन 1:05 से रात्रि 4:32 तक है। आज जुमातुलविदा और शबे कदर (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:58 तक, लाभ–अमृत 7:58 से 11:01 तक, शुभ 12:32 से 2:04 तक, चर 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:38

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को आतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक मामलों में उचित पराशर्म मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 234 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 28 मार्च, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

You Can Only Have Whatever You Work For

When you say to yourself, 'As much as I want,' what they don't tell you is two things: One, it is not as much as I 'want,' but as much as I 'can do'

Yummy Tales Of Tummy

Grandly Christened the Plastic Odyssey: A Voyage to Clean the Seas

'ममता बनर्जी, बाँग्लादेश व म्याँमार के घुसपैठियों को मदद कर रही हैं, भारत में प्रवेश के लिए'

संसद में फॉरेनर्स विधेयक पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए ममता बनर्जी, देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही हैं

-अंजय रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वही दोहराया है, जो जगजाहिर है।

विदेशियों से संबंधित विधेयक पर अपने जवाब में उन्होंने शिकायत की है कि बंगाल सरकार ने बाँग्लादेश से आये घुसपैठियों तथा म्याँमार से आये रोहिंग्याओं को पहचान पत्र प्रदान कर दिये हैं। पहचान पत्र के साथ अवैध रूप से आये ये लोग पूरे देश में फैलते जा रहे हैं। बंगाल सरकार का व्यवहार पूरे देश की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है तथा आम जनता की सुरक्षा के मामले में समझौता कर रहा है। शाह ने कहा कि यह विदेशी विधेयक (फॉरेनर्स बिल) लागू होने के बाद, देश में प्रवेश करने वाले विदेशियों की कई स्तरों पर मॉनिटरिंग का तंत्र उपलब्ध करायेगा। यह विधेयक सुरक्षा-संबंधी प्रयोजनों के लिए आवश्यक खुफिया तंत्र भी उपलब्ध करायेगा।

अमित शाह ने वही बात कही है, जो हमेशा से ज्ञात रही है। बंगाल सरकार राज्य में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए बाँग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के अवैध प्रवेश को प्रोत्साहित कर रही है। त्वरित लाभ के लिए यह जो किया जा रहा है, राष्ट्र-हित के साथ घृणित समझौता है।

शाह ने कहा कि बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ के लिए जमीन आवंटित नहीं की है। जहाँ भी बॉर्डर फैन्सिंग का काम चल रहा था, वहाँ तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने विरोध किया था और काम रूकवा दिया था। इसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत-बाँग्लादेश सरहद पर कहीं से भी घुसपैठ संभव है।

लोग दण्ड भय मुक्त होकर बंगाल में आ रहे हैं तथा सीमा से लगे इस राज्य की जनसांख्यिकीय प्रकृति (डैमोग्रफिक नेचर) बदल रही है। इससे स्थानीय बंगालियों के हितों को नुकसान पहुँच रहा है, क्योंकि घुसपैठिये, राज्य सरकार तथा तृणमूल कांग्रेस के गुन्डों की मदद से, यहाँ रहने वाले बंगालियों की जमीन छीनकर अवैध रूप से आने वाले घुसपैठियों को बसाने में उनकी मदद कर रहे हैं।

अवैध घुसपैठियों से अपना वोट बैंक बनाने और बढ़ाने की यही रणनीति राज्य की कम्यूनिस्ट सरकारों ने अपनायी थी। वामपंथी मोर्चे के 34 साल के शासनकाल में, कम्यूनिस्टों ने अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया था।

विडम्बना देखिये, इन्हीं ममता बनर्जी, जब वे विपक्षी नेता थीं, ने अवैध घुसपैठियों को चुपचाप आने देने की वामपंथी मोर्चे की चाल का जोरदार विरोध किया था। उन्होंने उस समय बंगाल में हो रहे अवैध प्रवेश का संसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **शाह के अनुसार, ममता बनर्जी इन घुसपैठियों को अस्थाई रुप से रहने व छुपने के लिये स्थान देती हैं तथा फिर आइडैंटिटी कार्ड (आधार कार्ड) मुहैया कराकर देश भर में फैलने का मौका देती हैं।**
- **''यह वोट बैंक बढ़ाने की रीति-नीति चौंतीस साल, वामपंथी सरकार ने भी चलाई थी तथा एक विपक्ष की नेता के रूप में ममता बनर्जी संसद में जमकर विरोध करने में सबसे आगे रहती थीं, पर, अब सत्ता में आने के बाद ममता बनर्जी स्वयं उस रीति-नीति का अनुसरण कर रही हैं।''**
- **शाह ने इसी संदर्भ में संसद में यह भी कहा कि ममता बनर्जी की सरकार, सीमा पर फैन्सिंग कराने में भी पूरी बाधाएं खड़ी करती हैं। पहले तो फैन्सिंग के लिए भूमि नहीं दी जाती, अगर किसी तरह फैन्सिंग का काम शुरु भी हो तो तृणमूल के बाहुबली, भारी विरोध करते हैं और फैन्सिंग का काम रोकना पड़ता है।**

रीट पेपर लीक की जाँच सीबीआई को नहीं दी जाएगी

जयपुर, 27 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के लिए आयोजित रीट-2021 परीक्षा के पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जनहित याचिका सहित अन्य याचिकाओं को निस्तारित करते हुए ये आदेश दिए।

याचिकाओं में कहा गया था कि

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने रीट पेपर लीक की जाँच सीबीआई से करवाने की मांग करने वाली एबीवीपी व अन्य की याचिका खारिज करते हुए यह आदेश दिया।**

परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। एसओजी ने पेपर लीक की बात मानते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। पेपर लीक में बड़े लोगों का हाथ होने की आशंका है। ऐसे में मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए। जिसके जवाब में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि उक्त परीक्षा को रद्द कर दोबारा परीक्षा करवाई जा चुकी है, वहीं एसओजी ने भी मामले में जांच की है। ऐसे में याचिकाओं को निस्तारित किया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पद्मेश मिश्रा की ए.ए.जी. पद पर नियुक्ति के विरुद्ध अपील दायर

हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश प्रमिल कुमार माथुर ने इस मामले की अगली तारीख 4 अप्रैल तय की है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 27 मार्च। राजस्थान हाई कोर्ट में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एडीशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.), पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति के खिलाफ अपील दायर की गई है। इस अपील में अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने हाईकोर्ट के एकल पीठ द्वारा 4 फरवरी को दिए गए आदेश को चुनौती दी है, जिसके तहत अधिवक्ता पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति को उचित ठहराया गया था। जैसा कि विदित है कि राज्य सरकार ने पद्मेश मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट में पैरवी के लिए नियुक्त किया था।

इस अपील की पहली सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायाधीश भुवन गोयल के समक्ष 3 मार्च को हुई थी, परन्तु मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले को सुनवाई के लिए किसी अन्य खण्डपीठ को सौंपे जाने के आदेश दिए थे और उन्होंने स्वयं इस मामले को सुनने के लिए असमर्थता बताई थी।

यह मामला न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश प्रमिल कुमार माथुर की खण्डपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ था। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता सुनील समदड़िया को आदेश दिए कि वे अपील की प्रति राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता और ए.ए.जी. भरत व्यास को सौंपें। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 4 अप्रेल को तय की है।

- **जैसा कि विदित है, इस मामले में याचिकाकर्ता सुनील समदड़िया का कहना है कि राज्य सरकार ने अपनी वादनीति 2018 में उचित और उपयुक्त संशोधन नहीं किए और नीति की अवहेलना करते हुए पद्मेश मिश्रा को ए.ए.जी. घोषित कर दिया।**
- **नियुक्ति के लिए अधिवक्ता को कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य बताया गया है, जो पद्मेश मिश्रा के पास नहीं है।**

जैसा कि विदित है, इस मामले में याचिकाकर्ता का कहना है कि राज्य सरकार ने अपनी वादनीति 2018 में उचित और उपयुक्त संशोधन नहीं किए और नीति की अवहेलना करते हुए पद्मेश मिश्रा को ए.ए.जी. घोषित कर दिया।

याचिकाकर्ता का कहना है कि वादनीति 2011 में ए.ए.जी. घोषित करने के लिए न्यूनतम अनुभव के संबंध में कोई मापदंड निर्धारित नहीं था, केवल यह कहा गया था कि सरकारी वकील बनने के लिए 7 वर्ष का अनुभव अनिवार्य है, परन्तु वर्ष 2018 की वादनीति के तहत, ए.ए.जी. की नियुक्ति के लिए अधिवक्ता के पास कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य है, जो पद्मेश मिश्रा के पास नहीं है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि पद्मेश मिश्रा के सुप्रीम कोर्ट में पैनल लॉयर नियुक्त होने के तीन दिन के भीतर राजस्थान सरकार ने वादनीति में संशोधन किया (जो बिलकुल भी स्पष्ट और नीतिगत नहीं है) और फिर पद्मेश मिश्रा को संशोधित नियम के तहत ए.ए.जी. घोषित कर दिया। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह संशोधन राज्य सरकार को किसी भी व्यक्ति विशेष को ए.ए.जी. घोषित करने का अधिकार देता है, परन्तु यह संशोधन नीति की अन्य धाराओं के विरूद्ध है, जिसमें ए.ए.जी. के नियुक्ति के लिए न्यूनतम अनुभव के मापदण्ड दिए गए हैं।

याचिकाकर्ता का कहना है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

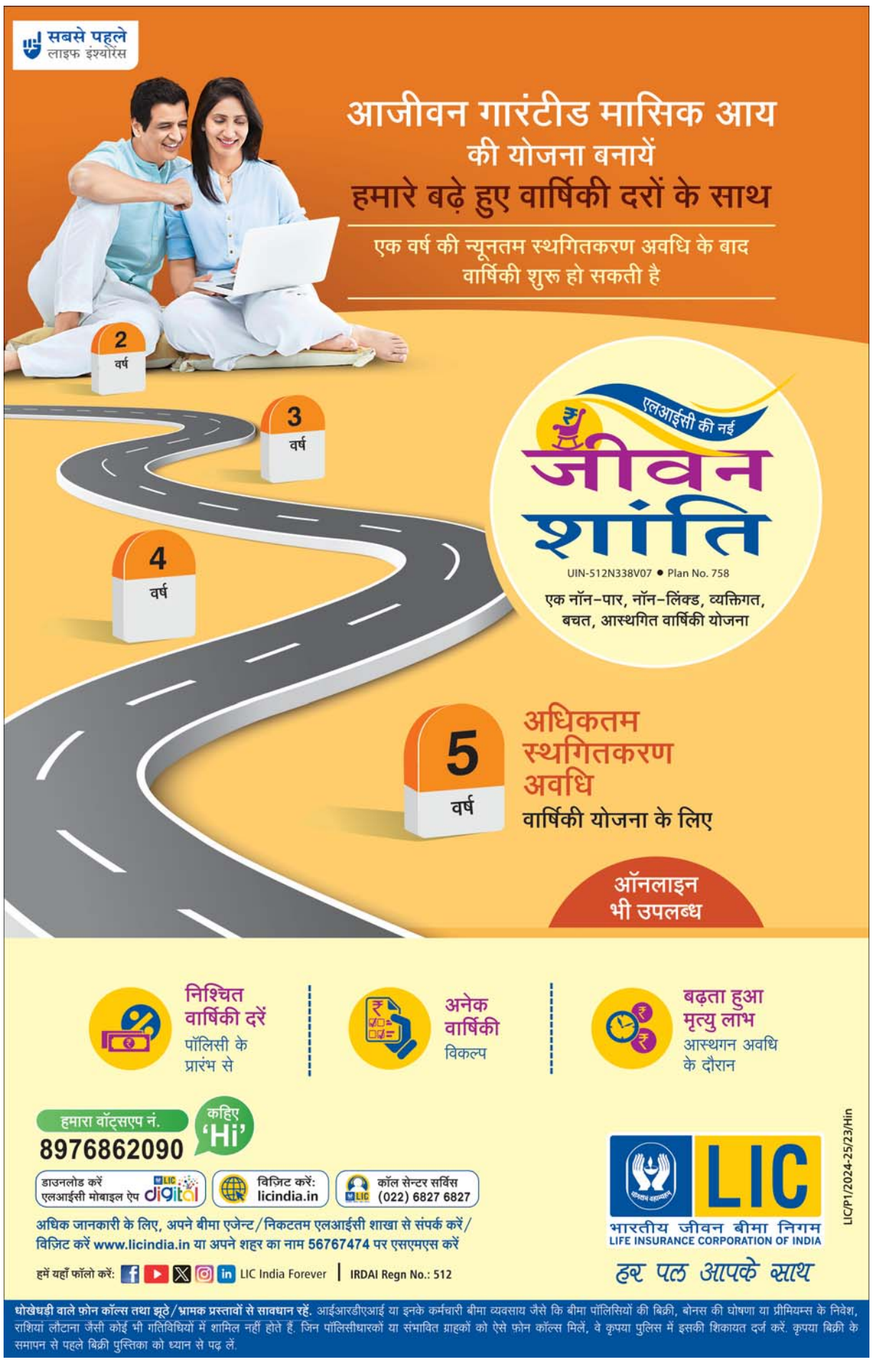

आंदोलन जारी

नारायणपुर । नारायणपुर उपखंड को नेशनल हाइवे 248ए से जोड़ने की मांग को लेकर ग्रामीणों का संघर्ष लगातार जारी है। तीसरे दिन भी हस्ताक्षर और पोस्टकार्ड अभियान जारी रहा, जिसमें अब तक 633 पोस्टकार्ड केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और सांसद राव राजेंद्र सिंह को लिखे जा चुके हैं।

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नम्बर 3205527L हवलदार चतरा राम यूनिट-5 जाट बटालियन में मेरे सैन्य रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम, बिमला भांमू (Bimla Bhamu) गलती से दर्ज हो गया जबकि उसका सही नाम बिमला लोछब (Bimla Lochhab) है।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री अशोक कुमार आर्य पुत्र श्री मुन्नालाल आर्य, निवासी एफ-9, मधुवन कॉलोनी, टोंक फाटक के पास, टोंक रोड, जयपुर (राज.) पर मय परिवार निवास करते है तथा उपरोक्त वर्णित सम्पूर्ण सम्पत्ति पर मेरे अभिभाष्य का भौतिक एवं वास्तविक कब्जा है तथा उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति मेरे अभिभाष्य की माता श्रीमती सरला कुमारी आर्य के नाम से थी जिनका स्वर्गवास दिनांक 15.02.2025 को जयपुर में उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति में हो गया, जिनके समस्त धार्मिक क्रियाकर्म मेरे अभिभाष्य के द्वारा पूर्ण कराये गये है तथा मेरे अभिभाष्य की माता अपनी मृत्यु तक मेरे अभिभाष्य के पास ही रही जिनकी सेवा सुश्रुषा मेरे अभिभाष्य द्वारा ही की गयी तथा मेरा अभिभाष्य अपनी माता के स्वर्गवास के पश्चात उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति का एकमात्र मालिक एवं स्वामी है तथा काबिज है। उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति से अन्य किसी व्यक्ति का कोई संबंध व सरोकार नहीं है ना ही मेरी अभिभाष्या की माता ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के संबंध में किसी लिखित दस्तावेज का निष्पादन किसी भी व्यक्ति, संस्था, कम्पनी के हक में निष्पादित किया है। उपरोक्त वर्णित सम्पूर्ण पर मेरे अभिभाष्य के अलावा अन्य किसी भी व्यक्ति का किसी भी प्रकार से कोई ... (कमलेश शर्मा) एडवोकेट मो. 94142-48148

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा ।यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 27-03-25 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका चाकसू

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या जे 412 जेडीए की योजना अभिनव विहार विस्तार जयपुर का जेडीए से जारी मूल कब्जा पत्र कहीं खो गया है सूचित करें। रश्मि मिश्रा मो.9828011999

मेरे भूखण्ड संख्या 918 जेडीए की योजना आनंद विहार, जयपुर का जेडीए से जारी मूल कब्जा पत्र कहीं खो गया है सूचित करें। अतुल कुमार शर्मा मो.7891779351

प्लॉट नम्बर एच 355 योजना अभिनव विहार विस्तार का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है मिलने पर संपर्क करें। हर्षवर्धन पुराहित मोबाइल नंबर-9413561929

नोटिस अन्तर्गत धारा ऑर्डर 1 रूल 8 सी.पी.सी. वास्ते हर खास आम

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कब्रिस्तान पंच मुसलमान करौली, जिला करौली की ओर से एक प्रतिनिधित्व वाद न्यायालय सिविल न्यायाधीश करौली में उनवानी कब्रिस्तान पंच मुसलमान करौली बनाम लक्ष्मीनारायण वगै. बाबत् स्थाई निषेधाज्ञा एवं टी.आई. मु.नं. 19/2025 कब्रिस्तान भूमि बाबत् अ. गफ्फार, इशहाक अहमद एड. अब्दुल वाहिद एड. द्वारा संस्थित किया गया है। हर खास आम को इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त प्रकरण में अपना हित अथवा उज्र रखता हो तो वह नियत तारीख पेशी दिनांक 2.4.2025 को समय 10 ए.एम. न्यायालय में स्वंय अथवा अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखे।
(मुहर) सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, करौली (राज.)

न्यायालय एस.डी.ओ. साहब, हिण्डौनसिटी
हरकेश आदि बनाम गिर्राज आदि
दावा/प्रार्थना पत्र टी.आई.

यहकि उपरोक्त उनवानी दावा बावत् तकास्मा व स्थायी निषेधाज्ञा तथा उक्त उनवान का प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा न्यायालय एस.डी.ओ. साहब के यहां वादीगण/सायलान हरकेश पुत्र सुबहसिंह जाटव, निवासी सिंघानजट्ट पाली, तहसील सूरौठ व हरबीर पुत्र बदनसिंह जाटव, निवासी सिकरोरा, तहसील कुम्हेर, जिला भरतपुर की ओर से आप लखन पुत्र कुन्दन, चन्द्रभान, पुत्र भौरया, छुट्टनलाल पुत्र हरकिशन, चन्दा पत्नी जीवन सिंह, सुगन पुत्र लौहरे, विशम्भर पुत्र कुन्दन, चिरंजी पुत्र दौजीराम, हरीसिंह पुत्र रामखिलाडी, विजयसिंह पुत्र रामखिलाडी, सोपाल पुत्र बादलिया, हरीलाल पुत्र बुद्धि, समस्त जाति जाटव, निवासी झारेडा, तहसील हिण्डौनसिटी, सियाराम, चन्द्रभान, पिसरान, श्योनारायण जाटव, निवासी हरीनगर ... आज दिनांक 27.3.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
आज्ञा से- उपजिला कलेक्टर, हिण्डौनसिटी

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

महाराणा सांगा पर आपत्तिजनक टिप्पणी से राजपूत समाज में रोष

निवाई। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा सांगा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने से राजपूत समाज मे भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। गुरूवार को राजपूत समाज के लोगों ने सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ उपखंड अधिकारी सुरेशकुमार हरसोलिया को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन

■ **सांसद सुमन को बर्खास्त करने की मांग का राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन**

में राजपूत समाज ने सांसद सुमन की संसद सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द करने व कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। समाज के लोगों ने कहा कि सांसद सुमन की टिप्पणी न केवल राजपूत समाज बल्कि संपूर्ण हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने वाली है। ऐसी टिप्पणियां समाज में वैमनस्य और विद्वेष फैलती हैं। महाराणा सांगा भारत के स्वाभिमान, पराक्रम और बलिदान के प्रतीक हैं। उनकी गौरवशाली गाथा राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। इस दौरान लोगों ने महाराणा सांगा जिंदाबाद और सांसद रामजीलाल सुमन मुर्दाबाद के नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। ज्ञापन के दौरान राजपूत समाज के अजय सिंह बावडी, विक्रमसिंह जयलालपुरा, गोविंदसिंह पलेई, दुर्गासिंह सुनारी, डॉ. तेजभंवरसिंह राठौड, गिरधरसिंह तंवर, नटवरसिंह राठौड, प्रेमसिंह राजावत, निखवेंद्र सिंह, दिलीपसिंह कोलाडा, मोनी बना, योगेंद्र सिंह व बद्रीसिंह राजावत सहित राजपूत समाज के सैंकडों लोग मौजूद रहे।

निवाई राजपूत समाज के लोगों ने एसडीएम सुरेशकुमार हरसोलिया को ज्ञापन सौंपा।

50 लाभार्थियों को पट्टे दिए

निवाई। पंचायत समिति सभागार में राजस्थान दिवस के उपलक्ष में गुरूवार को प्रधान रामअवतार लांगडी की अध्यक्षता व विकास अधिकारी राजेश्वरी यादव की उपस्थिति में बैठक आयोजित हुई जिसमें स्वामित्व योजनान्तर्गत 50 लाभार्थियों को पटटे वितरित किए गए। प्रधान रामअवतार लांगडी ने कहा कि सरकारी योजनाओं को अधिकाधिक लाभ लेंवे। उन्होंने कहा सरकार की जनकल्याकारी योजना का प्रत्येक पात्र को लाभ मिले। विकास अधिकारी यादव ने बताया कि बैठक में ग्राम पंचायत पलेई, खणदेवत, झिलाय व खंडवा के लाभार्थियों को पट्टे जारी किए गए। इस अवसर पर सरपंच रमेशचन्द यादव, बाबूलाल मंडालिया, देवालाल गुर्जर, सीआर रामकिशोर मीणा, अतिरिक्त विकास अधिकारी नन्दकिशोर शर्मा, सहायक विकास अधिकारी कैलाशचन्द गुर्जर, महेन्द्र कुमार, सुरेश जांगिड, चिरंजी लाल मीणा, कमलेश लक्षकार, कनिष्ट सहायक प्रेमचन्द माली, शिव दयाल बैरवा, सागरराम सोनी, ग्राम विकास अधिकारी किशन नट, राधाकिशन बैरवा, कनिष्ट सहायक मदनलाल बैरवा व मंजू गुर्जर सहित कई कर्मचारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में गुरूवार को साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति के तत्वाधान में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इसके अन्तर्गत नृत्य, गायन एवं विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने द्वीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने व्यक्तित्व के बहुआयामी विकास हेतु इन गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला एवं विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति के संरक्षण हेतु इन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी लेने के लिए प्रेरित किया। विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता में भारती यादव प्रथम, सीमा गुर्जर द्वितीय एवं अनुष्का शर्मा तृतीय स्थान पर रही। एकल नृत्य में नितिन मीणा प्रथम, सीमा गुर्जर द्वितीय एवं जसवंत व अनुष्का शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। युगल नृत्य में भारती व साक्षी प्रथम स्थान, निकिता एवं अनुष्का शर्मा द्वितीय स्थान तथा लक्की शर्मा व मीना यादव तृतीय स्थान पर रहे। एकल गायन में मोना शर्मा, समूह गायन में निशा सैनी व मनीषा गवारिया एव समूह नृत्य में अफसाना, कविता, मुस्कान एवं पूजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. मधु नागर एवं प्रो.पी.सी. जाट ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। निर्णायक मंडल में डॉ. अनुभा गुप्ता, प्रो. शोभा जौहरी, डॉ. प्रीति गुप्ता, डॉ. पद्मा मीणा, डॉ. हरिराम धनेटिया, चन्दन सिंघल, शीशराम मीणा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

प्रागपुरा में हिन्दू समाज 6 को निकालेगा भगवा रैली

पावटा । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्म उत्सव के पावन अवसर पर 6 अप्रैल 2025 रविवार को प्रागपुरा कस्बे मे हिंदू उत्सव समिति द्वारा परंपरा अनुसार विशाल भगवा रैली का आयोजन किया जायेगा। कस्बे को भगवामय , हर गली, चौराहों व सड़कों पर तोरण, झंडे व लाइटिंग से सजाया गया है।

कस्बे में जगह-जगह रैली के स्वागत की तैयारियां की जा रही है। सामाजिक व धार्मिक संगठन इस रैली में शामिल होंगे। राजनीतिक दलों ने भी इस रैली में शामिल होने की योजना बनाई है। प्रागपुरा में भव्य शोभायात्रा गुंजेडा धाम से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गो से होती हुई नगर भ्रमण करती हुई सुभाष

■ **भव्य शोभायात्रा गुंजेडा धाम से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करती हुई सुभाष चौक प्रागपुरा तक लाखों भक्तों के साथ निकलेगा**

चौक प्रागपुरा तक लाखों भक्तों के साथ निकलेगी। इस दौरान 251 श्रीराम जी के निशान, बग्घी घोडी के साथ सहनाईया व घुमर नृत्य, नासिक डोल की प्रस्तुति, वृंदावन साधुओं के द्वारा पट्टे बाजी, सौंदर्य एवं धमाकेदार आतिशबाजी, राधा कृष्ण , शंकर पार्वती जी की विशाल झांकी, दिल्ली के कलाकारों द्वारा अघोरी नृत्य, भगवा रंग से प्रागपुरा की सजावट आकर्षण का केंद्र रहेगी। जहां सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के द्वारा पेय पदार्थ और स्वल्पाहार आदि की व्यवस्था की जाएगी। महाआरती के पश्चात हिंदू उत्सव समिति द्वारा प्रसाद वितरण का कार्य भी किया जाएगा। प्रसाद ग्रहण करने के पश्चात ही रैली का समापन होगा। भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा व भगवा रैली निकाले जाने की तैयारी को लेकर हिंदू उत्सव समिति प्रागपुरा द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाले जाने को लेकर जगह जगह बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। नगर में आयोजित बैठकों में रामभक्तो ने कहा कि यह श्रीराम जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति, आस्था, उमंग और उल्लास का महापर्व है। सभी कार्यकर्ता राम जन्मोत्सव शोभा यात्रा की तैयारी में लगे। प्रभु श्रीराम के सात्विक वृत्ति को आगे बढ़ाना है। रावणी वृत्ति, आसुरी वृत्ति, राक्षसी वृत्ति का सम्मन करना हैं। यही यात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

दो दिवसीय सेमिनार सम्पन्न

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग के तत्वाधान में दो दिवसीय अकादमिक सेमिनार का समापन हुआ। प्राचार्य प्रो. आर. के. सिंह ने बताया कि रसायन शास्त्र उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों के लिये 25 से 26 मार्च को दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने रसायन शास्त्र के विभिन्न टॉपिक्स को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। रसायन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अनुभा गुप्ता ने विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रो. सीमा पंत ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों में शोध की प्रवृत्ति बढ़ेगी तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा। प्रो. शीशराम यादव ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निखार में अकादमिक सेमिनार की भूमिका पर प्रकाश डाला। सेमिनार के संयोजक डॉ. हरिराम घनेटिया ने मंच संचालन व तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

'आमजन को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ'

चौमू / कालाडेरा । चौमू उपखण्ड के ब्लॉक गोविन्दगढ का जयपुर कलक्ट्रेट के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सहायक निदेशक डॉ. सुदीप कुमावत ने औचक निरीक्षण कर जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, जन आधार योजना, आय-व्यय लेखों का वर्गीकरण, संस्था आधार, मुख्यमंत्री ई ग्राम परियोजना, आर्थिक गणना, वार्षिक औधोगिक सर्वेक्षण, सतत विकास लक्ष्य आदि विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। डॉ. कुमावत ने जन आधार हेल्प डेस्क पर प्राप्त प्रकरणों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए और कहा कि राज्य सरकार कि मंशा के अनुरूप गाँव- ढाणी के लोगों की समस्याओ का समाधान हेल्प डेस्क के माध्यम से तुरंत किया जाए। उन्होंने सीएचसी, पीएचसी व निजी हॉस्पिटल मे होने वाले संस्थागत प्रसव के मामले मे जच्चा-बच्चा के डिस्चार्ज के साथ ही जन्म प्रणाम पत्र जारी करने के निर्देश दिए। जन्म मृत्यु अधिनियम में किए गए संशोधन की ब्लॉक में पालना करवाकर आमजन को इसका लाभ दिलवाना। सहायक निदेशक डॉ. कुमावत ने बताया की राज्य सरकार ने जन्म-मृत्यु पंजीयन व जन आधार को राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दी जाने वाली सेवा में शामिल कर रखा है ऐसे में इसकी मॉनिटरिंग मुख्य सचिव व जिला कलक्टर की ओर से नियमित की जाती है। डॉ. सुदीप कुमावत ने बीएसओ विजेन्द्र सिंह चौहान को ई-मित्र प्लस मशीन का उपयोग बढाने व आमजन में जागरूकता लाने हेतु निर्देशित किया तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने हेतु साइन बोर्ड लगवाने, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन समय पर जारी करने एवं विभाग द्वारा जारी परिपत्रों, आदेशों, नियमों का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए जिससे आमजन को ज्यादा से ज्यादा फायदा मील सके।

'खाद्य सुरक्षा से सक्षम व्यक्ति खुद हटवाले नाम'

खैरथल। खाद्य सुरक्षा योजना में जुड़े सक्षम परिवार अगर 30 अप्रैल तक अपने नाम खुद योजना में से नहीं हटवाते है और बाद में खाद्य सरक्षा योजना का उठाते हए विभागीय जांच में पकडे जाते हैं तो उनसे ली गई राशन सामठी का बाजार भाव से पैसा वसूल किए जाने के साथ उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह कहना है खैरथल तिजारा जिले के जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी का।

जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल सक्षम परिवारों को खुद के नाम हटवाने के लिए गिवअप अभियान चलाया है। जिसकी अंतिम तिथि अब बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई हैं। इस अभियान के दौरान यदि सक्षम व्यक्ति अपने नाम नहीं हटवाते है तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने ने बताया इस अभियान का उद्देश्य अपात्र व्यक्तियों को चिन्हित कर योजना का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाना है। खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित सक्षम व्यक्ति जैसे आयकर दाता, चौपहिया वाहन धारक, सरकारी व अद्धर्सरकारी कर्मचारी व अन्य सक्षम व्यक्ति अपने क्षेत्र के उचित मूल्य दुकानदार के पास जाकर निर्धारित फॉर्म भरकर योजना से अपना नाम हटवा सकते है। अभियान के तहत एक आवदेन प्रपत्र राशन डीलरों को विभाग की ओर से उपलब्ध कराया गया है। अभियान के तहत अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाया जायेगा।

भंडारे के आयोजन को लेकर सांसद ने तैयारियों का जायजा लिया

किशनगढ़ बास में पशुपालकों को शिविर लगाकर पशु संबंधित जानकारी दी।

किशनग बास। किशनगढ़ बास से करीब 5 किलोमीटर दूर तिजारा भिवाड़ी मार्ग के गांव मांचा में स्थित जीएलएम कृषि कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तहत गुरुवार को छठे दिन गांव की चौपाल पर पशुपालकों के लिए पशु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल एवं बीमारियों की रोकथाम के प्रति जागरूक करना था। कॉलेज प्रचार्या डॉ कुमारी आशा ने बताया शिविर के दौरान कृषि महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पशुओं के नियमित टीकाकरण, पौष्टिक आहार, स्वच्छता एवं सामान्य बीमारियों के लक्षणों के बारे में विस्तार से बताया।

साथ ही पशुपालकों के प्रश्नों के उत्तर दिए और उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। कॉलेज विद्यार्थीयों की और से लगाए गए जागरूकता शिविर में पशुपालकों के साथ ग्रामीण महिलाओं एवं परुषों ने भाग लिया और कॉलेज शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पशुओं से सबंधित दी गई जानकारी को गंभीरता से सुना व समझा और शिविर की सराहना की।

शिविर के दौरान कॉलेज के संकाय सदस्य जगजीवन यादव, सनोज कुमार, दीपक मौर्य, संदीप निगानिया, मुहम्मद आरिफ, मुकेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, कन्हैया कुमार, बच्चूराम सारस्वत सहित सभी शिक्षकगण एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर www.jda.urban.rajasthan.gov.in
सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-11 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
सार्वजनिक विज्ञप्ति
प्राधिकृत अधिकारी (जोन-11) जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 26/2025
आज दिनांक 27.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 02.05.2025
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

JAIPUR SMART CITY LIMITED
(Municipal Corporation Jaipur, Pt. Deen Dayal Upadhyay Bhawan,) Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur, CIN No.U75144RJ2016SGC049590
S. No. :- JSCL/2024-25/1374 Dated :- 26/03/2025
संख्या - 01/2024-25 जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, जयपुर
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में सक्षम एजेंसियों/संवेदकों से मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, जयपुर से संबंधित विकास कार्य हेतु EOI आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, EOI डाउनलोड तथा E-अपलोड करने की तारीख, EOI शर्त आदि संपूर्ण विवरण दिनांक 26.03.2024 से राजस्थान सरकार के पोर्टल sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in/nicgep/app & jscljaipur.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का यूनिक बिड नंबर JSC2425WSRC00009 है।
राज.संवाद/सी/24/14051 — वितीय सलाहकार, जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज.)
क्रमांक:4482-85 सार्वजनिक/आपत्ती आमंत्रण सूचना दिनांक: 10.3.2025
सर्वसाधारण एवं हितबद्ध व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदक द्वारा आवासीय से व्यावसायिक भू उपयोग परिवर्तन हेतु पत्रावली प्रस्तुत की गई हैं।
अत: कोई भी व्यक्ति/संस्था/हितधारक उक्त पत्रावली/दस्तावेजों का अवलोकन करना चाहे अथवा कोई आपत्ती प्रस्तुत करना चाहे अथवा आवेदन पत्रावली के सम्बन्ध में कोई जानकारी चाहता हो, वह अन्दर अवधि 15 योम/दिवस लिखित रूप में अपनी आपत्ती/उज्र इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता हैं, निर्धारित अवधि उपरान्त कोई आपत्ती अन्तर्विष्ट/समाहित नही की जावेगी तथा भू उपयोग परिवर्तन करने की अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

क्र. सं.	नाम आवेदक	पिता/पति का नाम	खसरा नम्बर	भूखण्ड संख्या	पट्टा संख्या	क्षेत्रफल
1	श्री गजानंद वर्मा	श्री रामदयाल वर्मा	6635	03बी	424/2003	141.25 वर्गगज

सूचित हो। आयुक्त, नगरपरिषद, करौली

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.
Tel.- (01434) 232013 E-mail : npdeoli@gmail.com
क्रमांक :: न.पा.दे./आपत्ति आमन्त्रण सूचना/2024-25/10604 दिनांक : 26.03.2025
आपत्ति आमन्त्रण सूचना
एतद्द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र में अधोलिखित व्यक्तियों द्वारा अपनी सम्पति के नामान्तरण,उपविभाजन, कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन किया गया है। किसी भी व्यक्ति को निम्नांकित इजाजत बाबत् आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर म्याद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावें। बाद म्याद गुजरने आपत्ति मान्य नहीं होगीं।

क्र. स.	नाम प्रार्थी	मौहल्ला	भूखण्ड संख्या/नाप	प्रयोजन
1.	श्री महेन्द्र मंगल पुत्र श्री कृष्णमुरारी मंगल	वार्ड संख्या 16 गां वडी हाऊस के पूर्वी भाग में, देवली	भूखण्ड नाप 32X80	उपविभाजन
2.	श्री धर्मचन्द जैन पुत्र श्री रामपाल जैन	वार्ड संख्या 16 गांवडी हाऊस के पूर्वी भाग में, देवली	भूखण्ड नाप 32X80	उपविभाजन
3.	श्री देवा महावर पुत्र श्री पूरणमल महावर	ग्राम ऊंचा ज्योति कॉलोनी पैराफेरी ऐरिया देवली	खसरा संख्या 1176,1175,1174,1631/1179, 1178 पार्ट भूखण्ड संख्या 26 व 27 नाप 2741.58 वर्गफीट	कृषि भूमि नियमन
4.	श्री रीना जिन्दल पत्नी श्री सुरेन्द्र जिन्दल, ऊषा जिन्दल पत्नी श्री गजेन्द्र जिन्दल	ग्राम ऊंचा ज्योति कॉलोनी पैराफेरी ऐरिया देवली	खसरा संख्या 1174,1175,1176 पार्ट भूखण्ड संख्या 21 नाप 2554.12 वर्गफीट	कृषि भूमि नियमन
5.	श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री भीमराज जैन, सुरभी जैन पुत्री महेन्द्र कुमार जैन	वार्ड संख्या 17 विवेकानन्द कॉलोनी देवली	भूखण्ड नाप 12X28	नामान्तरण
6.	श्री पारस कुमार जैन पुत्र श्री बाबूलाल जैन, सुरभी जैन पुत्री महेन्द्र कुमार जैन	वार्ड संख्या 17 विवेकानन्द कॉलोनी देवली	भूखण्ड नाप 12X28	नामान्तरण
7.	अनुश्री राजावत पुत्री नरेन्द्र सिंह राजावत	ग्राम देवली गांव पैराफेरी ऐरिया देवली	खसरा संख्या 4243, 5590/4243 भूखण्ड संख्या 45 नाप 25X50	नामान्तरण
8.	श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री भीमराज जैन, सुरभी जैन पुत्री महेन्द्र कुमार जैन	वार्ड संख्या 17 विवेकानन्द कॉलोनी देवली	भूखण्ड नाप 36X28	नामान्तरण
9.	श्री कैलाश पुत्र स्व नन्दाराम, फूला देवी पत्नी कालु, भगवानदास पुत्र कालु, पूजा, रामघणी पुत्री कालु, श्रीमती मोत्या पत्नी श्री छोटु, श्री मुकेष, कन्हैया पुत्र छोटु, मीरा, शान्ति पुत्री छोटु	वार्ड संख्या 4 कीर मोहल्ला, नेकचाल रोड देवली	भूखण्ड नाप 24X42.9	नामान्तरण
10.	श्रीमती चन्द्रप्रभा सर्वा पत्नी श्री मूलचन्द सर्वा, श्री अमित सर्वा, अनुपम सर्वा पुत्र श्री मूलचन्द सर्वा, वीना सर्वा, प्रियंका सर्वा पुत्री श्री मूलचन्द सर्वा, श्रीमती सोरती देवी पत्नी श्री नोरतमल टेलर, श्री प्रमोद सर्वा, श्री सुशील सर्वा, पुत्र श्री नोरतमल टेलर,दीप्ती टेलर पुत्री श्री नोरतमल टेलर, श्री रामावतार टेलर पुत्र लादूराम टेलर, लाड बाई, शकुन्तला पुत्री लादूराम टेलर	वार्ड संख्या 17 विवेकानन्द कॉलोनी देवली	भूखण्ड संख्या 55 नाप 30X60	नामान्तरण
11.	श्रीमती सीमा देवी पत्नी श्री नवलकिशोर शर्मा	वार्ड संख्या 19 पेट्रोल पम्प रोड देवली	भूखण्ड नाप 10X40	नामान्तरण
12.	श्रीमती सरिता कुमारी मीणा पत्नी श्री डॉ आनन्द प्रकाश मीणा, श्री ओमप्रकाश माहेश्वरी पुत्र रामनारायण माहेश्वरी	वार्ड संख्या 16 टैगोर नगर देवली	भूखण्ड संख्या 13,14 नाप 40X49	नामान्तरण

राज.संवाद/सी/24/14063 — अधिशाषी अधिकारी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाउन हॉल, उदयपुर-313001 (राजस्थान)
फोन: 0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673, ई-मेल: udaipu@bankofbaroda.com
अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस ''परिशिष्ट-IV-क'' [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।
... ''जैसी है जहां है'', ''जो है जैसी है'' और ''जितनी भी उपलब्ध है'' के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ...
दिनांक: 24.03.2025 स्थान: उदयपुर — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

टैंकरों से कैमिकल व एलपीजी गैस चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

भारी मात्रा में कैमिकल, डीजल, नकद सहित अन्य सामान जब्त

- पुलिस ने किया 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार
- एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (सीआईडी सीबी) राजस्थान की ओर से अजमेर, ब्यावर, पाली सिरोही, चूरू एवं बालोतरा जिलों में ग्यारह स्थानों पर कार्रवाई की गई

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (सीआईडी सीबी) राजस्थान की ओर से अजमेर, ब्यावर, पाली सिरोही, चूरू एवं बालोतरा जिलों में ग्यारह स्थानों पर हाइवे पर बने होटल ढाबों की आड़ में टैंकरों से कैमिकल व एलपीजी गैस चोरी कर भंडारण करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही कर कुल 1 लाख 86 हजार 780 लीटर कैमिकल, 14 हजार 800 लीटर बायो डीजल, 5 लाख 82 हजार 770 रुपए नगद सहित 12 वाहन, भारी मात्रा में ड्रम, टंकियां, मोबाइल सहित अन्य सामान जब्त कर 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि विदेशों से भारत में आयात कैमिकल जो कांडला बन्दरगाह की ओर से गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश विभिन्न राज्यों में टैंकरो द्वारा परिवहन किया जाता है।

इस सम्बन्ध में सूचना मिली कि कुछ गैंग पश्चिमी राजस्थान के सिरोही, पाली, ब्यावर, अजमेर, जोधपुर, चूरू जिलों में नेशनल हाईवे पर होटल एवं ढाबों की आड़ में टैंकरो की सील तोडकर उनसे कैमिकल, डीजल, पेट्रोल, थिनर और एलपीजी गैस की चोरी करते है एवं पुन: सील लगाकर टैंकरो को रवाना कर देते है।

इस सूचना पर टीमों का गठन कर होटलों व संदिग्ध ठिकानों को चिन्हित किया गया। इस पर संदिग्ध स्थानों पर अलग-अलग टीमों ने अजमेर के मांगलियावास और बान्दरसिन्दरी तथा ब्यावर में सैन्दका, रायपुर एवं पाली में सुमेरपुर व सांडेराव, शिवपुरा तथा सिरोही में पालकी एवं चूरू में दुधबखारा, सुजानगढ, चुरू शहर एवं बालोतरा में शिणवरी थाना इलाकों मे होटलों पर दबिश देकर ज्वलनशील एवं अतिज्वलनशील कैमिकल, बायो-डीजल एवं एलपीजी गैस की चोरी कर भण्डारण करने वालों के 11 स्थानों पर दबिश देकर 1 लाख 86 हजार 780 लीटर कैमिकल, 14 हजार 800 लीटर बायो डीजल, 6 लाख 82 हजार 770 रूपए नगद, 6 टैंकर, एक ट्रक, 2 पिकअप, 1 कार, 1 बाइक, 100 ड्रम, 10 एलपीजी भारत गैस की 460-450 किलोग्राम की टंकिया, 20 गैस सिलेंडर कॉमर्शियल मय रिफिल पाइपों के, 14 मोबाइल एवं अन्य सामान पाइए, गेज, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, सील तोड़ने व लगाने की मशीन एवं सील, नोजल, पानी की मोटर, अवैध डोडा चूरा, अवैध शराब जब्त कर 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

बाइक्स गैंग ने एक महिला सहित तीन लोगों को बनाया शिकार

जयपुर। शहर में बाइकर्स गैंग का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बाइक्र्स गैंग के सदस्यों ने पुलिस कमिश्नरेट में महिला सहित तीन लोगों को शिकार बनाकर उनसे मोबाइल, नकदी व सोने की चेन छीनकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

लक्ष्मी विहार बजरी मंडी निवासी आशा ने करणी विहार थाने में मामला दर्ज करवाया कि बजरी मंडी स्थित उसकी दुकान पर स्कूटी पर सवार होकर दो बदमाश आए और साड़ी देखने के बहाने उसका मोबाइल लेकर भाग निकले। वह इस अप्रत्याशित घटना में कुछ समझ पाती तब तक बदमाश स्कूटी पर सवार होकर तेजी से गलियों में ओझल हो गए।

घटना 26 मार्च की दोपहर करीब दो से तीन बजे के बीच की है। पीडिता ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। दूसरी घटना में जाट के कुएं का रास्ता निवासी संतु सिंह ने नाहरगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार से घर जा रहा था इसी दौरान घर से कुछ दूरी पर पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और उसे जबरन पीछे से पकड़ लिया। इसके बाद बदमाश उसकी जेब से 12 हजार 200 रुपए निकाल कर बाइक से भाग निकले। घटना 25 मार्च की शाम करीब सवा पांच बजे की है। इस पर पीड़ित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। तीसरी घटना में पदमावती कॉलोनी निवासी कांता अग्रवाल ने श्याम नगर थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार से घर जा रही थी इसी दौरान घर से कुछ दूरी पर पीछे से बाइक सवार एक बदमाश आया और उसके गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड़कर ले गया। घटना 26 मार्च की शाम करीब सवा 6 बजे की है। पीडित ने बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो पाई। इस प्रयास में वह गिरते-गिरते बच गई। घटना के बाद पीडिता थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया।

सार-समाचार

जाली बिलों से कर चोरी में सीए अंकित जैन गिरफ्तार

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग की वृत-ए, प्रवर्तन शाखा-तृतीय जयपुर द्वारा बिना किसी माल अथवा सेवा की सप्लाई किये केवल बिल जारी करते हुए कुल 10.05 करोड़ की फेक आईटीसी जनरेट एवं यूटिलाइज करने के आरोप में सीए अंकित जैन पुत्र कैलाश चन्द्र जैन (37) निवासी प्रताप नगर सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की मेसर्स अंकित के सी जैन एंड एसोसिएट्स नाम से फर्म है। राज्य कर प्रवर्तन शाखा तृतीय के अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन शिशुपाल सिंह ने बताया कि सीए अंकित जैन द्वारा अपने कुछ क्लाइंट्स की फर्मों के रिटर्नस भरने के कार्य को राजस्व हानि की मंशा से दुरुपयोग करते हुए फेक सप्लाई अर्थात बिना किसी वास्तविक माल अथवा सेवा की सप्लाई के केवल फेक इनवॉइस जारी करते हुए फेक आईटीसी जनरेट एवं यूटिलाइज कर राजस्व की सदोष हानि की है। जिसके एवज में कमीशन प्राप्त किया जाकर मिथ्या आगत कर का लाभ पहुंचाया एवं कमीशन प्राप्त किया जाकर करापवंचन किया। इस कार्रवाई में सहायक आयुक्त हेमंत चंचल, राज्य कर अधिकारी हेमन्त कुमार शर्मा, संजय चौधरी, प्रदीप कुमार एवं कर सहायक दिनेश कुमार सैनी टीम में शामिल रहें।

सीए सुधीर भंसाली मानद सचिव नियुक्त

जयपुर। राजस्थान चार्टर्ड एकाउंटेंट्स सोसाइटी के चेयरमैन सीए सुधीर भंसाली को राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स का मानद सचिव नियुक्त किया गया है। भंसाली एक वरिष्ठ समाजसेवी हैं और पिछले तीन दशकों से प्रोफेसन और इंडस्ट्री के हित में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर

जयपुर। शिप्रापथ इलाके में बुधवार देर रात एक पिकअप ने बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में फूड डिलीवरी देकर वापस लौट रहे युवक की मौत हो गई। तेज रफतार पिकअप पीछे से बाइक को टक्कर मारकर फरार हो गई। पुलिस ने जयपुरिया हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र ने बताया कि हादसे में रेनवाल फागी के हरसूलिया गांव निवासी विक्रम बैरवा (20) पुत्र सूरज बैरवा की मौत हो गई। वह ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी (स्विगी) में जॉब करता था। बुधवार रात मानसरोवर एक ऑर्डर देने गया था। ऑर्डर डिलीवर कर रात एक बजे बाइक से सांगानेर की ओर जा रहा था। शिप्रापथ इलाके में रीको कांटे पर ओवर स्पीड पिकअप ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। बाइक सवार विक्रम को रौंदता हुआ ड्राइवर पिकअप को दौड़ा ले गया। हादसे की सूचना पर एक्सीडेंट थाना (दक्षिण) पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को एम्बुलेंस की मदद से जयपुरिया हॉस्पिटल के मुर्दाघर भिजवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर पिकअप व ड्राइवर की तलाश कर रही है।

युवक बच्चों के सामने ही करता था महिला से अश्लील वीडियो कॉल

जयपुर। करधनी थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ गंभीर आरोप लगाकर शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि उसका पति शराब के नशे में अक्सर उसके साथ मारपीट करता है और नाबालिग बच्चों के सामने अश्लील वीडियो कॉल करता है। इस मामले में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार झोटवाड़ा निवासी एक महिला ने मामला दर्ज करवाया कि उसका पति आए दिन शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता है। उसके दो नाबालिग बच्चे हैं, जिनके सामने उसका पति अनैतिक हरकतें करता है और उन्हें भी अश्लील वीडियो दिखाता है। उनके सामने ही अन्य महिलाओं से अश्लील वीडियो कॉल करता है। जब उसने अपने पति को इस तरह की हरकतें करने से रोका तो उसने हैवानियत की हदें पार कर दी। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर पोक्सो एक्ट और बीएनएस की अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि यह मामला बेहद गंभीर है और इसमें सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पति की हरकतों से घर का माहौल खराब हो गया है और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। महिला ने प्रशासन से अपने और बच्चों की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की गहनात से जांच कर रही है। आरोपी से पूछताछ बाद उसे जल्द ही हिरासत में लिया जाएगा।

38 थानों के फोन बंद से आमजन परेशान

जयपुर। पुलिस की लापरवाही के चलते जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के थानों के फोन बंद पड़े है। इससे आमजन को काफी परेशान का सामना करना पड़ा है। परिवादी को इमरजेंसी में 100 या 112 नम्बर पर ही डायल करना पड़ता है। जयपुर के 38 से ज्यादा थाने ऐसे हैं जिनके लैंडलाइन काम नहीं कर रहे। यही हाल अलवर, अजमेर, भरतपुर, बीकानेर, उदयपुर और चूरू, ब्यावर समेत अन्य जिलों का भी है। जयपुर के 38 से ज्यादा थानों के लैंडलाइन नॉन-वर्किंग पाए गए। वहीं, कुछ थानों के नंबर तो पुलिस विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध ही नहीं थे। कुछ लैंडलाइन ऐसे भी थे जो लगातार 'बिजी' आते रहे, जिससे संपर्क कर पाना असंभव था। इनमें बगरू, बिंदायका, वैशाली नगर, गांधी नगर, कानोता ,मोती डूंगरी, आमेर, भट्टा बस्ती, जयसिंहपुरा खोर, महिला थाना नॉर्थ, मानक चौक, नाहरगढ़, रामगंज, संजय सर्किल, शास्त्री नगर, सुभाष नगर, सांगानेर सदर, आंधी, जमवारामगढ़, महिला थाना ग्रामीण , मनोहरपुर,नरेना सहित अन्य कई थाने शामिल हैं।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगे साढ़े चार लाख

जयपुर। कोटखावदा थाना इलाके में नगर निगम में सफाई कर्मचारी के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर महिला से साढ़े चार लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार खेड़ा जगन्नाथपुरा निवासी अनिता मीणा ने मामला दर्ज करवाया कि पूजा मीणा, राहुल मीणा, नितेश नागर सहित तीन-चार लोगों ने उसके झांसा दिया कि वे उसके बेटे को नगर निगम में सफाई कर्मचारी के पद पर नौकरी लगवा देंगे। महिला को झांसे में आरोपियों ने उससे कई बार में साढ़े चार लाख रुपए ले लिए। रुपए लेने के बाद भी आरोपियों ने उसके बेटे को सरकारी नौकरी नहीं लगवाई। इस पर पीडिता ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खुलवाने की मांग

जयपुर। जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने आज लोकसभा में बोलते हुए अपने संसदीय क्षेत्र जयपुर में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खुलवाने की मांग खेल मंत्री से की।

सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के बाद भी राजस्थान में भारतीय खेल प्राधिकरण का एक भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस नहीं है। जबकि हाल ही के वर्षों में ओलंपिक, एशियन गेम्स तथा कॉमन वेल्थ खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य के कई खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी, निशानेबाजी, तीरंदाजी आदि खेलों में देश का नाम रोशन किया है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में एक भी नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस नहीं होने के कारण प्रतिभावान खिलाड़ियों को सर्वोच्च श्रेणी का प्रशिक्षण नहीं मिल पा रहा है। जयपुर राजस्थान की राजधानी होने के साथ-साथ यहां की क्लाईमेटिक कंडिशन भी खिलाड़ियों के अनुकूल है।

चर्चित पत्रकार दीपक चौरसिया पर 30 को होंगे जयपुराइट्स से रूबरू

- होली का हुल्लास में पीआर और मीडिया कर्मी करेंगे काव्य-पाठ

जयपुर। देश के चर्चित पत्रकार दीपक चौरसिया राजस्थान दिवस पर जन-चेतना के सजग संवाहक परिवर्तन संस्थान और राजस्थान यूनिवर्सिटी के आर.ए. पोदार इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होली का हुल्लास और मीडिया एक्सीलेंस अवॉर्ड कार्यक्रम में जयपुराइट्स से रूबरू होंगे। 30 मार्च को अपरान्ह 3 बजे से शुरू होने वाले इस विलक्षण कार्यक्रम में मीडिया-पीआर प्रोफेशनल्स एवं मीडिया एजुकेटर्स अपनी मौलिक रचनाओं का पाठ करेंगे।

देश के चर्चित पत्रकार दीपक चौरसिया राजस्थान दिवस पर आयोजित होली का हुल्लास और मीडिया एक्सीलेंस अवॉर्ड कार्यक्रम में जयपुराइट्स से रूबरू होंगे। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया।

ये जानकारी संस्थान के फाउंडर डॉ. संजय मिश्रा ने आज जयपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

संस्थान के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि होली के हुल्लास कार्यक्रम के इस चतुर्थ संस्करण में मीडिया, पीआर और मीडिया एजुकेशन के क्षेत्र में कार्यरत प्रोफेशनल्स को एक्सीलेंस अवॉर्ड विविध कैटेगरी में प्रदान किए जायेंगे। मीडिया पैनलिस्ट अवार्ड वरिष्ठ पत्रकार श्यामसुन्दर शर्मा, डिजिटल मीडिया अचीवर अंकित तिवाड़ी, बेस्ट रिपोर्टर प्रिंट अवधेश अकोदिया, बेस्ट रिपोर्टर टीवी ऐश्वर्य प्रधान, बेस्ट रिपोर्टर रेडिओ जीतेन्द्र द्विवेदी, बेस्ट रिपोर्टर डिजिटल दिव्य गौड़, न्यूज़ प्रोडक्शन में डीडी न्यूज़ के मुरारीलाल गुप्ता, बेस्ट गवर्नमेंट पीआर हेतप्रकाश व्यास, बेस्ट कॉर्पोरेट पीआर अभिषेक गौड़, कम्युनिकेशन डिजाइन के लिए दी सृजन, कम्युनिटी जर्नलिज्म के लिए गीता यादव, आईईसी एक्टिविटीज के लिए झुंझुनू से महेश कुमार, रेडियो जॉकी आरजे रविंद्र, यंग एचीवर प्रिंट अजय भारद्वाज, बेस्ट कार्टूनिस्ट अभिषेक तिवाड़ी, टेक जर्नलिज्म आशीष खंडेलवाल, फोटो जर्नलिस्ट भागीरथ बसनेट और मीडया एजुकेशन के लिए बनस्थली विद्यापीठ के लोकेश शर्मा को प्रदान किया जायेगा।

सात दिन में व्यापारी हटाएं अतिक्रमण, नहीं तो निगम करेगा सख्ती : कुसुम यादव

- महापौर ने किया बाजारों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण
- सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर महापौर के निर्देश पर उपायुक्त स्वास्थ्य ने दो मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और दो स्वास्थ्य निरीक्षक को दिया नोटिस

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज जयपुर की महापौर कुसुम यादव ने गुरुवार को बाजारों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान बाजार में कई जगहों पर अतिक्रमण देख महापौर कुसुम यादव नाराज हुई। महापौर कुसुम यादव ने मौके पर ही व्यापारियों से समझाइश की और सात दिन में खुद ही अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि सात दिन बाद निगम प्रशासन सख्ती से अतिक्रमण को हटवाएगा। इस दौरान महापौर कुसुम यादव ने चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल, संजय सर्किल, स्टेशन रोड, इंद्रा बाजार, खजाने वालो का रास्ता, बाबा हरिश्चंद्र मार्ग, सिंधी कैंप आदि स्थानों पर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। वहीं, महापौर कुसुम यादव ने किशनपोल जोन में कुछ स्थानों पर गंदगी होने पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक को लताड़ पिलाई। महापौर कुसुम यादव के निर्देश पर उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा ने किशनपोल जोन में दो मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और दो स्वास्थ्य निरीक्षक को नोटिस भी जारी किया है। इस दौरान महापौर कुसुम यादव ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान हेरिटेज निगम क्षेत्र में गंदगी पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

नगर निगम हेरिटेज जयपुर की महापौर कुसुम यादव ने बाजारों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पार्षद अमर गुर्जर अरविंद मेठी उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा, किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी सहित निगम अधिकारी मौजूद रहे।

'नारी सशक्तिकरण के लिए उनके द्वारा किये गये कार्य हमेशा प्रेरणादायी रहेंगे'

- महारानी महाविद्यालय में आयोजित हुआ अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष कार्यक्रम

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को महारानी कॉलेज में मरूधर नारी सशक्तिकरण संगठन, और भारतीय शिक्षण मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह' में शिरकत की।

दिया कुमारी ने लोक माता अहिल्या बाई होलकर को नमन करते हुए कहा कि इतिहास के पन्नों पर अहिल्याबाई होलकर जी का नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज है क्योंकि उन्होंने लोकहित, राष्ट्रहित व समाज हित के लिए अपना जीवन समर्पित किया। विद्धान, साहसी और प्रशासनिक कौशल की पहचान रानी अहिल्या बाई होलकर जी द्वारा नारी शक्ति, सशक्तिकरण व प्रशासनिक क्षेत्र में किये गये कार्य हमेशा प्रेरणादायी रहेंगे। इतिहास के पन्नों पर रानी अहिल्याबाई का नाम हमेशा सम्मान से लिया जाता रहेगा।

अपने शासन काल में उन्होंने राज्य हित, जनहित को सर्वोपरि माना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया, उन्हें आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिलवाया, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया, समाज में फैली कुरूतियों को समाप्त किया। उनके द्वारा किये गये सार्वजनिक हित के कार्य हमेशा समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि भारतीय स्त्री शक्ति की शाखा मरूधर नारी सशक्तिकरण संगठन जो कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रहित में महिलाओं के उत्थान हेतु सक्रिय है और आपके द्वारा कच्ची बस्तियों के बच्चों के लिए शिक्षा एवं संस्कार केन्द्र, महिला सिलाई केन्द्र, बालिकाओं की आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर, जैसे सेवा कार्य किये उन्होंने सभागार में उपस्थित छात्राओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, अधिकारों व कानूनों से अवगत रहने के लिए प्रेरित किया ताकि वे सशक्त होकर एक सुदृढ़ सनातन संस्कृति को पोषित कर सकें।

भारत सरकार ने राजस्थान में डेयरी विकास के लिये अनुदान राशि में की तीन गुना बढ़ोतरी

जयपुर। भारत सरकार ने राजस्थान राज्य में डेयरी विकास के लिये पिछले वर्ष की तुलना में अनुदान राशि में तीन गुना से भी अधिक की बढ़ोतरी की है। गांव से लेकर शहरों तक आमजन को शुद्व एवं पौष्टिक दूध एवं दूध से बने उत्पाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्वता के चलते राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन ने भारत सरकार को राज्य की प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाने के लिये 87.73 करोड़ रुपये की कार्य योजना प्रस्तुत की थी। भारत सरकार ने आरसीडीएफ की कार्य योजना को ज्यों की त्यों स्वीकृत करने की सैद्वान्तिक स्वीकृति दे दी है। यह स्वीकृति केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी सचिव की अध्यक्षता में 26 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित बैठक में दी जिसमें राजस्थान का प्रतिनिधित्व आरसीडीएफ की प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने किया।

केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी सचिव की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित बैठक में राजस्थान का प्रतिनिधित्व आरसीडीएफ की प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने किया।

बैठक में भारद्वाज ने राजस्थान राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण एवं दुग्ध संकलन में बढ़ोतरी के लिये 87.73 करोड़ रुपये की कार्य योजना पर विस्तृत प्रकाश डाला। आरसीडीएफ द्वारा प्रस्तुत कार्य योजना पर भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी सचिव ने सैद्वान्तिक स्वीकृति दी। बैठक में भारत सरकार ने आरसीडीएफ द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये स्वीकृत की गई 17.84 करोड़ रुपये का त्वरित उपयोग कर राज्य के ग्रामीण स्तर तक डेयरी विकास कार्यक्रम पहुँचाने के प्रयासों की भी सराहना की गई।

पुलिस मुख्यालय ने जारी की एडवाइजरी

जयपुर। आजकल साइबर धोखाधड़ी के मामले बहुत बढ़ रहे हैं, साइबर क्रिमिनल नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठग रहे हैं। इनमें से एक तरीका है फर्जी एसएमएस भेजकर लिंक के जरिए धोखाधड़ी करना। इसके संबंध में पुलिस मुख्यालय की साइबर शाखा द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। अगर आपको भी ऐसा ही कोई मैसेज मिले तो उसमें दिए गए लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, बैंक खाता नंबर, पासवर्ड सहित अन्य कोई जानकारी शेयर ना करें। पुलिस महानिदेशक (साइबर क्राइम) हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने एवं आमजन में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय की साइबर क्राइम शाखा द्वारा राज्य में लगातार प्रयास किये जा रहे है। आपके बैंक खाते में पैसे जमा होने का फर्जी एसएमएस के साथ लिंक भेजकर पैसो की ठगी की जा रही हैं। आमजन अपने खातो की सुरक्षा के लिए व ऐसी धोखाधड़ी से बचने के लिए सभी को बैंकिंग अलर्ट्स का ध्यानपूर्वक विश्लेषण कर भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा जारी गाइडलाइन की पालना करनी चाहिए।

जयपुर एयरपोर्ट पर यात्री के प्राइवेट पार्ट में मिला 70 लाख का सोना

- खुफिया निदेशालय टीम ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई कर सोने तस्करी के मामले में एक यात्री और मास्टर माइंड को पकड़ा

जयपुर। राजस्व खुफिया निदेशालय(डीआरआई) टीम ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए सोने तस्करी के मामले में एक यात्री और मास्टर माइंड को पकड़ा है।

जानकारी में सामने आया है कि 70 लाख के सोने के पेस्ट को आरोपी यात्री के प्राइवेट पार्ट से रिकवर किया गया है। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की टीम ने गुरुवार सुबह आरोपी यात्री के साथ सोना तस्करी के मास्टरमाइंड को भी दबोचा है। सूत्रों के अनुसार एजेंसी के हाथ लगे मास्टरमाइंड तस्कर अजय फगोड़िया से पूछताछ में कई बड़े खुलासे होने की संभावना है।

डीआरआई के अधिकारियों के पास जानकारी थी कि एयर अरेबिया से आ रहा एक यात्री सोने की तस्करी कर रहा है। सऊदी अरब की राजधानी रियाद से जयपुर पहुंची फ्लाइट के गेट जैसे ही खुले एजेंसी की टीम अलर्ट हो गई। डीबोर्डिंग शुरू होते ही एजेंसी के लोगों ने पहले से मिली सूचना के आधार पर आरोपी यात्री की तलाश शुरू कर दी। शक के आधार पर आरोपी यात्री को कस्टम जांच के लिए रुकवाया गया। लेकिन उसके पास कुछ नहीं मिला। हालांकि जांच के दौरान आरोपी के बदले हाव भाव से जांच करने वाली टीम का शक गहरा गया।

यात्री की अलग से ले जाकर फिर जांच की गई और पूछताछ शुरू हुई, लेकिन कुछ नहीं मिला। शक के आधार पर एजेंसी ने कोर्ट से तुरंत यात्री का एक्स-रे करवाने की परमिशन ली। जिसमें पेस्ट के तौर पर प्राइवेट पार्ट में छुपाया गया सोना नजर आया। जिसकी बाजार कीमत करीब 70 लाख रुपए बताई जा रही है।

आरोपी के पास से 772 ग्राम सोना रिकवरी की गई। आरोपी यात्री से जब अधिकारियों ने सोना तस्करी को लेकर पूछताछ शुरू की तो उसने बड़ा खुलासा किया। आरोपी ने सोना तस्करी के मास्टरमाइंड अजय फगेड़िया के बारे में जानकारी दी। जो उसी के साथ ही रियाद से आया था। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

डीआरआई के अधिकारियों ने बताया कि सोने की तस्करी का मास्टर माइंड अजय फगेड़िया उनके हाथ लगा है। जो सीकर और नागौर के लड़कों को कैरियर के रूप में इस्तेमाल कर सोना तस्करी करवाता है।

आरोपी इन लोगों को 10 से 20 हजार रुपए प्रति फेरे के देता है। आरोपी अजय काफी समय से सोना तस्करी में सक्रिय था। खुफिया एजेंसियों की रडार पर भी था। एजेंसी तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों का नेटवर्क खंगालने में भी लगी हुई है। अधिकारियों का उम्मीद है कि दोनों आरोपियों से पूछताछ में कई खुलासे हो सकते हैं।

ARBiT
it happens here...

Virtual Advocacy Day

It's amazing how technology turns ordinary people into powerful voices. Virtual Advocacy Day connects people with lawmakers right from their homes. Through hands-on virtual training, participants learn to advocate on key issues like healthcare or social justice. Participants share stories and concerns with officials, making their voices heard loud and clear. No travel is needed, so, anyone across the country can join and make an impact. This event invites all kinds of voices, patients, activists, researchers, and more. Virtual Advocacy Day shows how digital spaces can spark big, real-world results.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
28 March 2025
A-B

#ENVIRONMENT

Grandly Christened the Plastic Odyssey: A Voyage to Clean the Seas

Unlike conventional clean-up efforts that skim plastic from the surface, the Plastic Odyssey dives deeper, tackling the issue at its root. This isn't just a ship, it's a mobile laboratory.

In a world drowning in plastic waste, one vessel dares to rewrite the narrative. Grandly christened the Plastic Odyssey, this ship is more than a means of travel, it is a floating beacon of innovation, hope, and action. Sailing across the world's most polluted coastlines, it carries a bold mission, to turn plastic waste into opportunity and rewrite the future of ocean conservation.

A Vision That Sails Beyond Awareness

Unlike conventional clean-up efforts that skim plastic from the surface, the Plastic Odyssey dives deeper, tackling the issue at its root. This isn't just a ship, it's a mobile laboratory, an idea incubator, and a lifeline for communities drowning in plastic pollution. Rather than collecting waste and moving on, the Plastic Odyssey empowers local populations with practical, small-scale recycling technologies that transform discarded plastic into valuable resources. Imagine a fisherman on a remote coastline, struggling with plastic-choked waters. Instead of watching helplessly, he learns how to repurpose that waste into usable materials, fuel, building blocks, or even new tools. This is the magic of the Plastic Odyssey, not just cleaning up, but creating long-term solutions that ripple through communities, sparking sustainable change.

Charting a Course for Transformation

From the vibrant coasts of Africa to the bustling ports of Asia and the remote islands of Latin America, the Plastic Odyssey weaves its way through the planet's most plastic-stricken regions. At each stop, the crew doesn't just talk about change, they ignite it. Engineers, environmentalists, and local entrepreneurs collaborate on real-world recycling solutions, tailored to each region's unique challenges. Picture a hands-on workshop on a sun-drenched shore, where curious eyes watch as discarded plastic bottles are shredded, melted, and molded into something new. It's not just science, it's empowerment. The ship leaves behind more than knowledge, it leaves behind tangible tools, fostering self-sustaining micro-industries that can thrive long after it sails away.

Turning Plastic Waste into Possibility

The heart of the Plastic Odyssey lies in its ability to transform plastic into potential. Onboard, a suite of low-cost, easily replicable recycling machines work their magic, turning plastic debris into usable products. Whether it's crafting sturdy bricks for construction or converting waste into fuel, the ship proves that trash isn't the enemy, it's an untapped resource waiting for reinvention. Beyond technology, the ship carries a powerful message, action is stronger than despair. It engages communities through storytelling, hands-on training, and cultural exchanges that shift perspectives. Instead of seeing plastic as an overwhelming problem, people begin to see it as an opportunity, a catalyst for local economies and environmental restoration.

More Than a Voyage, A Movement

The Plastic Odyssey is more than a journey across oceans, it's a revolution in the making. It has drawn the attention of global leaders, scientists, and sustainability advocates, all rallying behind the idea that small-scale solutions can drive large-scale impact.

With every nautical mile, this grandly christened vessel leaves behind more than just waves, it leaves behind legacies. It is proof that when innovation, collaboration, and purpose sail together, the tide can turn against plastic pollution. The Plastic Odyssey is not just charting waters, it is charting a future where plastic waste is no longer a threat, but a tool for transformation.

Mirza Yawar Baig
Naturalist and Wildlife Conservationist

#WORKING

You Can Only Have Whatever You Work For

Make a timetable. No matter how nebulous. But have a timetable that you stick to. That is the key. To stick to the timetable. Today, many people fall into the App-trap. Download an app and you think it will work for you. Guess what! It won't. You still must work. I find the best 'app' is a simple notepad because as you write in it, your brain activates at a different level than tapping an app. This helps to develop the power of structured thought. First comes the thought, then the plan, then the action. If you want to work effectively, you must learn to think clearly. That means to think in a structured way.

I started my entrepreneurial journey in 1983 and set up my consulting company in 1994. A friend asked me if and how the challenges that entrepreneurs in 2025 face are different from those that I faced back then. In my view, all entrepreneurs, irrespective of time, face two critical challenges. Neither has to do with the nature of the business but with being an entrepreneur, irrespective of which business you decide to go into. But they are critical to anticipate, prepare for and resolve satisfactorily if you want to succeed as an entrepreneur. I faced them. I will let you decide if anything has changed since then.

Dealing with ambiguity and uncertainty

This is the biggest and literally a make-or-break challenge that every entrepreneur faces. Most come unprepared for it. To mentally switch from an assured income every month, no matter how small or large it may be, to, 'I am free to earn as much as I want,' generates anxiety and fear, not contentment. Removing the safety net does that to the most expert trapeze artist. Let alone the first-time entrepreneur. Many, if not most, are unprepared and this comes as a shock. Ambiguity is certain. That sounds like an oxymoron, but in the case of entrepreneurship, it is completely true. The only thing that you can be sure of is butterflies in the stomach. The solution is to prepare. Mental preparation, even more than material. Entrepreneurship is about emotional maturity. About growing up. About accepting responsibility for yourself, and your destiny. Anxiety is the wrapping of the package. When you say to yourself, 'As much as I want,' what they don't tell you is two things: One, it is not as much as I 'want,' but as much as I 'can do.' It is all about work. 'Wanting' is only the motivator. But it is work and only work that can yield results. The number of hours you spend on your startup is important but even more important is what you do in those hours. Your systems are more important than your expectations. Expectations are free. Systems take discipline, determination and backbreaking effort. But you do it because you believe that it is worth it. Because to make your dream come true is important enough for you.

Two, that freedom is another name for owning responsibility. Freedom is not free from consequences of action. It means that you recognize you are responsible for your actions and are consciously accepting that responsibility. We are all responsible for our actions anyway, but when you are an employee, you live in a Parent-Child bubble. You allow yourself to be conditioned to believe that the employer is responsible for your happiness and your role, like that of a child, is to feel sad, glad, bad, mad. When you set out as an entrepreneur, you grow up. You break out of this fantasy and accept that what happens to you depends on what you do. That is a hugely empowering realization because it means that if you want good things to happen to you, you don't have to wait for someone on high to grant them, but you can work to make them happen.

If you can deal with that, you cannot fail. If not, you cannot succeed. So, the truth about entrepreneurship is that you can only have whatever you work for.

The antidote to sleep is physical exercise. Especially aerobic exercise. Good for health, drives away sleep, depression, anxiety and helps you to think. Any time you need to think deeply about something, go for a long walk. Walking drives blood to the brain using big muscles in the legs and you can think better. Running doesn't do the same thing for thinking. But walking does. If you want to think, leave your ear buds at home. Otherwise, walking can also be used to multitask usefully by listening to something beneficial as you walk. I like to listen to history and start-up podcasts and find them very inspiring. So, all in all, walking is the best medicine. And what's more, at the end of the day, you will sleep like a baby and get more goodness out of four hours than you would out of eight hours after sitting around all day.

The second strategy is to create structure in your thinking and life. Make a timetable. No matter how nebulous. But have a timetable that you stick to. That is the key. To stick to the timetable. Today, many people fall into the App-trap. Download an app and you think it will work for you. Guess what! It won't. You still must work. I find the best 'app' is a simple notepad because as you write in it, your brain activates at a different level than tapping an app. This helps to develop the power of structured thought. First comes the thought, then the plan, then the action. If you want to work effectively, you must learn to think clearly. That means to think in a structured way. Working with a timetable is the best way to do that.

Here is a good way to start. Begin your day with a list of three things that you need to accomplish that day, in order of priority and define metrics for each. What is the minimum you need to accomplish? What does a star performance look like? Remember, this is to motivate you and give meaning to your effort, so, it is very important to start with metrics. Priority is based on the immediate goal on your roadmap. This means that you have a clearly defined, written down goal, which you have further broken down into short-term goals. If you haven't, first do this because priority is a function of goal clarity. Then, start with the first goal and complete it, then, go to the second goal. Don't start with multiple goals simultaneously. If you are interrupted, return and complete that goal before going to the second goal. At the end of the day, evaluate your day based on the metrics you created for each goal. Make this into a hard-wired habit. Never start a day without a goal and metrics to measure accomplishment. Your life will become purposeful, and satisfaction is guaranteed. This systematic approach is the best antidote for anxiety and depression.

Daily goal measurement gives you direction and metrics give you the satisfaction of achieving the goal. Set tough metrics. Remember that satisfaction is proportionate to the difficulty of the challenge. Set and accomplish difficult tasks if you want to feel highly satisfied. It won't happen with easily achieved goals. Metrics also prevent us from fooling ourselves into thinking about how hard we worked and so on. If you can't measure it, it didn't happen. It doesn't matter how hard you worked. You need to do more or different things the next day. The biggest failure trap is making excuses. Excuses don't change reality. Failure won't change to success because you have a good excuse for it. Excuses only prevent you from learning. Instead of making excuses, ask, 'How did this happen and what can I do to fix it and ensure that it never happens again?' You can achieve great goals, or you can make excuses. But you can't do both. So, decide early which you want to do. Metrics are indispensable for anyone who wants to achieve success. As Mikel Harry, the author of *6 Sigma Quality standard* famously said, "If you want to see what someone values, see what they measure. 'Ask, What do I value?'" Measure it.

Structured working and metrics also deal with anxiety and ambiguity because they act like guardrails for runaway imagination. We seem to be pre-programmed to think of worst-case scenarios which is pointless and debilitating. Structure keeps the mind focused on achieving immediate goals and gives meaning to the effort and the satisfaction of achieving it. This is energizing and encouraging.

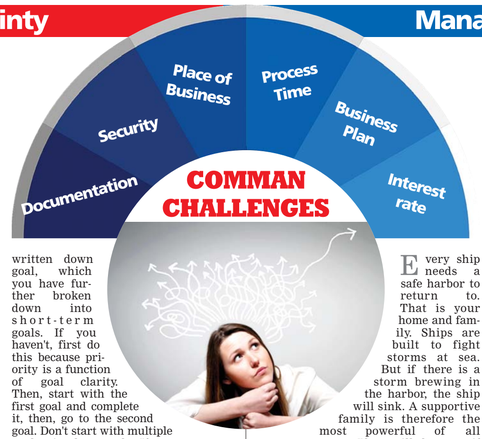

Managing relationships

Every ship needs a safe harbor to return to. That is your home and family. Ships are built to fight storms at sea. But if there is a storm brewing in the harbor, the ship will sink. A supportive family is therefore the most powerful of all resources. That will happen if they understand what you are doing and how that will benefit them in the future. Entrepreneurs are always short of time, and many treat family like furniture. I like it, I need it, I use it, but I don't maintain it until it breaks down. Many a potentially great enterprise suffered or came apart because a divorce was added to the cost. Worse than a divorce is a dead marriage which tries to pretend to be alive. Likewise for children. They need time and attention. Not only food and gadgets. Paying bills is the default but not enough by far.

Take the family into confidence. Set aside a time every week. Call it the 'Family Council.' Create a little ritual around it. It must be at a specific time every week. Everyone must dress up for it because it is 'work time.' Some food and drink. Some props to make a presentation, show a video and so on. And most importantly, take notes. Some people complain that the spouse and children don't have the technical knowledge to understand your business plan or what you are doing. I say that is the best reason to speak to them because the best way to understand your plan is to explain it to a 5-year-old so that he understands it. If you can't do that, it means you don't understand it yourself.

Also in my experience, people who know nothing about the workings of a business bring a fresh, new, sometimes, shocking perspective, which the business founder may not see. Most business founders tend to get so caught up in the 'what' and 'how,' that they lose focus on 'customer perception.' Remember, your customer looks more like your spouse and children than like you. It will be someone who not only doesn't know how the thing works but is not even interested in learning. They are interested in how it works and how that will help them.

Most importantly, managing cashflows is a critical need when you start out as an entrepreneur. Especially if you had a salaried job, you had a regular stable cashflow and planned your expenses based on that. But as an entrepreneur, cash comes in spurts. Some lean months and some months with plenty. That is why it is important to keep tight control over expenses. Make a budget and stick to that. Avoid all spontaneous buying. If you or any of the family members need anything, create a culture of budgeting for it, and then, spending the money only at the agreed time. They should present their spending proposal to the Family Council which can decide on this. That way, people get into the habit of looking at expenses as serious matters to be incurred only after due thought.

It is a good way to keep everyone involved in the entrepreneurial journey and keep the focus on success. It helps people see how financial discipline is critical to success and prevents you from being seen as the stick in the mud for everyone. When people make decisions collectively, they take responsibility for them. Budgeting and planned spending also takes care of the anxiety that happens when you and your family realize that there is no paycheck at the end of the week or month. Saving and spending thoughtfully never hurt anyone.

We used to call it VOC (Voice of Customer) in GE and had sessions where customers were invited to come and talk to us about how they experienced the GE product or service that they used. The listeners, GE people, had strict instructions to listen, take notes, and troubleshoot. Not to make explanations or excuses. Just listen and act. When you do this, the customer feels that he is important and his view is valuable. VOC is a very powerful tool to retain customers as well as to make your customers your brand ambassadors.

So, test yourself. Talk to your family. Don't talk down. Speak clearly. You may need to back up and explain some basics first. Or you may need to help them to focus on key financials and not get bogged down in complex spreadsheets. Any time you feel irritated about this, remind yourself that this is your test and your practice because, as I said before, your customers are going to be more like your family than like you. If one way doesn't work, try another and another until you find the one that clicks. Ask them how you can help them understand and listen to them. They are your teachers.

Remind yourself that this time is not wasted at all. It is most valuably spent in improving your ability to sell your ideas in a way that helps customers to see WiiFM (What's in it For Me?). That is the most powerful sales technique for any product or service on the face of the earth. If you can show people what is in it for them, you don't need to sell anything. They will beat a pathway to your door. Proof: Long lines of customers every time Apple announces a new phone. The best way to help customers to see WiiFM (What's in it For Me?) is to ask them what they see as the benefit of the product or service. Not its features, or mechanics. But user benefits. Because if the user can't see or use it, it is not there. Let the user tell you what they want, and then, you provide that.

In conclusion, I want to say that entrepreneurship is the logical psychological progression of the individual which marks his/her maturity as an adult, who is willing to take responsibility for themselves and the world around them. Entrepreneurship with the right frame of reference represents all that is good about the human condition, because it reflects not only the drive to do something good for oneself but also for others. Small and medium enterprises are the backbone of local society because their founders invest in the community and are dependent on it.

Small and Medium enterprises fund all kinds of local facilities and needs like schools, religious institutions, charities, healthcare, care for the elderly and so on. They source their needs locally, pay taxes locally and participate in local government. They provide employment to local people and build community. This is very different from huge global businesses, which may be physically present in a place but employ outsiders and source all their requirements from global suppliers, because they get better prices for bulk purchases. They participate minimally in local society, if at all.

rajeshsharma1049@gmail.com

#TRIED & TASTED

Yummy Tales Of Tummy

There's nothing quite like biting into a light, moist cake with a tender crumb.

If you have been having a bad day, then you know what can instantly cheer you up. Yes, a piece of cake holds the power to make everything right. Wouldn't you agree? There's nothing quite like biting into a light, moist cake with a tender crumb. And if you love baking, then you will know the joy it brings to create sinful treats and make everyone droll over it.

Almond and Cashew Cake

Ingredients

- 1/2 Cup Maida
- 1/4 cup Cashew powder (grind cashews in a mixer)
- 1/4 cup Almond powder
- 1/4 cup Sugar
- 3 tsp Ghee
- A pinch of Cardamom powder
- 1/2 cup Milk
- A pinch of Coconut (dry), grated
- 1/4 tsp Baking soda
- 1/2 tsp Baking powder

Preparation

1. Preheat the oven to 350 degree F.
2. Grease the baking pan and apply some ghee. Use parchment or wax paper to cover the bottom and sides of the pan and keep it aside.
3. Take a bowl and mix cashew powder, almond powder, maida, baking soda, baking powder and cardamom powder.
4. In another bowl, add ghee and whisk till its fluffy (should take less than a minute). Add sugar and blend again.
5. Mix the contents of the two bowls and transfer them to a pan. Add a pinch of maida to grated coconut and sprinkle it on top.
6. Bake for 20 to 25 minutes and broil for less than a minute.
7. Serve.

Marble Cake

Ingredients

- 150 gms Butter
- 150 gms Castor sugar
- 3/4 cup Milk
- 3 tsp Vinegar
- 150 gms Flour
- 1 tsp Vanilla essence
- 1 tbsp Cocoa
- 1 1/2 tsp Baking powder

For the Icing:

- 50 gms Butter
- 100 gms Icing sugar
- 50 gms Chocolate, melted
- 2 tsp Cocoa
- Sweets (to decorate)

Preparation

1. Beat butter and sugar together until light and fluffy.
2. Gradually, beat in the milk and vinegar. Fold in all the flour except 1 tbsp.
3. Divide batter in half. Fold 1 tbsp flour in 1 half and the cocoa in the other.
4. Place in alternate spoonfuls in a greased and lined 8" cake tin.
5. Bake at 180 degrees centigrade for 20-25 minutes.
6. Turn out and cool.
7. For the icing, beat the ingredients together.
8. Spread over cake.
9. Decorate and serve.

Truffle Cake

Ingredients

For the sponge:

- 150 ml Oil
- 275 gram Sugar
- 185 gram Milkmaid
- 375 gram Curd
- 375 Flour
- 9 gram Baking soda
- 9 gram Baking powder

For the sugar syrup:

- 200 gram Sugar
- 200 ml Water

For truffle:

- 500 gram Dark chocolate
- 250 gram Fresh cream

Preparation

Prepare the sponge:

1. Whisk all the ingredients together except oil. Lastly, add the oil.
2. Pour in a mould and bake at 180 degrees for 35 - 40 mins. Allow the sponge to cool.

Prepare the truffle:

1. Chop dark chocolate and keep in a bowl.
2. Boil cream in a saucepan and pour over the chocolate. Whisk till all the chocolate dissolves.
3. Allow to cool.

Prepare sugar syrup:

1. Boil water and sugar to make a sugar syrup. Strain and keep aside to cool.

Assemble the cake:

1. Cut the cooled sponge in three layers.
2. Take one layer on a cake board. Brush it with sugar syrup. Apply the truffle. Repeat the process with the remaining layers of sponge. Finally, finish the top and sides of the cake with truffle. Allow the truffle to set.
3. Finally, melt the truffle and pour over the cake. Refrigerate and serve thereafter.

THE WALL

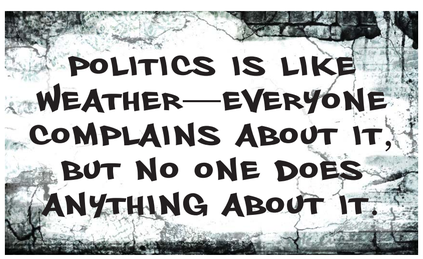

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

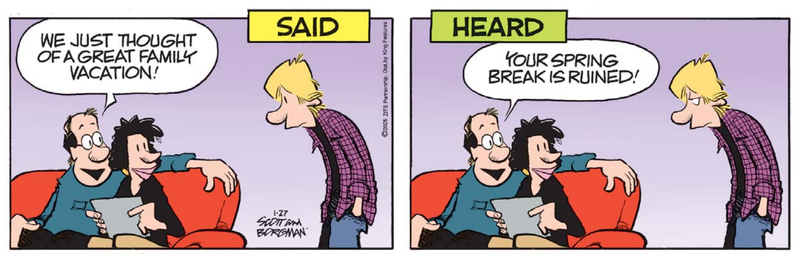

सुंदर विचारों से ओतप्रोत सृजनात्मक मस्तिष्क के साथ मजबूत बनें : डॉ. कर्णसिंह

उदयपुर के भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

दीक्षांत समारोह को पूर्व केंद्रीय मंत्री व राज्यसभा सदस्य डॉ. कर्णसिंह ने संबोधित किया।

- सभी दिशाओं से आने वाले अच्छे विचारों का स्वागत कीजिए व लोक कल्याण में आगे बढ़िये: कर्नल प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और शोध को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित उदयपुर के भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन गुरूवार को भूपाल नोबल्स संस्थान के महाराणा प्रताप खेल मैदान पर सम्पन्न हुआ, जिसमें देशभर से प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही। दीक्षांत समारोह बेटियों के नाम रहा। 147 में से 131 स्वर्ण पदक बेटियों को मिले तो सबके चहरे खिल उठे। समारोह में 224 को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई जिसमें से 154 बेटियों के नाम रही। इसमें भी 68.75 प्रतिशत अर्थात 154 पीएचडी सिर्फ बेटियों ने प्राप्त कर पचरम फहरा दिया।

मुख्य अतिथि पद्म विभूषण से सम्मानित एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, राज्यसभा सदस्य डॉ. कर्णसिंह ने कहा कि जब तक आप अपना निर्माण नहीं करोगे, तब तक आप इस योग्य नहीं बनोगे कि आप इस भारतवर्ष का निर्माण कर सको। अपना निर्माण आपको हर प्रकार से करना होगा। अपने शरीर को स्वस्थ रखो। स्वस्थ रहिये ताकि देश सेवा में लग सकें। दिमाग को चतुर बनाइये। बदलते दौर में अपने दिमाग को तेज बनाइये। उसका सृजनात्मक प्रयोग लगातार कीजिए, सीखिये जितना कुछ हो सके। सीखने की कोई उम्र नहीं होती, मैं आज तक सीखता ही जा रहा हूं। जहां से अच्छे विचार आएं, हमें सीखना चाहिए। शरीर को बनाइये, मस्तिष्क को बनाइये। डॉ. कर्णसिंह ने कहा कि सुंदर विचारों से ओतप्रोत सृजनात्मक मस्तिष्क के साथ मजबूत बनिये और नया देश बनाइये। घृणा, गुस्सा, दुश्मनी द्वेश बढ़ते जा रहे हैं जो हमारे समाज के लिए अच्छे नहीं है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत विविधताओं का देश है फिर भी उसमें एकता है। हमें यह एकता कायम रखती है। मेरी उम्र स्वतंत्र भारत से ज्यादा है। किस प्रकार से आजादी से पहले घृणा, नफरत, अलगाववाद की बातें चलीं व अंत में तीन हिस्से भारतवर्ष के हो गए, लाखों लोग बेघर हो गए। ये होता है परिणाम घृणा का।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाराजा डॉ. कर्णसिंह, चेयरपर्सन कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, मंत्री महेन्द्र सिंह आगरिया, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, अध्यक्ष डॉ. चेतन सिंह चौहान, रजिस्ट्रार डॉ. एन.एन. सिंह द्वारा पंडित प्रो. परमानंद भारद्वाज के मंत्रोच्चारण के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजली एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अध्यक्षता करते हुए विवि के चेयरपर्सन कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि 1923 में वंचित वर्ग को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य से तात्कालीन महाराज कुंवर भूपालसिंह ने नोबल्स विद्यालय की स्थापना की जिसे 2015 में राजस्थान सरकार ने विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक, सांस्कृतिक, वन शिविर, इंडस्ट्रियल विजिट, जन जागरूकता कार्यक्रम, नॉलेज शेयरिंग आदि में हमारा विवि बेस्ट प्रैक्टिस के तहत एमओयू साझा कर रहा है। हमें गर्व है कि 90 प्रतिशत गोल्ड मेडल छात्राओं ने जीते हैं। पीएचडी धारक भी 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। सत्य यह है कि नारी संपूर्ण राष्ट्र को सही दिशा दिखा रही है। हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता में शिक्षक को सर्वोत्तम स्थान प्राप्त है।

समारोह से पूर्व अतिथियों द्वारा संस्थान परिसर में लगी भूपालसिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया, ततपश्चात एनसीसी केडेट्स द्वारा डॉ. कर्णसिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद विवि के परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार सेरेमोनियल रोबिंग हुई। चेयरपर्सन प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत द्वारा मुख्य अतिथियों का औपचारिक स्वागत एवं समारोह की आधिकारिक घोषणा के बाद दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान की गई। डॉ. महेंद्र सिंह ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एमपीयूटी के कुलपति प्रो. अजित कुमार कर्नाटक, आईपीएस डॉ. विष्णुकांत, आईएस शक्ति सिंह राठौड़, डॉ. चेतना भाटी, सीकर जिला प्रमुख गायत्री राठौड़, वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील कुमार, पूर्व विधायक त्रिलोक पुर्बिया, प्रो. एकलिंग सिंह, प्रो. जरियाव सिंह, राजेन्द्र सिंह, शक्ति सिंह, डॉ. युवराज सिंह, नवल सिंह जुड, नकुल सिंह, कमलेश्वर सिंह, भंवर सिंह चौहान, सुरेन्द्र प्रताप सिंह शक्तावत, करण सिंह चुण्डात, महेन्द्र सिंह चुण्डावत, पुष्पेन्द्र सिंह शक्तावत, राजेन्द्र सिंह राणावत, कुलदीप सिंह चुण्डावत, महेन्द्र सिंह पाटिया पीजीडीन डॉ. प्रेम सिंह रावलोत, डॉ. रेणु राठौड, डॉ. रितु तोमर, डॉ. रजनी अरोडा, भानु प्रताप सिंह सहित संस्थान के डीन, डायरेक्टर सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जैसलमेर में शहीद जयसिंह भाटी की प्रतिमा का अनावरण किया

शहीद जयसिंह भाटी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर हुआ।

- उपकमांडेंट जयसिंह भाटी ने 27 मार्च 1996 को कश्मीर के सोपोर में आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए प्राण त्याग दिये थे
- जयसिंह भाटी के नाम पर सीमा सुरक्षा बल ने एक सीमांत चौकी का नाम ''जय'' रखा है तथा गुवाहाटी (असम) की एक सड़क का नाम शहीद जयसिंह के नाम किया है

जैसलमेर, (निसं)। शहीद जयसिंह भाटी के 29वें बलिदान दिवस पर शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर आदमकद प्रतिमा का अनावरण हुआ। सेना की ओर से शहीद को सलामी दी गई।

समारोह में ख्याला मठ महंत गोरखनाथ, सीसुब महानिरीक्षक योगेंद्रसिंह, पूर्व विधायक जितेंद्रसिंह भाटी, रूपाराम धनदे, समाजसेवी सुनीता भाटी, जिला प्रमुख प्रतापसिंह, पूर्व सांसद मानवेन्द्रसिंह, विधायक छोटूसिंह भाटी, स्वामी प्रतापपुरी, रविन्द्रसिंह भाटी, पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल, कलेक्टर प्रतापसिंह, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, निर्वतमान सभापति हरिवललभ कल्ला, एडवोकेट सवाईसिंह देवड़ा, जितेंद्रसिंह भाटी पूनमनगर, मदनसिंह राजमथाई, आयुक्त लजपालसिंह सोढा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। शहीद जयसिंह भाटी के 29वें बलिदान दिवस पर शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर आदमकद प्रतिमा के अनावरण के दौरान जीवनलाल दलाल को जयसिंह स्मारक बनाने के लिए बेस्ट ठेकेदार के रूप में छोटूसिंह भाटी और मानवेंद्रसिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले के सभी समाजों के लोगों सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जानकारी के अनुसार शहीद जयसिंह भाटी जैसलमेर के दक्षिणी बसियां गांव देवड़ा के निवासी थे। सीमा सुरक्षा बल में उपकमांडेंट पद पर रहते हुए 27 मार्च 1996 को कश्मीर के सोपोर में आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए प्राण त्याग दिये थे। उनके अदम्य साहस, पराक्रम व शौर्य को देखते हुए तत्कालीन भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपति पुलिस पदक से नवाजा गया था। उनके नाम पर सीमा सुरक्षा बल ने एक सीमांत चौकी का नाम ''जय'' रखा है तथा उनकी 42 वीं बटालियन द्वारा गुवाहाटी (असम) की एक सड़क का नाम शहीद जयसिंह के नाम किया गया है।

भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ की चुनौतियां कम नहीं हो रही

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ की चुनौतियां कम नहीं हो रही हैं। सीमा पार पाकिस्तान में इन दिनों 12 हेरोइन तस्कर सक्रिय हैं। छह पंखों वाले ड्रोन ऑपरेट कर रहे हैं जो ज्यादा वजन और दूरी तय करने में सक्षम है।

बीएसएफ की इंद्रजीत सीमा चौकी एरिया में 3.127 किलोग्राम हेरोइन और संदिग्ध बाइक जब्त की गई थी। बीएसएफ की जी ब्रांच के पास इसका इनपुट पहले से ही था, जिसे लेकर सर्विलांस सिस्टम को सक्रिय कर दिया गया था। दरअसल हेरोइन की यह खेप भेजने वाला पाक तस्कर नाजिर बताया जा रहा है। बीकानेर बॉर्डर के सामने इस धंधे में इसकी नई एंट्री है। पहली बार में ही इसने 15 करोड़ की हेरोइन भेजी, लेकिन बीएसएफ जी ब्रांच की सक्रियता के कारण पंजाब के तस्करों के हाथ नहीं लग सकी। हेरोइन के पैकेट पर कोड वर्ड में एन और शेर की मुहर है। पंजाब तस्करों के लिए इस बात का संकेत है कि माल नाजिर ने भेजा है।

सूत्रों का कहना है कि बीकानेर के सामने पाकिस्तान के बहावलपुर और श्रीगंगानगर के सामने भावलनगर एरिया में इन दिनों 12 हेरोइन तस्कर सक्रिय हैं। इनका सरगना मलिक चौधरी है, जिसने 2021 में बंदली सीमा चौकी पर करीब 300 करोड़ की हेरोइन पाइप के जरिए भेजी थी। दूसरे सरगना को महार नाम से जाना जाता है। अन्य पाक तस्कर इरफान, राजा, चाचा आदि इनके गुर्गे हैं। इनके नाम का पहला अक्षर ही इनका कोडवर्ड होता है। सीमा पार से यह तस्कर आए दिन ड्रोन से हेरोइन भेज रहे हैं, लेकिन हर बार माल पकड़ा नहीं जाता। सूत्रों का यहां तक कहना है कि इस धंधे में ईमानदारी इतनी है कि गलती से किसी दूसरे तस्कर को पैकेट हाथ लग जाए तो उसे उसके असली खरीददार तक पहुंचाता है।

बीएसएफ बीकानेर सेक्टर के 165 किलोमीटर बॉर्डर पर पिछले पांच साल में हेरोइन तस्करी की 14 वारदातें हो चुकी हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा चार घटनाएं नेमीचंद बीओपी एरिया में हुई हैं। बॉर्डर पर बीएसएफ की बंदली, संग्रामपुर, केके टिब्बा, भगत, भागीरथी, दीपामाला, मानसरोवर, हिमगिरी, सखी और इंद्रजीत बीओपी पाक तस्करों को टारगेट एरिया बनी हुई हैं। पंजाब के तस्करों से वर्चुअल कॉल पर सेटिंग होने के बाद लोकेशन शेयर करने पर ड्रोन से पार्सल भेजे जाते हैं। ड्रोन जीपीएस कनेक्टेड होने के कारण हवा में करीब एक किमी ऊपर से पार्सल मैदानी इलाके में गिरा कर लौट जाता है। बीओपी से ढाई-तीन किमी की दूरी होने के कारण आम तौर पर बीएसएफ को इसकी भनक नहीं लग पाती। बॉर्डर इलाके के स्थानीय बेरोजगार और बदमाश प्रवृति के युवाओं को पैसे का लालच देकर पंजाब के तस्कर पार्सल उठवाते हैं। बॉर्डर पर आम तौर पर चार पंखे वाले ड्रोन का उपयोग हेरोइन भेजने में किया जा रहा है। यह कीमत में सस्ते होते हैं। गिर भी जाएं तो ज्यादा नुकसान नहीं होता। अब पता चला है कि पाक तस्कर छह पंखों वाले ड्रोन भी उड़ाने लगे हैं। हालांकि इसे अब तक ट्रेस नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह ड्रोन ज्यादा वजन ले जाने और दस किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है।

सचिव व बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा कार्रवाई करते हुए संतोष कुमार सचिव एवं मोहित कुमार बाबू डीपीएम एसटीसी कॉलेज हलेना में 15 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी की उपस्थिति कम दिखाकर उक्त उपस्थिति को पूर्ण करने व स्कॉलरशिप दिलाने के एवज में 25,500 रूपये रिश्वत की मांग रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है, जिस पर एसीबी रेंज भरतपुर के उप महानिरीक्षक राजेश सिंह के सुपरविजन में एसीबी चौकी भरतपुर के अमित सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आरोपी संतोष कुमार सचिव एवं मोहित कुमार बाबू डीपीएम एसटीसी कॉलेज में 15 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत अजमेर में अंत्योदय कल्याण समारोह आयोजित

जिला स्तरीय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया।

- डबल इंजन की सरकार के माध्यम से जनहित के कार्यों की गति को बढ़ावा मिला है : दिया कुमारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अन्तर्गत गुरूवार को अंत्योदय कल्याण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से संबोधित किया। वीसी के माध्यम से सीधा प्रसारण डॉ. भीमराव अंबेडकर मेडिकल कॉलेज सभागार में किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभान्वित किया गया।

जिला स्तरीय समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि भारत को विश्व पटल पर पहचान मिली है। दुनियाभर में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत बनाने के ध्येय को लेकर प्रतिबद्ध है। विकसित भारत की संकल्पना जल्द पूर्ण होगी। इसे पूर्ण करने में सरकार और समाज एक साथ लगे हुए हैं। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि केन्द्र के साथ-साथ राज्य सरकार भी देश को आगे बढ़ाने में लगी हुई है। राज्य सरकार राज्य को देश में अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए शिक्षा, सड़कें, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को केन्द्र में रखकर कार्य किया है। गत एक वर्ष में आमजन से जुड़े कार्य किए गए हैं। प्रत्येक क्षेत्र में विकास किया जा रहा है। राज्य में मूलभूत सुविधाओं का वृहद स्तर पर विस्तार हुआ है। डबल इंजन की सरकार के माध्यम से जनहित के कार्यों की गति को बढ़ावा मिला। इससे गरीब वर्ग के जीवन में बदलाव आया है। आज के अन्त्योदय कल्याण समारोह के माध्यम से अन्तिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया गया।

जिला कलेक्टर लोक बन्धु ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाभार्थियों को लाभांवित किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से 46 दृष्टिबाधित दिव्यांगों को स्मार्ट फोन वितरित किए गए। श्रवणबाधित 10 विद्यार्थियों को श्रवणयंत्र दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत 5 लाभार्थियों को अगली किस्त जारी की गई। जिला परिषद के माध्यम से स्वामित्व योजना के अन्तर्गत 14 लाभार्थियों को प्रापर्टी पार्सल पट्टे दिए गए। श्रम विभाग की योजनाओं से लाभांवित 4 व्यक्तियों को प्रतिकात्मक चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, विधायक अनिता भदेल एवं विरेन्द्र सिंह कानावत, उपमहापौर नीरज जैन, पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, अध्यक्ष जीतमल प्रजापत एवं रमेश सोनी, यूआईटी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेश जैन, भारती श्रीवास्तव, अर्जुनसिंह रावत सहित अन्य मौजूद रहे।

फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। चेचट पुलिस टीम ने मादक पदार्थ मामले में दो साल से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 15 मई 2023 को मंडाना पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए कार में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा 213 किलोग्राम सहित आरोपी भागीरथ को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया था। पकड़े गये आरोपी भागीरथ ने चेचट पुलिस द्वारा किये गये अनुसंधान में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जिला मंदसौर के सुरजना जुना निवासी गोविन्द सिंह से लाना बताया तभी से आरोपी गोविन्द सिंह फरार चल रहा था। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिये चेचट थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। एसपी ने बताया कि गठित टीम ने दो साल से फरार चल रहे आरोपी की तलाश के लिये जगह-जगह दबिश दी और कार्यवाही करते हुए जिला मंदसौर के सुरजान जुना निवासी गोविंद सिंह को कोटा से डिटेन कर गिरफ्तार किया।

थ्रेसर मशीन से हाथ कटकर अलग हुआ था, 45 लाख देने होंगे

सांभरझील, (निसं)। ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से काम करने वाले पीड़ित की ट्रैक्टर की थ्रेसर मशीन से दाहिना हाथ कटकर अलग होने के दुर्घटना के मामले में सैशन न्यायाधीश अरविंद कुमार जांगिड़ ने मोटर दुर्घटना वाद प्रकरण की सुनवाई करते हुए पीड़ित को 44 लाख 88 हजार की क्षतिपूर्ति राशि अदा किए जाने हेतु बीमा कंपनी को 3 सितंबर 2022 से वसूली तक 9 प्रतिशत वार्षिक दर से साधारण ब्याज ज्यादा करने की आदेश दिए हैं।

प्रार्थी पीड़ित के अधिवक्ता सुरेंद्र परिहार ने न्यायालय को बताया कि ट्रैक्टर में लगी थ्रेशर मशीन को चालक द्वारा अचानक गफलत व लापरवाही से चालू कर दिया जिसके कारण प्रार्थी का दाहिना हाथ कटकर अलग हो गया था। पीड़ित जगदीश प्रसाद पुत्र छोटूराम निवासी पणिहारी थाना फुलेला जिला जयपुर का रहने वाला है, इस मामले में उसकी ओर से फुलेरा थाने में मुकदमा दर्ज भी कराया गया था। प्रार्थी जगदीश प्रसाद को उसके बचत खाते में 24 लाख 88 हजार रुपए मय ब्याज सावधि जमा राशि 20 लाख रुपए मय ब्याज 3 वर्षीय अवधि के लिए विभाजित करने के न्यायालय ने बीमा कंपनी को आदेशित किया है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट विदेश भेजकर लाखों कमाये, एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट विदेश भेजकर लाखों रुपए कमाए। इस पैसे को महंगे होटलों में मौज-मस्ती और लड़कियों पर खर्च करता। पुलिस जब चेकिंग के लिए एक होटल में पहुंची तो संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने चौंकाने वाला खुलासा किया।

श्रीगंगानगर एसपी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने केसरीसिंहपुर निवासी सौरभ मेहरा (22) को गिरफ्तार किया है। मोबाइल की तलाशी और पूछताछ करने पर आरोपी की पूरी कहानी सामने आ गई। युवक इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए पोर्नोग्राफिक सामग्री के लिंक मंगवाता था। इन लिंक को विदेशी ग्राहकों को भेजकर डॉलर में पेमेंट लेता था। भुगतान के लिए पेपैल का इस्तेमाल करता था। एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी सौरभ मेहरा श्रीगंगानगर में एक होटल में ठहरा हुआ था। पुरानी आबादी थाना प्रभारी ज्योति नायक होटलों की चेकिंग पर निकली थी। एक होटल में पहुंचे तो युवक की गतिविधि संदिग्ध लगी। थाना प्रभारी को शक हुआ तो उसके मोबाइल की जांच की गई तो उसमें कुछ ट्रांजैक्शन चल रहे थे। इस बारे में पूछा तो युवक सही जवाब नहीं दे पाया। पुलिस युवक को थाने ले आई। एसपी ने बताया कि आरोपी सौरभ टेलीग्राम पर 'मेगा लिंक्स' नाम से आईडी बनाकर विदेशी ग्राहकों को चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट भेजता था। आरोपी अपने मोबाइल से यह काम करता था। वह इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए अश्लील सामग्री के लिंक मंगवाता था।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी विदेशी ग्राहकों को ये लिंक भेजकर डॉलर में पेमेंट लेता था। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है। उसके खिलाफ आईटी और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि आरोपी सौरभ मेहरा ने इंस्टाग्राम पर 'पेज सेलर' के नाम से पेज आईडी बनाई, उस पर अश्लील सामग्री के लिए अंतरराष्ट्रीय लोगों को जोड़ता था। जिसके बाद वह उन्हें लिंक भेजता था। शुरुआती जांच में पता चला है कि बाद में इंस्टाग्राम से इस पेज आईडी को हटा दिया, लेकिन तब तक आरोपी के पेज पर कई विदेशी और राज्य के लोग जुड़ चुके थे।

पुरानी आबादी थाना प्रभारी ज्योति नायक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवक जिन देशों में पोर्नोग्राफी प्रतिबंधित नहीं है, वहां के लोगों से संपर्क कर उन्हें पैसे भेजता था और वहां से भी पोर्नोग्राफी सामग्री मंगवाता था। अब तक उसने कितने लोगों से पैसे ऐंठे, उसे खुद भी याद नहीं है। आरोपी पिछले 2 साल से यह पोर्नोग्राफी लिंक भेज रहा था। युवक की इस हरकत की जानकारी परिजनों को नहीं थी।

हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। महावीर नगर पुलिस टीम ने महावीर नगर इलाके में पेट्रोल पम्प कर्मचारियों के ऊपर किये गये हमले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

महावीर नगर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि 22 मार्च को फरियादी ने रिपोर्ट दी थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि मोटरसाईकिल सवार ने उसके एक साथी कर्मचारी शंभु सिंह से 99 रूपये का पेट्रोल बाइक में डलवाया और उससे एक रूपया मांग रहा था। जिस पर उसने व शंभूसिंह ने उसको एक रूपया नहीं होने की बात कहकर 10 रूपये दिये जिस पर उसने उनसे अपशब्द बोले और विवाद होने पर अपने अन्य साथियों को मौके पर बुलाकर उन दोनों पर हमला कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मुगेना निवासी महेन्द्र कुमार मीना और रंगबाड़ी निवासी भुपेन्द्र मीना को गिरफ्तार किया।

हत्या के प्रयास में तीन माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस को देख आरोपी ने भागने का प्रयास किया

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने हत्या के प्रयास में तीन माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया और इस प्रयास के दौरान आरोपी फॉरलेन पुलिया से कूदा जिससे उसके पांव में भी चोट लगी। पुलिस टीम ने आरोपी का पीछा कर आरोपी को दस्तयाब कर इलाज कराकर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि फरियादी ने 2 जनवरी को अनंतपुरा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसके भाई अजीत पर तुल्लापुरा निवासी वीरेन्द्र उर्फ बिन्दा ने जान से मारने की नियत से चाकू से हमला किया। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिये अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि टीम को फरार चल रहे आरोपी की झालावाड़ रोड़ कर्णेश्वर महादेव मंदिर की तरफ होने की सूचना मिली। शहर एसपी ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, पुलिस टीम को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया और फॉरलेन पुलिया से कूद गया जिसका पीछा कर पुलिस टीम ने आरोपी को दस्तयाब कर उसका इलाज कराकर प्रकरण में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी रेलवे कॉलोनी थाने का शातिर हार्डकोर अपराधी है। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

ट्रैक्टर चोर गिरफ्तार : कोटा के अनंतपुरा पुलिस टीम ने ट्रैक्टर चोरी के एक वर्ष पुराने प्रकरण का खुलासा करते हुए ट्रैक्टर चुराने वाले वांछित चल रहे चोर को गिरफ्तार किया है। अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह ने बताया कि दादाबाड़ी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मोटरसाईकिल चोरी की फिराक में घूम रहे एक व्यक्ति को संदेह होने पर डिटेन कर थाने लाकर पूछताछ की गई तो व्यक्ति धनेश्वर निवासी विनोद कुमार ने पूछताछ में अनंतपुरा में ट्रैक्टर चोरी की वारदात को करना स्वीकार किया। पूछताछ के बाद आरोपी विनोद को गिरफ्तार कर अनंतपुरा पुलिस को सौंपा। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ व सीसीटीवी फुटैज के आधार पर ट्रैक्टर चोरी के एक वर्ष पुराने प्रकरण का खुलासा कर विनोद कुमार को गिरफ्तार किया गया।

लाखों के जेवर लेकर पुत्र के साथ विवाहिता लापता

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने गुरुवार को ग्रामीण क्षेत्र के एक व्यक्ति की रिपोर्ट पर 30 वर्षीय विवाहिता द्वारा घर से ससुराल जाने की कहकर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात सहित अपने॰आठ वर्षीय पुत्र को साथ लेकर लापता होने पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि थाने में एक व्यक्ति ने गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 25 मार्च को उसकी 30 वर्षीय बहन अपने 8 वर्षीय पुत्र को लेकर अपने गाँव से अपनी ससुराल जाने के लिए घर से निकली थी, जो शाम तक अपनी ससुराल नहीं पहुंची। उन्होंने अपनी बहन के ससुराल व अपनी समस्त रिश्तेदारियों तथा जान पहचान वालों से उसके बारे में काफी पूछताछ की परन्तु आज तक उसका कोई पता नहीं लग पाया है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अयाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी टोपीदार बंदूक सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध हथियारों की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ के लिये लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि इटावा वृताधिकारी शिवम् जोशी के सुपरविजन एवं अयाना थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी उम्मेद सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि अयाना थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी उम्मेद सिंह ने मय जाप्ता इलाके में कार्रवाई करते हुए एक जने से अवैध देशी टोपीदार बंदूक बरामद की। पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए रूण्डी गांव थाना अयाना निवासी मुकेश (42) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अवैध हथियार के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

अवैध खनन का विरोध करने पर खनन माफिया ने ग्रामीणों को धमकाया

आक्रोशित ग्रामीणों ने मांडलगढ़ में पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगाई

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में बिजौलियां थाना क्षेत्र के नयानगर में ग्रामीणों पर खनन माफिया और पुलिस की दबंगई का मामला सामने आया है। खनन माफिया और पुलिस पर महिलाओं व ग्रामीणों ने मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने मांडलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और मांडलगढ़ थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस जतिन जैन व डीएसपी बाबूलाल विश्नोई को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

नयानगर में अवैध खनन बन्द करने की मांग लेकर पहुंचे आक्रोशित ग्रामीणों ने डीएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

- ज्ञापन में खनन माफिया और पुलिस पर महिलाओं व ग्रामीणों ने मारपीट का आरोप लगाया

ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया कि नया नगर की सरकारी भूमि खसरा नम्बर 124 के करीब पांच बीघा हिस्से में नागपाल बंजारा और इसके गिरोह के लोग बीते 2 माह से करोड़ों रूपये के सेंड स्टोन का अवैध खनन चोरी कर लिया है, जब ग्रामीणों ने उक्त अवैध खनन की प्रशासन के अधिकारियों और पुलिस को शिकायत की तो खनन माफिया के लोगों ने ग्रामीणों को हथियारों के दम पर गांव की महिलाओं को जातिसूचक गाली-गलौच की और कुछ युवकों व ग्रामीणों के साथ मारपीट कर धमकाया गया। ज्ञापन में बताया कि खनन माफिया के इशारे पर बिजौलियां थाने के पुलिसकर्मियों ने गांव के कई लोगों को जबरन थाने में लाकर बंद कर दिया, पुलिस ने शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाकर धमकाया।

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध खनन की शिकायत बिजौलियां उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और खनिज विभाग को कई बार की गई, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जबकि आज से तीन साल पूर्व इसी सरकारी भूमि में खनिज विभाग ने अवैध खनन का पंचनामा बनाया था।

नया नगर की सरकारी भूमि में खनन नियमों को ताक में रखकर काफी गहराई तक धड़ल्ले से सेंडस्टोन का अवैध खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन माफिया को राजनीतिक संरक्षण होने के कारण पुलिस और प्रशासन कार्रवाई करने से कतरा रहा है। इस मामले को लेकर नयानगर की महिलाओं में मोहनी देवी भील, नंदू देवी भील, गुलाबी देवी भील, प्रेम देवी भील व लादी बाई भील ने प्रोबेशनर आईपीएस जतिन जैन को नागपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने ओर न्याय की गुहार लगाई है। उधर खनिज विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बताया कि ग्रामीणों की शिकायत मिलने पर मौक़े पर जाकर वैध या अवैध खनन की जांच की जाएगी।

बिजौलियां थानाधिकारी ने बताया कि नागपाल बंजारा वैध खदान पर कुछ युवकों ने जाकर हंगामा करने की शिकायत पर कुछ चिन्हित युवकों को पूछताछ के लिए थाने लाया गया था और कुछ युवकों को पाबंद भी किया गया है। शिकायत में पुलिस पर लगाए गए आरोप निराधार हैं।

भारतीय जाली मुद्रा सप्लाई मामले में एक गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। भारतीय जाली नोट सप्लाई करने के मामले में पुलिस थाना जोबनेर ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए युवक से पुलिस ने 100 रुपए के 21 जाली नोट भी जब्त किए हैं।

थाना अधिकारी जोबनेर सुहेल खान के नेतृत्व में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। आनन्द शर्मा उप महानिरीक्षक पुलिस सह-पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया है कि जिले में अवैध गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ व भारतीय जाली नोट छापने वाले गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने हेतु सभी पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए गए थे। कार्रवाई करने हेतु जिले के समस्त थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया था। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जो अभी आसलपुर से पहले एक दुकानदार से 100 रुपये के जाली नोट का सामान खरीद कर आसलपुर फाटक की तरफ पैदल भाग गया है, जिसके पास काफी मात्रा में जाली नोट हो सकते हैं। सूचना पर पुलिस टीम आसलपुर फाटक से करीब 100-200 मीटर पहले जोबनेर रोड़ पर पंहुची और नाकाबंदी कर एक व्यक्ति अशोक कुमार बलाई पुत्र स्व. श्रवणलाल बलाई निवासी लालासर बावड़ी थाना रेनवाल जिला जयपुर के कब्जे से 100-100 रुपये के 21 भारतीय जाली नोट जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और इसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है। आरोपी ने इससे पूर्व भारतीय जाली मुद्रा किन-किन व्यक्तियों को, किन-किन स्थानों पर और कितनी मात्रा में कूटरचित भारतीय मुद्रा सप्लाई की है। साथ ही इसके गिरोह में अन्य कौन-कौन अपराधी शामिल हैं, इस संबंध में भी पूछताछ जारी है।

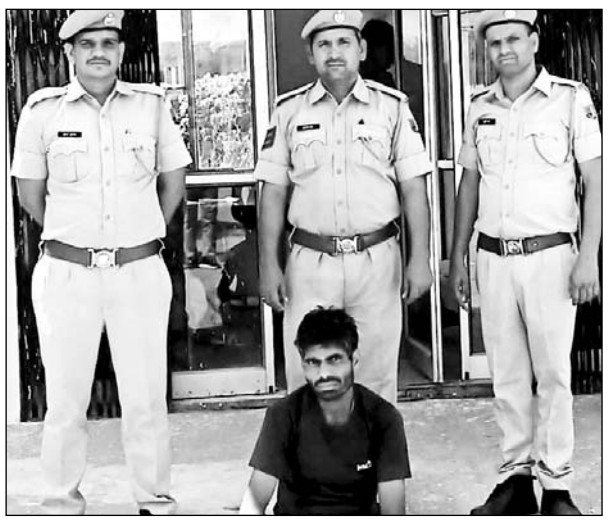

जोबनेर थाना पुलिस ने भारतीय जाली नोट सप्लाई करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 100-100 रुपये के 21 जाली नोट जब्त किये

पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का विस्तार होगा

पावटा, (निसं)। कोटपुतली-बहरोड़ जिले की पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का विस्तार किया जा रहा है, जिसके तहत राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए वर्तमान सीमा क्षेत्र में छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने की अधिसूचना जारी हुई है। इस निर्णय के बाद पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का क्षेत्रफल बढ़ेगा और अधिक गांवों को शहरी सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

- वर्तमान सीमा क्षेत्र में छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने की अधिसूचना जारी हुई
- नगर पालिका क्षेत्र में विस्तार के बाद इन गांवों में लोगों को शहरी विकास योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा

नगरपालिका के नवीन सीमा विस्तार में ग्राम पंचायत जोधपुरा का राजस्व गांव जोधपुरा, कल्याणपुरा, किरारोड गांव का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। ग्राम पंचायत बड़नगर के अंतर्गत राजस्व गांव बड़नगर, अम्बेडकर नगर, अवधपुरी, दूल्हेसिंह का बास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र आएगा। ग्राम पंचायत लाडाकाबास इसमें राजस्व गांव लाडाकाबास, अहीर की बावड़ी, झीडागढ़ का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल किया जाएगा। ग्राम पंचायत खेलना इसके अंतर्गत राजस्व गांव खेलना, गंगुपुरा का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। वही ग्राम पंचायत भांकरी का राजस्व ग्राम भांकरी का संपूर्ण सीमा क्षेत्र, ग्राम पंचायत चौबाला का राजस्व ग्राम दादाकाबास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र, ग्राम पंचायत वीर तेजाजी नगर का राजस्व ग्राम भोजाकाबास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। नगर पालिका क्षेत्र में विस्तार के बाद इन गांवों में शहरी विकास योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। स्वच्छता, जल निकासी, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। इसके अलावा, इन क्षेत्रों में मकानों, व्यावसायिक परिसरों और अन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास होगा।

प्रशासन का कहना है कि नगर पालिका क्षेत्र के विस्तार से क्षेत्र के लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। विस्तार के बाद नए क्षेत्रों में नगरपालिका की ओर से विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका का विस्तार कर छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने पर जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने विधायक कुलदीप धनकड का आभार जताया।

नये शिक्षा सत्र में चार हजार स्कूलों को प्रिंसिपल मिलेंगे

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ ही राजस्थान के चार हजार स्कूलों को प्रिंसिपल मिल जाएंगे। इस पोस्टिंग के साथ ही बड़ी संख्या में प्रिंसिपल इधर-उधर हो सकते हैं। फिलहाल रिक्त पदों पर काउंसलिंग करने के लिए शिक्षा विभाग ने मेरिट जारी करते हुए इस पर आपत्ति मांगी है। इसके बाद काउंसलिंग कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

- इस पोस्टिंग के साथ ही बड़ी संख्या में प्रिंसिपल इधर-उधर हो सकते हैं

जानकारी के अनुसार साल 2012-13 से साल 2021-22 तक के रिक्त पदों पर शिक्षा विभाग ने शेष रही पदोन्नति कर दी है। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में इन 10 सालों की रिव्यू डीपीसी की गई। इसके अलावा साल 2023-24 की मूल डीपीसी करते हुए चार हजार 55 प्रिंसिपल का चयन किया गया है। पूर्व में पदोन्नति के साथ ही इन प्रिंसिपल को उसी स्कूल में पदस्थापित कर दिया गया था, जहां ये पहले से काम कर रहे थे। स्कूलों में पढ़ाई को प्रभावित होने से बचाने के लिए एकबारगी ऐसा पदस्थापन हुआ था। अब विभागीय नियमों के तहत ऑनलाइन काउंसलिंग की जाएगी। शिक्षा विभाग ने 28 मार्च तक मेरिट पर आपत्ति मांगी है। इसके बाद ऑनलाइन काउंसलिंग कार्यक्रम जारी किया जाएगा। सभी चार हजार 55 प्रिंसिपल को अपनी इच्छानुसार स्कूल में जाने का अवसर दिया जाएगा। हर स्कूल में एक प्रिंसिपल होता है। ऐसे में एक ही स्कूल के लिए दो या इससे ज्यादा आवेदन होने पर मेरिट नियमों के तहत पोस्टिंग दी जाएगी। हर प्रिंसिपल को अपने निर्धारित विकल्प देने होंगे। हर बार की तरह दिव्यांग और महिला कैंडिडेट्स को प्राथमिकता देते हुए शहर या शहर के आस-पास पोस्टिंग मिलेगी। रिव्यू डीपीसी में कुछ प्रिंसिपल तो अब रिटायर हो चुके हैं। ऐसे में उनको काउंसलिंग में शामिल नहीं किया जाएगा।

रिफाइनरी में तीन दिन से तेंदुए की दहशत

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा की रिफाइनरी में पिछले तीन दिनों से तेंदुए की दहशत बनी हुई है। वन विभाग की कई टीमें लगातार प्रयास कर रही है कि तेंदुए को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से पकड़कर एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके। मंगलवार शाम चार बजे के बाद से तेंदुए का लगातार मूवमेंट देखा गया है। कई बार तेंदुआ सीसीटीवी में भी कैद हुआ है। तेंदुआ मशीनरी और स्ट्रक्चर के पीछे लुकाछिपी कर रहा है, जिससे उसे पकड़ना मुश्किल हो रहा है। जोधपुर, बालोतरा और बाडमेर की पांच टीमें मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तेंदुए को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही तेंदुए को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से पकड़ लिया जाएगा और उसे एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाएगा।

विवाहिता की मौत

निवाई, (निसं)। गांव थली की ढाणी सीदड़ा में एक विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। सूचना पर थाना अधिकारी रामजीलाल बैरवा पुलिस जाप्ते के साथ ढाणी में पहुंचे और विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर एंबुलेंस की सहायता से मृतका के शव को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया।

थानाधिकारी बैरवा ने बताया कि मृतका की पहचान प्रियंका (23) पत्नी पप्पूलाल मीणा के रूप में हुई। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि मृतका के पिता गिर्राज मीणा निवासी रामनगर खेड़ी तहसील रामगढ़, जिला दौसा ने मामला दर्ज करवाया कि वर्ष 2022 में उसकी पुत्री का विवाह गांव थली की ढाणी सीदड़ा निवासी पप्पूलाल मीणा के साथ हुआ था।

कई वर्षों से आश्रम में रह रहे दो लावारिस बांग्लादेशी निकले

सूरतगढ़, (कासं)। रेलवे स्टेशन पर सात साल और तीन साल पहले मिले दो लावारिस और मंद्बुद्धि व्यक्ति जांच में बांग्लादेशी निकले। इन दोनों को एक आश्रम में रखा गया था। दोनों ने बातों ही बातों में अपने गांव का नाम और अन्य जानकारी दी, जिसके बाद आश्रम के सेवादारों ने बुधवार शाम को परिजनों से कॉन्टैक्ट करने के लिए पता गूगल मैप में डाला तो दोनों की लोकेशन बांग्लादेश में निकली। सेवादारों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस और इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने दोनों से पूछताछ की और बाद में श्रीगंगानगर मुख्यालय पर जेआईसी को सौंप दिया।

- पुलिस और इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने दोनों से पूछताछ की

सबइंस्पेक्टर सोहन लाल ने बताया कि सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर वर्ष 2018 में लावारिस हालत में मिले एक व्यक्ति को नेशनल हाईवे-62 स्थित पालीवाला के हरप्रभ आश्रम में छोड़ा गया था। इसी तरह वर्ष 2022 में भी रेलवे स्टेशन पर लावारिस हालत में मिले एक और व्यक्ति को भी आश्रम में भिजवाया गया था। आश्रम में रहते हुए दोनों की सेवादारों के साथ अच्छी जान-पहचान हो गई। ऐसे में सेवादारों ने बातों-बातों में गांव और परिवार की बात की तो दोनों ने अपने गांव के नाम बता दिए। सेवादारों ने दोनों को उनके परिजनों को सौंपने के लिए जब गूगल पर उनके गांव के नाम सर्च किए तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। जिन गांवों के नाम दोनों लावारिसों ने बताए उनकी लोकेशन बांग्लादेश में होने की जानकारी मिली। इस पर आश्रम के सेवादारों ने मामले से सूरतगढ़ सदर थाना पुलिस को अवगत करवाया, जिस पर पुलिस जाप्ता तुरंत ही मौके पर पहुंच गया और दोनों को पूछताछ के लिए थाने ले आया।

पूछताछ में एक ने अपना नाम उज्जवल तुहीन खान (30) पुत्र बादल खान बताया। उसने अपने गांव का नाम सोनपुर, जिला पीरिसपुर बताया। दूसरे ने अपनी पहचान अमीरुल इस्लाम (40) पुत्र पीसू मोहम्मद बताई। उसने बताया कि वह मोहतपुर गांव के जिला ठाकुर का रहने वाला है। दोनों की जब लोकेशन गूगल पर डाली तो लोकेशन बांग्लादेश की मिली। पुलिस ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर में गुप्तचर एजेंसियों के हवाले कर दिया गया है। जहां दोनों से पूछताछ जारी है। इसके बाद इन्हें आगे डिपोर्टेशन सेंटर भेजा जा सकता है। एसपी गौरव यादव ने कहा- पूछताछ में प्रथम दृष्टया इनके बांग्लादेशी होने की जानकारी सामने आई है। उनके बताए गए नाम पते की उच्चाधिकारियों के स्तर पर आगे जांच करवाई जाएगी। इंटेलिजेंस पुलिस भी इनसे पूछताछ में जुटी है। पूरी पूछताछ के बाद ही मामले में कुछ कहा जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल आज भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार 28 मार्च को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा भीलवाड़ा में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दौरे की तैयारियों का अंतिम जायजा लेने हेतु जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु ने गुरुवार को चित्रकूट धाम में कार्यक्रम स्थल व एमएलवी कॉलेज में बनाए जा रहे अस्थाई हेलीपैड स्थल का जायजा लिया एवं तैयारियों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के पश्चात जिला कलेक्टर ने माणिक्यलाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में बनाये जा रहे हेलीपैड स्थल का भी जायजा लिया। राज्य स्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री प्रेमचंद बैरवा, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे, साथ ही विभिन्न योजनाओं के शुभारंभ और लाभार्थी लाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान महापौर राकेश पाठक, प्रशांत मेवाड़ा, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव, अति. कलेक्टर ओमप्रकाश मेहरा, ए. एसपी पारस, नगर विकास न्यास सचिव ललित गोयल, जिला परिषद सीईओ चंद्रभानसिंह, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान युवा बोर्ड
(युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार), सवाई मानसिंह स्टेडियम, प्रताप नगर, जयपुर टेलीफैक्स 0141-2741489

क्रमांक : प. 1(37)रायुबो/2022/पार्ट II-2025 जयपुर, दिनांक :- 26/03/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 08/2024-25 भोजन एवं आवास व्यवस्था

राज्य सरकार के निर्णय के अध्ययधीन एक वर्ष की अवधि के लिए राजस्थान प्रदेश के 100 युवक-युवतियों के लिए दिल्ली में विभिन्न कोचिंग एवं कैरियर काउन्सलिंग हेतु युवाओं को भोजन एवं आवास की वैकल्पिक सुविधा देने हेतु दक्ष, प्रतिष्ठित व अनुभवी फर्म/संस्था/कम्पनी से निर्धारित प्रपत्र में अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 08/2024-25, दिनांक 26.03.2025 से 07.04.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संबंधित पूर्ण विवरण राजस्थान युवा बोर्ड, जयपुर की वेबसाईट www.youthboard.rajasthan.gov.in एवं लोक उपापन पार्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code - RYB2425A0008, UBN No. - RYB2425SLOB00008

राज.संवाद/सी/24/14052 सदस्य सचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH.NO. 07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for construction and commissioning of handpump works under phed division karauli are invited from interested bidders up to 02.04.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE-PHE2425A5485

S.NO.	NIT NO.	UBN
1	170/2024-25	PHE2425WSOB12001
2	171/2024-25	PHE2425WSOB12002
01	Total work	02
02	Total Estimate Cost	100.00 Lac
03	Bid submission end date	01.04.2025 up to 06.00 PM
04	Bid opening date	02.04.2025 at 11.00 AM

(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
PHED Division Karauli

DIPR/C/4318/2025

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 09) /2025/ई-10649

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या- (ERCC/RCC 09)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसो व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क डी.एम.एफ.टी. आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 26 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/4275/2025 (दीपक तंवर) निदेशक

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन2-गानियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001

क्रमांक-F.32(B)(1)((After Policy-2025-24)EX/L/2025-04359/1603 दिनांक-27.03.2025

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु संशोधित ई-निविदा आमंत्रण सूचना

इस कार्यालय की समसंख्यक विज्ञप्ति पत्रांक 1592 दिनांक 25.03.2025 में उल्लेखित सारणी के क्रम संख्या 1 से 3 तक में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाइन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 26.03.2025 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक-28.03.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक समय व स्थान	दिनांक 28.03.2025 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय

वर्ष 2025-26 हेतु मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र से संबंधित समस्त जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट https://excise.rajasthan.gov.in का अवलोकन करें। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

NIB-EXC2425A0201, UBN- EXC2425GLOB00191
अन्य सभी शर्तें यथावत रहेगी

(शिवप्रसाद नकाते)
आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/4443/2025

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC HELTH ENGINEERING DEPARTMENT
CIRCLE BEAWAR (KDISTRICT-BEAWARA), EMAIL:sephedbeawar@gmail.com

No.SE/CIRCLE BWR/2024-25/7540 **ONLIE NOTICE INVITING FOR TENDERS** Dated: 12.03.2025

Online tenders are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from enlisted contractors with to PHED Rajasthan and meeting eligibiliy criteria. The tender document can be downloaded from the web site http://eproc.rajasthan.gov.in in details od the tender notification and prequalification criteria can also seen in NIT exhibited on web site http://sppp.rajasthan.gov.in

NIT No.	Work Description	Estimated Cost (Rs.in Lacs)	Earnest Money (in Rs.) in favour of tender inviting authority	Tender Cost (in Rs.)in favour of tender inviting authority	Processing charges (in Rs) in favour of MD RISL, Jaipur	Period of Contract
24/24-25	Work of Providing Laying, Jointing and commissioning of Various size of Di/HDPE PIPE Line with allied works for various wss under rurisdiction of PHED Division Beawar on Annual Rate Contract Basis	200.00	4,00,000/-	2000/-	2000/-	12 Month
निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथी		12.03.2025 से 31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथी एवं समय		12.03.2025 से 31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी एवं समय		31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
प्री-क्वालीफिकेशन बिड खोलने की तिथी एवं समय		01.04.2025 दोपहर 02.00 बजे तक				

Earnest Money/Bid Security, Tender Document Cost, and RISL Charges shall be deposited through e-Challan over e-GRASS website online in Favour of Executive Engineer PHED Division Beawar (Office ID-11132) for NIT.

S.No.	Details	Budget Head	Deposited through online e-Challan over website e-GRASS
1	Earnest Money	8443-00-108-00-00 लोक निर्माण विभाग	In Favour of Executive Engineer, PHED Division Beawar
2	Tender Document Cost	0075-00-800-52-01 निविदा शुल्क की प्राप्तियां	(Office ID-11132)

DIPR/C/4278/2025 (SAMPATLAL JEENGER) SUPERINTENDING ENGINEER, PHED CIRCLE BEAWAR

हरियाणा निर्मित शराब बरामद, एक गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुरूवार को 17 कार्टन हरियाणा निर्मित शराब सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

राजगढ़ थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देशन के फलस्वरूप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ किशोरी लाल आरपीएस, सहायक पुलिस उप अधीक्षक राजगढ़ निश्चय प्रसाद एम आईपीएस के निकटतम सुपरविजन में थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग पुलिस निरीक्षक थाना अधिकारी पुलिस थाना राजगढ़ द्वारा मय टीम के आरोपी सुमेर सिंह पुत्र हीरा राम जाट निवासी भामासी पीएस राजगढ़ (चूरू) के घर पर छिपाई हुये 17 कार्टन में भरे 624 पव्वे हॉफ माल्टा देशी शराब हरियाणा निर्मित बरामद कर आरोपी सुमेर सिंह को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है। कार्यवाही में राजगढ़ थाना पुलिस टीम में राजेश कुमार सिहाग थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक, कुलदीप कांस्टेबल, सुरेश कुमार कांस्टेबल, कर्मपाल कांस्टेबल, इंद्र कुमार कांस्टेबल व अनिता महिला कांस्टेबल आदि शामिल रहे। कार्यवाही में सुरेश कुमार कांस्टेबल व कर्मपाल कांस्टेबल की विशेष भूमिका रही।

राजगढ़ थाना पुलिस ने गांव भामासी के अवैध शराब सहित एक जने को गिरफ्तार किया।

केमिकल चोरी और बिक्री मामले में दो जने गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। दुधवा खारा थाना पुलिस ने एजीटीएफ अपराध शाखा जयपुर टीम के निर्देशन पर सादुलपुर चूरू एनएच 52 पर स्थित होटल के पास बाड़े में केमिकल चोरी करने और बिक्री करने के आरोप में गुरूवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा केमिकल से भरे 54 प्लास्टिक ड्रम जब्त कर दो लाख से अधिक की नगद राशि भी बरामद की है। इसके अलावा पुलिस ने एक टैंकर सहित इलेक्ट्रॉनिक कांटा ज्वलनशील केमिकल निकालने के उपकरण पाइप मोटर भी जब्त की है।

- केमिकल से भरे 54 ड्रमों सहित टैंकर जब्त, दो लाख से अधिक की नगदी बरामद की

थाना अधिकारी हंसराज गुर्जर ने बताया कि केमिकल मामले पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली कि सादुलपुर-चूरू हाईवे पर एक होटल के पास एक बाड़े में अवैध ज्वलनशील पदार्थ केमिकल का कारोबार हो रहा है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक केमिकल से भरे टैंकर से ज्वलनशील पदार्थ निकालकर चोरी हो रहा है तथा दो व्यक्ति टैंकर पर ऊपर ढक्कन खोलकर पाइप लगाकर इलेक्ट्रिक मोटर से प्लास्टिक के ड्रमों में केमिकल भर रहे थे, जिनको हिदायत दी तथा दोनों को काबू कर नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम नजीर खान पुत्र हकीम खान निवासी मोयलो का बास बाडमेर जिसने अपने आपको टैंकर का चालक होना बताया तथा केमिकल के पास खड़े व्यक्ति ने अपना नाम चन्दगीराम राम यादव उर्फ राजू पुत्र शंकरलाल यादव निवासी सेक्टर नंबर०दो प्लॉट नंबर 165 विद्याधर नगर जयपुर होना बताया तथा अपने आप को केमिकल खरीदने वाला होना बताया तथा केमिकल चोरी कर ड्रम भरना और बाद में केमिकल को बेचना बताया। मौके पर ज्वलनशील पदार्थ अवैध भंडारण के संबंध में सुरक्षा आत्मक उपाय नहीं किए गए। जिससे दुर्घटना जन हानि होने की संभावना है। केमिकल के कारोबार के संबंध में लाइसेंस परमिट कागजात नहीं होना पाया गया।

दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने अवैध हथियार चाकू सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि टीम ने घण्टाघर निवासी अब्दुल सलाम (42) को गिरफ्तार किया। वहीं आमिर उर्फ नीलू को अवैध हथियार चाकू सहित गिरफ्तार किया।

डॉ. प्रेमचंद बैरवा को धमकी देने वाले सहित छह लोग गिरफ्तार

तीन लाख रु.का कर्ज और दूसरी जेल में शिफ्ट होने के लिए दी थी धमकी

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाले सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त गांधीनगर जयपुर पूर्व नारायण बाजिया के नेतृत्व में 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने देर रात तक जयपुर जेल में सर्च अभियान चलाया था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाला शाहनील निवासी शास्त्री नगर जयपुर, वसीम खान निवासी झोटवाड़ा जयपुर,मनीष परिहार निवासी जोधपुर, विकमसिह बडोद जिला सवाई माधोपुर को सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है और वहीं सिम धारक जुनैद निवासी झोटवाड़ा जयपुर सहित जेल में सिम पहुंचाने वाले अशरफ निवासी झोटवाड़ा जयपुर को भी पकड़ा है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) ने बताया कि पुलिस थाना लाल कोठी जयपुर के इलाके में केंद्रीय कारागार जयपुर से गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम जयपुर के 100 नंबर पर कॉल आया कि उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा को मरवा देंगे और वह अनिल बोल रहा है।। इस पर वारदात को गंभीरता से लेते हुए एक पुलिस टीम गठित की गयी। टीम ने जिस नंबर से पीसीआर में काल आया उसका सीडीआर विश्लेषण कर सीएसटी व जयपुर के अलग अलग क्षेत्रों में 15 जगह दबिश दी गई। जिसमें आरोपित जनैद व अशरफ को भी दस्तयाब किया गया। जिस मोबाइली से फोन किया गया था वह सिम भी जुनैद के नाम से ही थी। जुनैद ने उक्त सिम आरोपी शाहनील तक किस माध्यम से पहुंचाई। जिसके संबंध में जांच पड़ताल जारी है।

लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाले सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी में सामने आया कि आरोपित शाहनील ने जेल में ही किराये पर फोन देने का व्यवसाय चला रखा है। वार्ड नम्बर 9 में वह बंदियों से प्रत्येक मिनट के 100 रुपये वसूलता है। शाहनील और किन किन बंदियों को मोबाइल बात करने के लिए देता था उस संबंध में पूछताछ जारी है। जिन्होंने उक्त बरामद मोबाईल का उपयोग किया उन कैदियों में से एक बंदी विक्रम सिंह है। जो शाहनील से उक्त मोबाइल लेकर कंट्रोल रूम 100 नंबर पर काल करके उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी दी। विकम सिंह के उक्त जेल में तीन लाख रुपये का कर्जा होने के कारण वह दूसरी जेल में शिफ्ट होना चाहता था। इसलिए उसने धमकी देना पूछताछ से सामने आया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। इस मामले में जेल प्रशासन व अन्य जिन जिन लोगों की संलिप्तता है, उस संबंध में अनुसंधान जारी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तीन साल से वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं करने पर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता पूनमचंद भंडारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि राजस्थान हाई कोर्ट ने 24 जनवरी, 2022 के बाद अब तक वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं किए हैं। जबकि हाईकोर्ट के खुद के दिशा-निर्देशों के अनुसार हर दो साल में वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नामित किया जाना चाहिए। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी नियम बनाकर वरिष्ठ अधिवक्ता नामित करने की गाइड लाइन जारी कर रखी है। इसके बावजूद हाईकोर्ट प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के आधार पर स्वयं के नियम नहीं बनाए हैं। जिसके चलते हाईकोर्ट के कई वरिष्ठ अधिवक्ता अब तक वरिष्ठ अधिवक्ता के तौर पर नामित नहीं हो पाए हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने हाईकोर्ट प्रशासन से जवाब तलब किया है।

वकील 1052 दिन से दे रहे धरना- जनवरी, 2022 में वरिष्ठ अधिवक्ता नामित करने में धांधली का आरोप लगाते हुए याचिकाकर्ता सहित अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता टीएन शर्मा के साथ ही अन्य वकील बीते 1052 दिनों से हाईकोर्ट में धरना दे रहे हैं।

नए वाहनों से कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मिलेगी मजबूती : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत जवाहर सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम में 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कार्मिक मौजूद रहे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत जवाहर सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम 'सुरक्षा एवं सुगमता का संकल्प समारोह' से 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। इसके लिए पुलिस बल को तमाम आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस बल में शामिल हुए इन नए वाहनों से राज्य में आमजन के लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों से मिलकर उनका हौसला अफजाई किया। उन्होंने प्रत्येक पुलिसकर्मी से व्यक्तिशः मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान शर्मा ने पुलिस बेण्ड सहित सभी पुलिस बल के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। पुलिस कार्मिकों का मुख्यमंत्री द्वारा हौसला अफजाई करने पर मनोबल बढ़ा तथा वे बेहद उत्साहित नजर आए।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी, महानिदेशक इन्टेलिजेंस संजय अग्रवाल, महानिदेशक टी.एन.टी. अनिल पालीवाल सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पुलिस कार्मिक मौजूद रहे।

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में मुलाकात की। देवनानी ने राज्यपाल बागडे को युगंधरा अहिल्याबाई होल्कर पुस्तक भेंट की। विधानसभाध्यक्ष ने राज्यपाल बागडे से शिक्षा और विधायी के विभिन्न विषयों पर संवाद कर उनसे शिष्टाचार मुलाकात भेंट की।

सांसद जोशी ने होली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया

जयपुर। चित्तौडगढ़ सांसद, चेयरपर्सन याचिका समिति एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी द्वारा होली स्नेह मिलन कार्यक्रम का अशोक मार्ग नई दिल्ली में हुआ। जिसमे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर, सीआर पाटिल, अर्जुनराम मेघवाल, गजेन्द्र सिंह, रामदास अठावले, राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, अरूण सिंह, राधामोहन दास अग्रवाल, सतीश पूनियां, सांसद रवि किशन, मनोज तिवारी, राव राजेन्द्र सिंह, दामोदर अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठक वी सतीश, पप्पू यादव, सांसद, विधायक और भाजपा पदाधिकारियों ने शिरकत की।

प्रदेश की सभी जेलों में चलाएं सघन तलाशी अभियान : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी जेलों को मजबूत एवं आधुनिक बनाने के लिए जेल विभाग को आवश्यकता अनुरूप सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

> ■ 'जेल परिसर में अवांछित सामग्री मिलने पर संबंधित जेल प्रशासन के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर गृह विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने जेल विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए किजेल परिसर में अपराधियों द्वारामोबाइल फोन इस्तेमाल की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई करते हुए प्रदेश की सभी जेलों में पुलिस और मजिस्ट्रेट द्वारा नियमित एवं औचक तलाशी अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि जेलों में अवांछित सामग्री मिलने पर संबंधित जेल प्रशासन के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए।उन्होंने ऐसे प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कर जेल में अवैध सामग्री पहुंचाने वाले नेटवर्क में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने प्रदेश की जेलों में आवश्यकता अनुरूप सीसीटीवी कैमरों की संख्या में वृद्धि करते हुए जेल परिसर में निगरानी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने जेल परिसर में तैनात कार्मिकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले गैजेट्स को भी परिसर से बाहर रखवाए जाने की व्यवस्था करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्मिकों को कार्यव्यवस्था के अनुसार समय-समय पर बदला भी जाए। उन्होंने चालानी गार्डों को भी समय-समय पर बदलने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की जिन जेलों का स्थान परिवर्तन किया जाना है, उनके लिए शीघ्र कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने जेल परिसर में आधुनिक प्रणाली के मोबाइल जैमर लगाने सहित जेल प्रशासन में लम्बित चल रही अन्य विभागीय कार्यवाहियों को गति प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जेल परिसर में नवीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए, ताकि न्यायालय में अपराधी की पेशी वीसी के माध्यम से कराई जा सके।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेन्स संजय कुमार अग्रवाल, महानिदेशक जेल गोविन्द गुप्ता, पुलिस आयुक्त जयपुर बीजू जॉर्ज जोसफ एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध शाखा दिनेश एमएन सहित विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

जाली बिलों से कर चोरी के आरोप में राजेश अग्रवाल गिरफ्तार

डमी फर्मों के माध्यम से पुरानी कारों की खरीद-बिक्री का छद्म कार बाजार बनाकर था

जयपुर। डमी फर्म्स खोलकर मिथ्या आगत कर का लाभ लिये जाने एवं फेक इनवॉइस के माध्यम से मिथ्या आगत कर पास ऑन भी किये जाने के आरोप में वृत-सी, प्रवर्तन शाखा-तृतीय द्वारा मिश्रा मार्ग निर्माण नगर स्थित मेसर्स ऑटो जंक्शन के प्रोपराइटर राजेश अग्रवाल पुत्र केसर देव अग्रवाल निवासी किरण पथ मानसरोवर को गिरफ्तार किया है।

मुख्य आयुक्त राज्य कर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि आरोपी राजेश अग्रवाल ने स्वयं के नाम पर पंजीकृत फर्म मेसर्स ऑटो जंक्शन: 0806392 के अतिरिक्त परिवारजनों के नाम पर संचालित फर्मों में एक लिमिटेड कंपनी के एप पर ओएलएक्स, कार देखो इत्यादि वेबसाइट पर बिक्री के लिए डाली गयी कारों, आरटीओ एजेंट्स के माध्यम से बिकी हुई कारों अथवा रास्ते में चलती हुई कारों की डिटेल विभिन्न बिजनेस लॉगिन आई.डी बनाकर अपलोड कर दी जाती थी। जिसके एवज में कमीशन प्राप्त किया जाकर मिथ्या आगत कर का लाभ पहुंचाया एवं कमीशन प्राप्त किया जाकर करापवंचन किया।

इसके अतिरिक्त आरोपी द्वारा उसकी फर्म में कार्यरत जरूरतमंद व्यक्तियों व कार्मिकों को लोन इत्यादि दिलवाने का लालच दिया जाकर उनके आधार कार्ड एवं पैन कार्ड का उपयोग कर वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत डमी फर्म्स बना कर इसी प्रकार मिथ्या आगत कर का लाभ पहुंचाया जाकर कमीशन प्राप्त किया गया।

राजपुरोहित ने बताया कि आरोपी राजेश अग्रवाल उक्त डमी फर्म्स के खातों का संचालन स्वयं करता है। उक्त डमी फर्मों के खातों में प्राप्त कमीशन की राशि को स्वयं के अथवा परिवारजनों के खातों में स्थानांतरित कर लेता था। अद्यतन जांच अनुसार आरुई राजेश अग्रवाल द्वारा परिवारजनों एवं अन्य डमी फर्म्स के माध्यम लगभग 86 करोड़ से अधिक के फेक इनवाइस प्राप्त किये एवं 15.54 करोड़ का मिथ्या आगत कर क्लेम किया। बाद में लगभग 92 करोड़ से अधिक के फेक इनवॉइस के माध्यम से कर राशि रूपये 16.65 करोड़ को पास ऑन/ यूटिलाइज भी किया गया।

महाराणा सांगा को अपमानित करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग

नई दिल्ली/जयपुर। चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी.जोशी ने आज लोकसभा में शुन्यकाल के दौरान मेवाड़ ही नही बल्कि पूरे देश के अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय को सदन के समक्ष रखा, सांसद जोशी ने सदन को बताया की कोई तुष्टीकरण के चक्कर में छोटी मानसिकता लेकर महापराक्रमी योद्धाओं के लिए इस प्रकार की बातें करता है तो निश्चित रूप से निंदनीय है और ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कारवाई होनी चाहिए। वीर शिरोमणी महान योद्धा महाराणा सांगा के बारे कहे गये वक्तव्य के सन्दर्भ में सदन को ध्यान दिलाया की शायद उनके ध्यान में नहीं आया होगा कि दौलत खा के आमंत्रण पर बाबर भारत बताया था और इब्राहिम लोदी को दो-दो बार धूल चटाई थी और बाबर को भी युद्ध में हराया था।

बयान दर्ज कराने आए आईपीएस ने न्यायिक अधिकारी से अभद्रता की

> ■ कोर्ट ने दो घंटे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-6, महानगर प्रथम ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट, आईपीसी एवं पशु कुरता अधिनियम से जुड़े मामले में गिरफ्तारी वारंट से गवाही के लिए हनुमानगढ़ एसपी अरशद अली को पीठासीन अधिकारी कल्पना पारीक से अभद्रता करने पर दो घंटे के लिए न्यायिक अभिरक्षा में ले लिया। हालांकि बाद में एसपी के खेद व्यक्त करने और तबीयत सही नहीं होने का हवाला देने पर कोर्ट ने उन्हें बैठने के लिए कुर्सी देकर उनके मुख्य बयान दर्ज किए। इस मामले में कोर्ट पिछले एक साल से एसपी को गिरफ्तारी वारंट से बुला रही थी, लेकिन वे मुख्य गवाही के लिए पेश ही नहीं हो रहे थे। जबकि कोर्ट ने इससे पहले 2019 से ही उनके जमानती वारंट जारी किए हुए थे। इन जमानती वारंट की तामील ही नहीं हो पा रही थी। इसके बाद ही कोर्ट ने एसपी को गिरफ्तारी वारंट से तलब किया था।

मामले के अनुसार एसपी अरशद अली गिरफ्तारी वारंट की पालना में कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने पीठासीन अधिकारी से गिरफ्तारी वारंट पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वे वीसी के जरिए ही पेश हो जाते। इस पर पीठासीन अधिकारी ने कहा कि यदि वे पहले इसके लिए प्रार्थना पत्र दायर करते तो उस पर निर्णय लिया जा सकता था। इस पर एसपी ने अपनी गलती नहीं मानी और पीठासीन अधिकारी से अभद्रता की। जिस पर कोर्ट ने चालानी गार्ड बुलाकर उन्हें दो घंटे के लिए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। इसके बाद एसपी वापस पेश हुए तो उन्होंने खेद व्यक्त किया और कहा कि उनकी तबीयत खराब है। जिस पर कोर्ट ने मानवीय दृष्टिकोण को देखते हुए उन्हें बैठने के लिए कुर्सी मुहैया कराई और बयान देने के लिए कहा। गौरतलब है कि एसपी अरशद अली दारा सिंह एनकाउंटर प्रकरण में ट्रायल के दौरान अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ कई सालों तक जेल में रहे हैं। अदालत ने बाद में सभी को दोषमुक्त कर दिया था।

दरअसल इस मामले में मौजूदा एसपी ने सालों पहले एसओजी में एएसपी के पद पर रहते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी और वे खुद ही परिवादी थे। इस मामले में सतीश, बद्री प्रसाद, रमाकांत, जुगल किशोर, शिवहरि, सुनील व मुन्ना आरोपी हैं।

सौग़ात-ए-मोदी अभियान में ईद पर 1 लाख 786 जरूरतमंदों तक पहुंचेगा अल्पसंख्यक मोर्चा : मेवाती

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने बताया कि "सौगात-ए-मोदी " किट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विधानसभा क्षेत्र सांगानेर से किया जाएगा। इसमें जरूरतमंद मुस्लिम बहनों को राशन सामग्री का किट वितरित किया जाएगा। प्रदेश की सभी 200 विधानसभाओं में करीबन 1 लाख 786 जरूरतमंद बहनों को यह किट वितरित किए जाएंगे।

> ■ 'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विधानसभा क्षेत्र सांगानेर से 28 मार्च से शुरू होगा अभियान'

मेवाती ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका कल्याण की अवधारणा पर कार्य किया। इसके चलते ईद जैसे महापर्व पर मुस्लिम समुदाय की जरूरतमंद बहनों के लिए सौगात ए मोदी किट का वितरण करने की घोषणा से समुदाय में खुशी का माहौल है। अल्पसंख्यक मोर्चा और प्रदेश के मुस्लिम समुदाय के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार और धन्यवाद।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी राजस्थान के विकास में सभी समाज, समुदाय और वर्गों को साथ में लेकर चल रहे है। भाजपा की नीति अंत्योदय की है और इस नीति पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कार्य कर रहे है। फिर चाहे अल्पसंख्यक वर्ग को आवास देने का मामला हो, उज्जवला योजना में रसोई गैस सिलेंडर देने का मामला हो, या फिर मेवात बोर्ड के लिए बजट में अलग से धनराशि जारी करने का मामला हो, मुस्लिम बहनों को तीन तलाक कानून बनाकर संबल प्रदान करने का मामला हो, भाजपा सरकार हर वर्ग के हितों का ध्यान रखते हुए कार्य योजनाओं का संचालन कर रही है।

प्रेसवार्ता में मंच पर मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एम सादिक खान, प्रदेश उपाध्यक्ष जंग बहादुर पठान, पूर्व जयपुर शहर जिलाध्यक्ष जफर मिर्जा उपस्थित थे।

अपील के लंबित रहते नहीं रोके जा सकते पेंशन परिलाभ

जयपुर। हाईकोर्ट ने कहा कि आपराधिक मामले में बरी होने के बाद अपील के लंबित होने के आधार पर पूर्व कर्मचारी के पेंशन परिलाभ को नहीं रोका जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता के पन्द्रह साल पहले रोके गए पेंशन परिलाभ तीन माह में नौ फीसदी ब्याज सहित अदा करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश कृष्ण कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता महेन्द्र शाह ने बताया कि याचिकाकर्ता पूर्व में नगरीय विकास में प्रोजेक्ट ऑफिसर के पद पर तैनात था। साल 2007 में उसके खिलाफ एसीबी ने दो हजार रुपए की रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया था। वहीं एसीबी की ओर से मामले में आरोप पत्र पेश करने के बाद एसीबी कोर्ट, जयपुर ने ट्रायल पूरी कर साल 2010 में याचिकाकर्ता को बरी कर दिया। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने अपील पेश कर दी। दूसरी ओर साल 2010 में ही वह रिटायर हो गया। इस पर राज्य सरकार ने उसे दिए जाने वाले सेवानिवृत्ति परिलाभ रोक लिए।

प्रकृति से विशेष प्रतिभा और ऊर्जा प्राप्त हैं विशेष योग्यजन बच्चे : दिया कुमारी

जयपुर। राजस्थान दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित हो रहें सप्ताहभर के कार्यक्रमों की श्रृंखला में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की उपस्थिति में जंतर मंतर पर प्रातः 9.15 बजे से विशेषयोग्य जन बच्चों के लिए गुरुवार को "देखो अपना शहर" जागरूकता यात्रा का आयोजन किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विशेष योग्यजन बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत भी की। उनके इस आत्मीय संवाद से विशेषयोग्य जन बच्चे उत्साहित और प्रसन्न नजर आये। दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों को प्रकृति की ओर से विशेष प्रतिभा और ऊर्जा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह बच्चे कई मायनो में सामान्य बच्चों से भी अधिक योग्य हैं। इनकी योग्यता, प्रतिभा और ऊर्जा का सदुपयोग राष्ट्र और प्रदेश के विकास के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने में राज्य सरकार ऐसे विशेष योग्यजन बच्चों की प्रतिभा का सदुपयोग करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए संकल्पित है। दिया कुमारी ने विशेषयोग्य जन बच्चों को उपहार दिए जबकि बच्चों ने पुष्प देकर उनका स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजन बच्चों को सिटी पैलेस और अल्बर्ट हॉल सहित आमेर भ्रमण करवाने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के साथ जंतर मंतर पर आये विदेशी पर्यटकों ने फोटो खिचवाए।

राजस्थान दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित हो रहें सप्ताहभर के कार्यक्रमों की श्रृंखला में जंतर-मंतर पर विशेषयोग्य जन बच्चों के लिए गुरुवार को "देखो अपना शहर" जागरूकता यात्रा में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विशेषयोग्य जन बच्चों को उपहार दिए।

'भाजपा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए तय की आचार संहिता'

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि भाजपा सरकार ने नए आईटी नियमों के तहत ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील फोटो-वीडियो और हानिकारक सामग्री प्रचारित करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से इस तरह की आपत्ति जनक सामग्री, वीडियो या कंटेंट पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 में संशोधन करते हुए आईटी नियम 2021 जारी किया। इस अधिसूचना के माध्यम से ओटीटी प्लेटफॉर्म के प्रकाशकों के लिए नई आचार संहिता का प्रावधान किया है। राठौड़ के सवाल के जवाब में सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री डॉ एल मुरूगन ने यह जानकारी सदन को दी। राठौड़ ने बताया कि नए आईटी नियम में अश्लील सामग्री के संबंध में सरकार मौजूदा सांविधिक ढांचे के तहत ऐसी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करती है। ओटीटी प्रकाशकों के लिए कानून बनाकर ऐसी सामग्री प्रसारित करने से रोक लगाई है जो निषिद्ध है। इसमें मंत्रालय की ओर से सामग्री की आयु आधारित 5 श्रेणियां बनाई है। इसमें सभी आयु वर्ग के लिए परिवार के साथ देखने लायक सामग्री के लिए वर्गीकरण किया गया है।

जीत हमेशा जरूरी नहीं होती, लेकिन जुनून और जज्बा मायने रखता है। हमारी टीम ने पूरी ताकत से खेला, और मैं उन पर गर्व करता हूँ। केकेआर फैंस, आपका साथ हमें और मजबूत बनाता है!" - शाहरूख खान

केकेआर के मालिक, अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **यशस्वी जायसवाल**

आईपीएल 2025 के छठे मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 8 विकेट से हरा दिया। भले ही राजस्थान को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन यशस्वी जायसवाल ने टी-20 क्रिकेट में एक बड़ा धमाका कर दिया। जायसवाल ने केकेआर के खिलाफ मैच में 24 गेंद पर 29 रन की पारी खेली. इस पारी के दौरान उन्होंने अपने टी-20 करियर में 3000 रन पूरे कर लिए। ऐसा कर उन्होंने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। जायसवाल टी-20 क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 में सबसे तेज 3000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड शॉन मार्श के नाम है। शॉन मार्श ने 85 पारी में ही 3000 रन पूरा कर लिए थे।

लक्ष्य का पीछा करते समय बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहा : डिकॉक

नई दिल्ली, 27 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में नाबाद 97 रन की पारी खेल कर कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने वाले सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि उनके लिए मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहा। डिकॉक ने 61 गेंदों पर आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाकर केकेआर को 17.3 ओवर में जीत के लिए मिले 152 रन के लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। प्लेयर ऑफ द मैच डिकॉक ने पुरस्कार समारोह में कहा, " यह मेरा दूसरा मैच है, हमारे लिए यह अच्छा रहा कि हमने बाद में बल्लेबाजी की। एक विकेटकीपर के रूप में मुझे विकेट परखने का मौका मिला और मैं बल्लेबाजी करते समय उसके अनुसार सामंजस्य बैठा सका। "उन्होंने कहा, " मैं जानता हूं कि आईपीएल बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है, लेकिन मैंने सिर्फ हमारे लिए मैच जीतने की कोशिश की।" दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व कप्तान ने कहा, "यह बड़े स्कोर के लिए उपयुक्त विकेट नहीं था, गेंद टर्न ले रही थी और रुक कर आ रही थी। यह सपाट विकेट नहीं था, यहां रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।"केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने डिकॉक के साथ जीत का श्रेय टीम के स्पिनरों को दिया। उन्होंने कहा, " हमने बीच के ओवरों में दो स्पिनरों को गेंदबाजी कराई। सुनील नारायण की जगह मोईन अली खेले और उन्होंने अच्छा किया।

श्याम लाल कॉलेज की वार्षिक खेल मीट का आयोजन आज

नई दिल्ली, 27 मार्च। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज मैदान में शुक्रवार को छात्र और छात्राओं के वर्ग की 'वार्षिक खेल मीट 2024-25' का आयोजन किया जायेगा। कॉलेज के खेल समिति के संयोजक वीरेंद्र सिंह जग्गी के अनुसार, वार्षिक खेल मीट 2024-25 के छात्रों के साथ-साथ शिक्षक और कॉलेज के गैर-शिक्षण स्टाफ भी भाग लेंगे। श्याम लाल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. रबी नारायण कर 'वार्षिक खेल मीट 2024-25' के मुख्य अतिथि होंगे। लड़कियों के वर्ग में छात्रों के लिए 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर में दौड़ आयोजित की जाएगी। लड़कों में वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर में दौड़ होगी। इसके अलावा शिक्षण और गैर -शिक्षण स्टाफ के लिए कार्यक्रमों को 45 वर्ष से कम और 45 वर्ष से अधिक के दो आयु समूहों में आयोजित किया जाएगा। लेमन रेस और म्यूजिकल चेयर स्पर्धा भी होगी।

चोटिल लैथम पाक के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से हुए बाहर

वेलिंग्टन, 27 मार्च। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है टीम के कप्तान टॉम लैथम चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये है। लैथम को इस सप्ताह दाहिने हाथ में चोट लगी थी। प्रशिक्षण के दौरान लैथम के हाथ में फ्रैक्चर हुआ था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि एक्स-रे रिपोर्ट में गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। लैथम की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की कमान संभालेंगे जबकि हेनरी निकोल्स को टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, सीरीज की पूर्व संध्या पर कप्तान टॉम लेथम का चोटिल होना निश्चित रूप से निराशाजनक है और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले माइकल के साथ टीम सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने कहा, हमें इस दौरे में लचीलापन रूख रखना होगा क्योंकि कई खिलाड़ी अलग-अलग कारणों से उपलब्ध नहीं थे। इससे अन्य खिलाड़ियों को अवसर मिले और पहली बार रीस मारियू को टीम में शामिल करना अच्छा लगा, साथ ही हेनरी का स्वागत भी हुआ।

चेन्नई के खिलाफ विराट कोहली के खेलने पर सस्पेंस

भुवनेश्वर कुमार को लेकर दिनेश कार्तिक ने दिया अपडेट

नई दिल्ली, 27 मार्च। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के मेंटर दिनेश कार्तिक ने विराट कोहली और भुवनेश्वर कुमार की फिटनेस पर बड़ा अपडेट दिया। विराट कोहली ने आरसीबी के लिए इस सीजन के पहले मैच में खेला था जबकि भुवनेश्वर कुमार उस मैच में नहीं खेल पाए थे। भुवी को इस सीजन के लिए आरसीबी ने 10.75 करोड़ में खरीदा था, लेकिन वो सीजन के पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो पाए थे। भुवी पहले मैच में चोट के कारण उपलब्ध नहीं हो पाए थे, लेकिन विराट कोहली की इंजरी के बारे में बहुत लोगों का जानकारी नहीं है, लेकिन रेवस्पोर्ट्ज के मुताबिक कोहली ने इस सीजन के पहले मैच के बाद हर्षित राणा से बात करते समय अपनी पीठ दर्द के बारे में बात कर रहे थे।

नितेश ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में जीता कांस्य

अम्मान, 27 मार्च। भारतीय पहलवान नितेश ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के 97 किलोग्राम ग्रीको रोमन वर्ग में अमानबेर्दी अगामम्मेदोव को हराकर कांस्य पदक जीता। इस चैंपियनशिप में भारत का यह दूसरा पदक है। जॉर्डन के अम्मान में बुधवार को खेले गये मुकाबले में 22 साल के नितेश ने तुर्कमेनिस्तान के अमानबेर्दी अगामम्मेदोव को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 9-0 से हराकर भारत के लिए दूसरा पदक पक्का किया। इससे पहले नितेश ने कजाकिस्तान के इलियास को 9-0 से हराया था।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराया

हैदराबाद, 27 मार्च। शार्दुल ठाकुर (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद निकोलस पूरन (70) और मिचेल मार्श (52) की अर्धशतकीय विस्फोटक पारियों की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सातवें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 23 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया ।

सनराइजर्स हैदराबाद के 190 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें मोहम्मद शमी ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये निकोलस पूरन ने मिचेल मार्श के साथ ना केवल पारी को संभाला दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 116 रनों की साझेदारी हुई। यह आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से दूसरे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। नौवें ओवर में पैट कमिंस ने निकोलस पूरन को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। निकोलस पूरन ने 26 गेंदों में छह चौके और छह छक्के लगाते हुए (70) रनों की विस्फोटक पारी खेली। 11वें ओवर में कमिंस ने मिचेल मार्श को भी अपना शिकार बना लिया। मिचेल मार्श ने 31 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए (52) रन बनाये। चौथे विकेट के रूप में आयुष बदोनी (छह) रन आउट हुये। कप्तान ऋषभ पंत (15) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें हर्षल पटेल ने आउट किया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 16.1 ओवर में 193 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। अब्दुल समद ने आठ गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 22) रन बनाये। डेविड मिलर (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे।

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पैट कमिंस ने दो, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल और एडम जम्पा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 15 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अभिषेक शर्मा (छह), इशान किशन (शून्य) को शार्दुल ठाकुर ने आउट कर शुरुआत में ही हैदराबाद को जोरदार झटका दिया। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी ने ट्रैविस हेड के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई।

रियान पराग के लिए फैन की दीवानगी, जेल जाने तक को तैयार

गुवाहाटी, 27 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे केकेआर ने 8 विकेट से जीत लिया। वहीं रॉयल्स ने लगातार अपना दूसरा मैच गंवाया है। वहीं गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के दौरान एक फैन मैदान तक पहुंच गया और रियान पराग के पैर छूने लगा। बुधवार को रॉयल्स और केकेआर के बीच मुकाबले के दौरान भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। जहां एक फैन मैदान में घुस गया। ये फैन रियान पराग का था, 12वें ओवर के दौरान ये घटना हुई। सबसे पहले तो फैन ने रियान के पैर छुए और बाद में रियान ने फैन कोगले लगाया।

आईपीएल के बाद ब्रेक लेंगे कप्तान रोहित शर्मा

इंग्लैंड दौरे पर नहीं होंगे टीम का हिस्सा

नई दिल्ली, 27 मार्च। भारतीय क्रिकेटर्स मौजूदा समय में आईपीएल में जलवा बिखेर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ गए थे। आईपीएल का ये त्यौहार दो महीने से भी ज्यादा लंबे समय तक चलेगा। इसके बाद टीम इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस दौरे पर रोहित शर्मा नजर नहीं आएंगे।भारत को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। इस दौरे पर वह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। स्पोर्ट्स टुडे की खबर के मुताबिक रोहित शर्मा इस दौरे पर नहीं जाएंगे। खबर के मुताबिक रोहित शर्मा ने नाम वापस लेने का फैसला किया है। हालांकि, विराट कोहली टीम का हिस्सा होंगे और दौरे पर जाएंगे।

इस दौरे से पहले टीम ने पिछली टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेली थी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में कोहली और रोहित शर्मा दोनों ही कुछ खास नहीं कर सके थे। रोहित शर्मा ने सीरीज के तीन मैचों में केवल 31 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने आखिरी मैच से खुद को बाहर करने का फैसला किया था जिसके बाद जसप्रीत बुमराह ने टीम की कप्तानी की थी। रोहित के खुद बाहर हो जाने को संन्यास से जोड़कर देखा जा रहा था।

रोहित शर्मा ने साफ कर दिया था कि उनका खुद को बाहर करने का फैसला संन्यास का फैसला नहीं है। उन्होंने कहा था कि, ये संन्यास का फैसला नहीं है। मैं इस खेल से दूर नहीं जा रहा हूं। लेकिन मैंने इस खेल से दूर जाने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि मैं बल्ले से रन नहीं बना पा रहा था।

मियामी ओपन के सेमीफाइनल में एलेक्जेंडा एला भिड़ेंगी जेसिका पेगुला से

फ्लोरिडा, 27 मार्च। मियामी ओपन में महिला एकल के सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला और अमेरिका की जेसिका पेगुला के बीच शुक्रवार को मुकाबला होगा। अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने गुरुवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। पेगुला ने राडुकानू पर 6-4, 6-7(3), 6-2 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। इसी के साथ अमेरिकी खिलाड़ी ने पिछले चार वर्षों में तीसरी बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जहां उनका कल फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला से मुकाबला होगा। एक दिन पहले बुधवार को फिलीपींस की टेनिस खिलाड़ी एला ने मियामी ओपन में एक और उलटफेर करते हुए महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियाटेक को एला ने सीधे सटों में 6-2, 7-5 से हराया।

3 दिग्गजों की विश्वस्तरीय कोचिंग भी नहीं दिला पा रही राजस्थान रॉयल्स को जीत

जयपुर, 27 मार्च। सब कुछ करके भी हम कुछ नही कर पाए, यही बदकिस्मती रही हमारी। किसी ने सोचा भी न था कि राजस्थान रॉयल्स का हाल आईपीएल के 18वें सीजन में ऐसा होगा। राजस्थान रॉयल्स टीम के कोच राहुल द्रविड, जो खुद भारतीय टीम के बल्लेबाज़ी की दीवार माने जाते थे। बल्लेबाज कोच विक्रम राठौड़ ओर स्पिन गेंदबाजी के कोच साईराज बहुतुले की तिकड़ी का बल्लेबाज़ी ओर गेंदबाजी की गहरी समझ के साथ-साथ व्यापक कोचिंग भी राजस्थान रॉयल्स के बेदम ओर गेंदबाजी में दम भरने में नाकामयाब नज़र आ रही है।

राजस्थान रॉयल्स 2008 के पहले संस्करण की चैंपियन थी और आईपीएल में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों में से एक है। युवा ऑलराउंडर 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, 26 मार्च को गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल के दोंनो मैचों में लगातार राजस्थान रॉयल्स टीम ने दोनों टीमों के सामने घुटने टेक दिये और टीम के न ही बल्लेबाज़ों में अपने बल्ले से रन बनाने का जुनून दिखा, न ही गेंदबाजों की गेंदबाजी में स्विंग की लय दिखाई दी। टीम के स्कोर अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन की कहानी बयां कर रहे है।

राजस्थान रॉयल्स ने दोनों हार से राजस्थान के क्रिकेट प्रेमियों को निराश कर दिया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी ऐसे खेल का प्रदर्शन कर रहे है मानों जैसे नौसिखिये खिलाड़ी खेल रहे हो। राजस्थान रॉयल्स को क्या जीत सिर्फ़ जयपुर के होम ग्राउंड सवाई मानसिंह स्टेडियम पर ही मिलेगी। 30 मार्च को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन क्या गुल खिलायेगा। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल के इस सीजन में किस नम्बर तक आ पाएगी या खिताब जीत कर सेहरा अपने सिर पर बांध पाएगी। ये तो वक़्त ही बतायेगा।

आईपीएल 2025 के लिए राजस्थान रॉयल्स का आधिकारिक सनस्क्रीन पार्टनर बना मिनिमलिस्ट

जयपुर, 27 मार्च। मिनिमलिस्ट, विज्ञान-समर्थित, पारदर्शिता-प्रथम त्वचा देखभाल ब्रांड, ने आईपीएल 2025 सत्र के लिए अपने आधिकारिक सनस्क्रीन पार्टनर के रूप में राजस्थान रॉयल्स के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। एसोसिएशन के हिस्से के रूप में, मिनिमलिस्ट राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों को अपना उच्च प्रदर्शन वाला सनस्क्रीन प्रदान करेगा, यह सुनिश्चित करेगा कि वे पूरे टूर्नामेंट में ट्रेनिंग सेशन और मैचों के दौरान सुरक्षित रहें। फैंस रोमांचक डिजिटल एक्टिवेशन, खिलाड़ियों की पर्दे के पीछे की त्वचा देखभाल दिनचर्या की भी उम्मीद कर सकते हैं. जैसे-जैसे सीजन सामने आता है। पार्टनरशिप पर बात करते हुए, मिनिमलिस्ट के सह-संस्थापक और सीईओ, मोहित यादव ने कहा, "मिनिमलिस्ट और राजस्थान रॉयल्स एक स्वाभाविक रूप से फिट हैं।

राज्य सरकार और राजस्थान की जनता की इज्जत की खातिर एडहॉक कमेटी ने ये कदम नहीं उठाया

आरसीए एडहॉक कमेटी अपने स्टाफ और संसाधन ले जाए तो खेल परिषद आईपीएल करा पाएगी : जयदीप बियाणी

जयपुर, 27 मार्च। जब से आईपीएल की घोषणा हुई है तब से लेकर आज तक खेल परिषद ओर आरसीए एडहॉक कमेटी के बीच कुछ न कुछ वाद विवाद चला आ रहा है। खेल परिषद द्वारा आरसीए एडहॉक कमेटी को लिखे लेटर को लेकर नया विवाद का जिन्न बाहर आ गया है। आरसीए एडहॉक कमेटी को भेजे गए लेटर में जवाब मांगा गया है कि स्टेडियम में आरसीए का कोई आधिकारिक कार्यालय संचालित नहीं होता, फिर भी आरसीए अपने लेटरहेड पर नॉर्थ ब्लॉक, सवाई मानसिंह स्टेडियम का पता इस्तेमाल कर रहा है।

इसके जवाब में बियाणी ने कहा कि वर्षों से आरसीए का ऑफिस हमेशा खेल परिषद के अधीन इसी बिल्डिंग में रहा है। स्पोर्ट्स काउंसिल और आरसीए के बीच कोई एमओयू न होने के कारण सवाई मानसिंह स्टेडियम पर ताले लगा दिए गए थे। इसके बाद आरसीए अपना कामकाज केएल सैनी स्टेडियम से ही कर रहा है। एडहॉक कमेटी अपना पता बदल देगी या एक मोहर के जरिये लेटर हेड पर लगा देगी।

बियाणी ने बताया कि नोटिस में आरसीए एडहॉक कमेटी से यह पूछा गया है कि आपने अब तक एक साल की खेल गतिविधियों की जानकारी और एकाउंट्स की जानकारी क्यों उपलब्ध नहीं कराई है। आरसीए को तुरंत इसकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए लिखा गया है। कमेटी ने कल ही 2023-24 का लेखा-जोखा खेल परिषद को भेज दिया है।

स्पोर्ट्स काउंसिल का मानना है कि सलेक्शन में भेदभाव को लेकर कई बार आवाज उठी है, वहीं एकाउंट्स में भी फिजूलखर्ची की शिकायतें आ रही थीं। इसी को लेकर ये नोटिस आरसीए को भेजा है। इसका बारे में बियाणी कहते हैं कि कमेटी खिलाड़ियों, ऑफिशियल्स ओर कर्मचारियों की पेयमेंट्स के बतौर उनके खातों में सीधे ही भेज दी जाती है। जो भी टूर्नामेंट करवाये जा रहे है, उनका खर्चा बीसीसीआई द्वारा भेजे गए पैसो में से किया जाता है। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी व सभी कमेटी सदस्यों के प्रयासों से राजस्थान के पूर्व रणजी खिलाड़ियों की लम्बे समय से रुकी पेंशन स्कीम को फिर से शुरू करते हुए उनके बैंक अकॉउंट में पेंशन क़िस्त की राशि ट्रांसफर कर दी गयी है। फिजूलखर्ची की कोई जगह नही है।

बियाणी के अनुसार खेल परिषद ने एडहॉक कमेटी द्वारा पकड़े गए पिछले कमेटी के 40-50 करोड़ के वित्तीय मामलों में क्या एक्शन लिया है, क्या उस गड़बड़ी की एफआईआर के बारे में क्या प्रोग्रेस हुई ये मालूम किया क्या? क्या उसकी ऑडिट कराई है खेल परिषद ने? नीरज के. पवन पता नही किसके बहकावे में आकर ये सब काम कर रहे है।

बियाणी ने चेतावनी देते हुए कहा कि ये तो भजनलाल शर्मा की सरकार और राजस्थान की जनता की इज़्ज़त का सवाल नही होता तो खेल परिषद से लेटर जारी कर एडहॉक कमेटी अपने स्टाफ, संसाधन वापस मांग ले तो खेल परिषद कैसे आईपीएल करा पायेगी। खेल परिषद के पास तो घास काटने तक की मशीन नही है। मैदान का रखरखाव ओर घास की कटाई कैसे करेगी। पिच क्यूरेटर, ग्राउंड स्टाफ के बगैर पिच चार दिन में फट जाएगी। पिच पर रोलर कौन फेरेगा, मैदान में पानी कौन डालेगा? आरसीए एडहॉक कमेटी ही पिच क्यूरेटर, ग्राउंड स्टाफ को सैलरी देती है, खेल परिषद नही। क्या आईपीएल के सारे मैच जयपुर से बाहर ले जाना चाहती है खेल परिषद।

ऑफिस को लेकर बोलते हुए बियाणी ने कहा कि के एल सैनी स्टेडियम जेडीए की संपत्ति है। के एल सैनी स्टेडियम का सारा खर्चा जिसमें पिच क्यूरेटर, ग्राउंड स्टाफ ओर बिजली-पानी के बिलों का भुगतान आरसीए एडहॉक कमेटी ही करती आ रही है। बियाणी ने कहा कि 27 मार्च को आरसीए की वर्तमान एडहॉक कमेटी का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। चार बार 3-3 महीने का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी आरसीए के चुनाव नहीं हो सके हैं। अब इतने विवादों के बाद एडहॉक कमेटी में कुछ बदलाव होने के संकेत मिल रहे हैं। अब जो राज्य सरकार का आदेश आता है, कमेटी उसका पालन करेगी। अगर बदलाव होते है तो भी कोई परेशानी की बात नही है।

बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में हो सकते हैं बड़े बदलाव

सीनियर खिलाड़ियों को होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 27 मार्च। बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान हो चुका है। जबकि पुरुष टीम के लिए अभी ऐलान होना बाकी है। लेकिन उससे पहले पुरुष क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि बीसीसीआई जल्द ही सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर सकती है। इसमें किसे प्रमोशन मिलेगा, किसे डिमोशन, किसकी छुट्टी होगी और किन नए चेहरों को एंट्री मिलेगी, इसे लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। वैसे औपचारिक ऐलान होने तक इनकी अहमियत अटकलों से ज्यादा कुछ नहीं है। वैसे एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जिसमें कहा जा रहा है कि, विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के टी20 फॉर्मेस से संन्यास लेने के बाद इन्हें कॉन्ट्रैक्ट में नुकसान हो सकता है।टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर के भारी भरकम सपोर्ट स्टाफ पर भी कैंची चल सकती है। उसी की एक अन्य रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को ग्रेड से डिमोट करके ए ग्रेड में डाला जा सकता है। ए ग्रेड सबसे टॉप ग्रेड है। इसमें आमतौर पर उन खिलाड़ियों को रखा जाता है जो लगातार टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। चूंकि, रोहित, कोहली और जडेजा तीनों ही टी20 से संन्यास ले चुके हैं, लिहाजा उन्हें ए ग्रेड में डाला जा सकता है। शुभमन गिल को ए ग्रेड से प्रमोट करके ए ग्रेड में डाला जा सकता है।एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्षर पटेल को ग्रेड बी से प्रमोट करके ग्रेड ए में शामिल किया जा सकता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके रविचंद्रन अश्विन को कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से छुट्टी हो सकती है।कुछ नए चेहरों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में एंट्री हो सकती है। नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा और अभिषेक शर्मा को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। इन्हें सी कैटेगरी में रखा जा सकता है। पिछली बार घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने की वजह से श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से छुट्टी कर दी गई थी लेकिन इस बार अय्यर को एंट्री मिल सकती है।

चेन्नई सुपर किंग्स के घर में जीत के लिए तरसती है आरसीबी

चिदंबरम, 27 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 8वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला 28 मार्च को एम चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2025 में सीएसके और आरसीबी की टीम ने अपने-अपने पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत की है। ऐसे में चेपॉक में दोनों बीच के बीच एक जोरदार घमासान देखने को मिलेगा।चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल टीम में से एक है। सीएसके ने आईपीएल में पांच बार खिताबी जीत हासिल की है। वहीं आरसीबी की झोली अभी तक खाली रही है। आईपीएल में जब भी इन दोनों टीमों के बीच भिड़ंत होती है तो मुकाबला देखने लायक होता है, लेकिन सीएसके के घर में आरसीबी की हालत हमेशा खराब रही है। सीएसके ने अपने घर में हमेशा आरसीबी पर अपना दबदबा बना कर रखा है।आईपीएल में सीएसके और आरसीबी के बीच अब तक कुल 33 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इन मैचों में सीएसके की टीम ने 21 बार जीत हासिल की है। वहीं आरसीबी की बात करें तो वह सिर्फ 11 बार सीएसके को हरा पाई है। इस रिकॉर्ड से साफ है कि सीएसके के खिलाफ आरसीबी की टीम हमेशा से कमजोर रही है। वहीं सीएसके के घर में आरसीबी के रिकॉर्ड की बात की जाए तो वह और भी ज्यादा खराब है।

जोशना, अनाहत स्क्वैश इंडियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल में

मुंबई, 27 मार्च। भारतीय दिग्गज खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और अनाहत सिंह ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए स्क्वैश इंडियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। बॉम्बे जिमखाना के आउटडोर ग्लास कोर्ट पर जोशना चिनप्पा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त आकांक्षा सालुंखे के खिलाफ पांच मैचों के कड़े मुकाबले में अपने अनुभव का जबरदस्त प्रदर्शन किया। पूर्व एशियाई चैंपियन जोशना ने 56 मिनट तक चले मुकाबले में सालुंखे को 3-2 (12-10, 13-11, 9-11, 9-11, 11-5) से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं दूसरी ओर, 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने मिस्त्र के नादियन एल्हममी के खिलाफ संयम का परिचय देते हुए 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की और कड़े मुकाबले में 3-2 (11-6, 12-14, 8-11, 11-6, 11-9) से जीत हासिल की। इस बीच, पुरुषों के ड्रॉ में भारत के अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशनराज चंद्रन को सीधे सेटों में (11-5, 11-8, 11-7) में हराकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। वीर चोटरानी हालांकि, मिस्त्र के करीम एल टॉर्की से 0-3 (4-11, 8-11, 5-11) से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

जिम्बाब्वे त्रिकोणीय टी-20, टेस्ट श्रृंखला की करेगा मेजबानी

हरारे, 27 मार्च। जिम्बाब्वे जुलाई से अगस्त तक दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के साथ होने वाली त्रिकोणीय टी-20 तथा इन दोनों टीमों के साथ दो-दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला की मेजबानी करेगा। बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले से होगी। इसके बाद दोनों टीमें 14 जुलाई से शुरू होने वाली टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड से जुड़ेंगी। इस सीरीज में प्रत्येक टीम दो-दो बार एक-दूसरे से भिड़ेगी। शीर्ष दो टीमें के बीच 26 जुलाई को फाइनल खेला जायेगा। जिम्बाब्वे फिर से लाल गेंद वाले क्रिकेट की ओर लौटेगा। वह बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में न्यूजीलैंड के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा। यह 2016 के बाद से पहली बार होगा जब दोनों टीमें सबसे लंबे प्रारूप में आमने-सामने होंगी। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने कहा, यह वर्षों के बाद हमारा सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र है और यह हमारे खिलाड़ियों के लिए दुनिया की दो क्रिकेट महाशक्तियों के खिलाफ खुद को परखने का एक अवसर है। टेस्ट क्रिकेट और रोमांचक टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की मेजबानी करना जिम्बाब्वे में खेल के विकास के लिए एक शानदार अवसर है।

के.एम. रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी : एसकेआईटी इलेवन ने 518 रन बनाए

एमजेजे ग्रुप के लिए मेहुल पारीक का पंजा व आर्यमन का शतक

जयपुर, 27 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए तीन दिवसीय मैच के दूसरे दिन एस के आई टी इलेवन टीम कल के स्कोर 4 विकेट पर 426 रन से आगे खेलते हुए करते हुए कल के नाबाद बल्लेबाज मोहित भगतानी के 140 रन, आर्यन जैन 153 रन के जल्दी आऊट होने पर रिहान अली 32 रन व नावेद खान के 20 रनों से लंच के समय 128.3 ओवर में 518 रन बनाकर आउट हुई। का स्कोर बनाया। एम जे जे ग्रुप की टीम के लिए मेहुल पारीक ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 105 पर 5, आदित्य झाला ने 121 पर 2, अभिषेक यादव, रोहन सिंह व नावेद खान ने 1-1 विकेट लिए। लंच के बाद एम जे जे ग्रुप की टीम के सलामी बल्लेबाजी आर्यमन कटारिया के शानदार शतक 113 रन (138 गेंद, 12 चौके व 5 छक्के), सचिन जाट के 57 रन, अभय शर्मा के नाबाद 15 रन, कुशाग्र ओझा के नाबाद 13 रनों से दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 51 ओवर में 2 विकेट पर 224 रन बना लिए थे। एस के आई टी इलेवन के लिए नावेद खान व कैफ गुडएज ने 1-1 विकेट लिया।

अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति हो रहा सशक्त : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा, पूर्ववर्ती सरकार ने युवाओं के साथ विश्वासघात किया

- भरतपुर में, आयोजित अन्त्योदय कल्याण समारोह में 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई।
- स्वामित्व योजना में 20 हजार पट्टे एवं माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को भरतपुर गए, वहां उन्होंने अन्त्योदय कल्याण समारोह को संबोधित किया। भरतपुर प्रवास के दौरान एम.एस.जे. महाविद्यालय, जहां के वे पूर्व छात्र हैं, में उनका भव्य स्वागत किया।

भरतपुर, 27 मार्च (निसं)। गुरूवार को भरतपुर में राजस्थान दिवस कार्यक्रम के तहत आयोजित अन्त्योदय कल्याण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संभावनाओं और सामर्थ्य से भरा राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है तथा इस प्रगति का लाभ प्रदेश में गरीब व्यक्ति को मिल रहा है। अब अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति सशक्त होने के साथ ही मुख्यधारा में आ रहा है।

उन्होंने कहा, राजस्थान दिवस उत्सव की श्रृंखला में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से अन्त्योदय का विचार ब्रज की भूमि से देश-प्रदेश तक पहुंचेगा।

कांग्रेस तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ट्वीट करने में व्यस्त थी, जबकि हम जमीन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक घोटाले चरम पर थे, लेकिन उस वक्त मुख्यमंत्री के ओहदे पर बैठे गहलोत होटलों में बैठकर सत्ता बचाने की राजनीति कर रहे थे। उन्होंने पेपर लीक को लेकर कहा कि कांग्रेस सरकार में पेपर लीक हुए, हमारे कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने डीबीटी के माध्यम से 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड रुपये की राशि का हस्तांतरण किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए 300 करोड रुपये (प्रति योजना 100 करोड रूपए) की राशि आवंटित की। कार्यक्रम में प्रदेशभर में स्वामित्व कार्ड योजना के तहत 20 हजार पट्टों का वितरण, 311 लोगों को डेयरी बूथ अलॉटमेंट, माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक का वितरण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को पावर ड्रिवन व्हील चेयर एवं असिस्टिव डिवाइस वितरित की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से वर्चुअली माध्यम से जुड़े विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना, गुरू गोलवलकर आशान्वित ब्लॉक विकास योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना की मार्गदर्शिकाओं एवं दिव्यांगजनों के लिए 'समान अवसर नीति 2025' का विमोचन भी किया। साथ ही, दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना', मा नेत्र वाउचर योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के न्यू पैकेज देने व विधायक जनसुनवाई केन्द्र स्थापित किए जाने के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास के ई-वर्क पोर्टल 2.0 एवं मोबाइल ऐप का भी शुभारंभ किया।

पद्मेश मिश्रा की ए.ए.जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वादनीति एक अत्यन्त ही महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, जिसके माध्यम से प्रदेश के महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किए जाते हैं, इसलिए इसमें किए गए संशोधनों को बड़ी ही बारीकी से देखा जाना चाहिए और किसी भी व्यक्ति विशेष को लाभान्वित कराने के लिए संशोधन नहीं किए जाने चाहिए। याचिकाकर्ता का कहना है कि महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता बहुत ही महत्वपूर्ण पद है, जो राज्य सरकार की ओर से अदालतों में पैरवी करते हैं। इसलिए इनकी नियुक्ति बहुत ही नीतिगत तरीके से की जानी चाहिए। अपनी अपील में उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने पद्मेश मिश्रा को नियुक्त करते वक्त उनकी योग्यता, तथा महाधिवक्ता और अन्य महाधिवक्ताओं के बीच कार्यसाधकता के विषय पर कोई विचार-विमर्श नहीं किया और सीधे ही उनकी नियुक्ति कर दी। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस तरह की नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्णय दिए हैं।

मोदी का भारत यात्रा का निमंत्रण स्वीकार किया पुतिन ने

नई दिल्ली, 27 मार्च। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत आने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। उनकी भारत यात्रा की तैयारियां चल रही हैं। इस बात की जानकारी रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को दी। हालांकि किसी भी पक्ष ने अभी यह नहीं बताया है कि पुतिन का भारत दौरा कब होगा।

लावरोव ने रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद की ओर से "रूस और भारत: एक नए द्विपक्षीय एजेंडा की ओर," विषय पर आयोजित सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय

- रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, भारत के प्र.मंत्री मोदी ने तीसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा के लिए रूस को चुना। अब हमारी बारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले विदेश दौरे के लिए रूस को चुना था,अब हमारी बारी है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने 06 दिसंबर 2021 में भारत की यात्रा की थी। वे सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौतों पर दस्तखत हुए थे। फरवरी 2022 में यूक्रेन वॉर शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा होगी। इस विजिट से दोनों देशों के बीच 2030 के लिए नए आर्थिक रोडमैप को आगे बढ़ ाने की उम्मीद है।

रीट पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले की सुनवाई में राज्य सरकार ने अदालत को कहा था कि पहले भी कई भर्तियों को एसओजी की जांच के बाद रद्द किया गया था। इसके अलावा याचिकाकर्ता अपने आप को राष्ट्रीय स्तर का संगठन बताता है, लेकिन अन्य राज्यों में रद्द हुई विभिन्न भर्तियों को लेकर संगठन ने सीबीआई जांच की मांग नहीं की है। एसओजी मामले में निष्पक्षता से जांच कर रही है। इसलिए जनहित याचिका को खारिज किया जाए। इसके बाद खंडपीठ ने पेपर लीक की जांच सीबीआई को सौंपने ने इनकार करते हुए याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील तीसरे दिन भी हड़ताल पर

वकीलों ने सुप्रीम कोलीजियम के जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादले के खिलाफ भारी नारेबाजी

प्रयागराज, 27 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरण करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के फैसले के खिलाफ बार एसोसिएशन की हड़ताल में गुरूवार को धरना प्रदर्शन करते हुए जस्टिस वर्मा गो बैक के नारे लगाए गये।

- दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा घर में आग लगने पर कथित तौर नोटों के बंडल मिलने के कारण विवादों में आ गए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट गेट नम्बर तीन पर हुई सभा में पदाधिकारियों संग अधिवक्ताओं ने दोहराया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का हाईकोर्ट में स्थानांतरण मान्य नहीं है। गुरूवार को अधिवक्ताओं की हड़ताल का लगातार तीसरा दिन है। अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक न्यायमूर्ति वर्मा के तबादले की सिफारिश कोलीजियम द्वारा वापस नहीं ली जाती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

अधिवक्ताओं के हड़ताल पर रहने से अदालतों में कामकाज नहीं हो पा रहा है। न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित है। प्रतिदिन करीब दस हजार मुकदमों की सुनवाई होती है, लेकिन हड़ताल के कारण तीन दिन में 30 हजार सुनवाई फंसी हैं। नए मुकदमों की लिस्टिंग पूरी तरह ठप है।

हजारों केसों में तारीख लग रही हैं। प्रदेश के तमाम जिलों से आने वाले वादकारी मुकदमों की सुनवाई नहीं होने के कारण परेशान हैं।

वरिष्ठ न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी के नेतृत्व में अधिवक्ता दल बुधवार को कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मिला। बताया जा रहा है बातचीत बहुत ही सकारात्मक रही है। तिवारी ने गुरूवार को दिल्ली सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल से भी मुलाकात की।

'ममता बनर्जी, बाँग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सर्वाधिक मुखर विरोध किया था और अब सत्ता में आने के बाद, वे वामपंथियों की कार्य योजना का अनुसरण करते हुए विदेशियों को देश में ला रही हैं।

ममता बनर्जी वामपंथी मोर्चे की उस रणनीति को पूरी तरह उच्चतर स्तर पर ले गई है और उन्होंने इन्हें छिपाने के रास्ते अपनाये हैं। शाह ने कहा कि अधिकांश अवैध घुसपैठियों के पास राज्य सरकार के दफ्तरों द्वारा जारी किये गये आधार कार्ड राज्य के चौबीस परगना जिले में जारी हुये हैं।

शाह ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में पकड़े गये इन अवैध घुसपैठियों में से सभी के पास आधार कार्ड थे तथा वे बंगाल के गिने-चुने सीमावर्ती जिलों में जारी हुये हैं।

शाह ने कहा कि भारत आर्थिक ताकत के रूप में आगे बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में विदेशियों का कुछ मात्रा में प्रवेश तो अपेक्षित है, लेकिन अवैध विदेशियों का प्रवेश बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि वे जघन्य गतिविधियों में लिप्त होते हैं। बंगाल सरकार अपनी संकीर्ण नीतियों के कारण पूरे देश की सुरक्षा के साथ समझौता कर रही है, जो राष्ट्र-हित की दृष्टि से बहुत नुकसानदेह है।

शाह इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद, ये सारे कृत्य रूक जायेंगे।

इस सरकार के संकीर्ण सोच और कृत्यों के चलते, इसके ज्यादा समय तक चलने के आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं।

'श्रीलंका की जेलों में 97 भारतीय मछुआरे बंद हैं'

नयी दिल्ली, 27 मार्च। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरूवार को राज्यसभा को बताया कि अभी 97 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की जेलों में बंद हैं। डा . जयशंकर ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि श्रीलंका सरकार ने पिछले दो तीन वर्षों में इस संबंध में कड़े कानून बनाये हैं। भारत सरकार मछुआरों की रिहाई के बारे में श्रीलंका सरकार के साथ राजनयिक स्तर पर समय समय पर बात करती रहती है। उन्होंने कहा कि गलती से श्रीलंका की समुद्री सीमा में चले जाने वाले मछुआरों की सहायता के लिए सरकार उनकी नौकाओं पर ट्रांसपोंडर लगाने का काम कर रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908